RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp.02 October 2024

अंक - 04 (मासिक) वर्ष - 20 अक्टूबर, 2024 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

श्री रामावतार जाजू हुए 'माहेश्वरी भारत गौरव' से सम्मानित

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2024
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-04 अक्टूबर, 2024 वर्ष-20

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
विठ्ठल भूतड़ा, दुर्ग

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- **PNB A/c. No. : 0459002100043471**
  IFSC- PUNB0045900
- **ICICI A/c. No. : 03005001198**
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

हम निर्मल तो लक्ष्मी स्वयं उपस्थित

महाभारत की कथा के केंद्र में एकमात्र लक्ष्मी हैं। लक्ष्मी अर्थात् धन-सम्पत्ति के लिए ही कौरवों-पांडवों में महायुद्ध हुआ था। तब से आज तक प्रायः हर युद्ध एकमात्र लक्ष्मी की प्राप्ति के उद्देश्य से होता आया है। सारे जगत् को लक्ष्मी की कामना है और इसीलिए जगत् लक्ष्मी को पूजता है।

महाभारत में लक्ष्मी सागरमन्थन से उत्पन्न दिव्य देवी हैं। मूलतः वे भगवान विष्णु की पत्नी हैं और महाकाव्य की कथा में कृष्ण पत्नी रुक्मिणी तथा द्रौपदी के रूप में अवतरित होकर उपस्थित हैं। महाभारत के अनुशासन पर्व में लक्ष्मी से जुड़ी कई कथाएँ हैं जो जीवन में धर्म, अर्थ और काम की सिद्धि के लिए लक्ष्मी का महात्म्य समझाती है।

इनमें लक्ष्मी और रुक्मिणी का संवाद इस अर्थ में महत्वपूर्ण है कि इसमें लक्ष्मी स्वयं बताती है कि वे केवल श्रम या पुरुषार्थ से ही फलित नहीं होती बल्कि प्रकृति और पर्यावरण से लेकर घर की स्वच्छता, शुचिता और सुघड़ता में भी प्रकट होती है। अर्थात् जिस घर में समुचित साफ-सफाई और साज-सज्जा का ध्यान रखा जाता है वहाँ लक्ष्मी निवास करती है। इसके उलट गन्दे वातावरण और अव्यवस्थित रहने वाले लोगों को त्याग देती है।

ऐसे अनेक संवादों में एक संवाद अद्भुत है जो अनुशासन पर्व के 82वें अध्याय में वर्णित है। इस कथा के अनुसार एक बार लक्ष्मी स्वयं गायों के एक झुंड के सम्मुख उपस्थित हुई और अपना परिचय देते हुए उनसे आग्रह किया कि वे उन्हें अर्थात् लक्ष्मी को स्वीकार लें।

कथा कहती है कि लक्ष्मी के चंचल स्वभाव को देखते हुए गायों ने विनम्रतापूर्वक उन्हें अस्वीकार कर दिया। तब लक्ष्मी को बड़ा आश्चर्य हुआ। उन्होंने गायों से कहा कि देवताओं से लेकर सारा संसार मेरी कामना करता है और मैं उन्हें बड़ी कठिनाई से प्राप्त होती हूँ। मैं स्वयं तुम्हारे पास आई और मुझे ग्रहण करने का आग्रह कर रही हूँ, तब भी तुम मुझे क्यों स्वीकार नहीं करती?

तब लक्ष्मी के अत्यंत आग्रह का आदर करते हुए गायों ने उन्हें अपने भीतर स्वीकार कर लिया। तब से आज तक लक्ष्मी गायों के गोबर और पवित्र गोमूत्र में विराजमान हैं।

इस कथा का प्रतीक यह है कि गाय सदैव शाकाहारी, पवित्र, निर्मल, पुष्टिदायक और कल्याणकारी होती है। उसका दूध ही अमृत नहीं होता बल्कि मल-मूत्र तक उपयोगी होते हैं। जो लोग गाय के समान हो, लक्ष्मी स्वयं उनके पास आती है और स्वीकार की प्रार्थना करती है।

यही इस कथा के माध्यम से दीपावली पर लक्ष्मी को पास बुलाने का सूत्र है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

श्रद्धा ही है श्राद्ध...

हमारे धर्म शास्त्रों में श्राद्ध पक्ष का विशेष महत्व बताया गया है। इसके अनुसार 16 दिवसीय श्राद्ध पक्ष में पितृ अपने लोक से पृथ्वी पर आते हैं और अपने उन परिजनों के यहाँ कव्य अर्थात् भोजन ग्रहण करते हैं, जिन्होंने उनके निमित्त श्राद्ध किया है। जब वे अपने उन परिजनों के श्राद्ध कर्म से संतुष्ट होते हैं, तो उनके जीवन की मंगलकामना करते हुए, उन्हें आशीर्वाद देते हुए अपने लोक को पुनः लौट जाते हैं। वहीं जो परिजन अपने पितृों का श्राद्ध नहीं करते उन पर वे कुपित होकर उन्हें शाप देते हैं, जिससे वे जीवन में भारी कष्ट उठाते हैं।

अब यह तो हुई हमारे शास्त्रों की बात, जो अपने आपमें गुढ़ार्थ को सहेजे होती है। इस पर तार्किक व वैज्ञानिक ढंग से चिंतन किया जाऐ, तो पितृ अर्थात् माता-पिता तथा सच्चे गुरु ही दुनिया में ऐसे होते हैं, जो अपने संतान या अपनी शिष्य की इतनी उन्नति की कामना करते हैं, जितनी अपने जीवन में वे भी नहीं कर सकें। सीधे अर्थों में कहा जाऐ तो वे उन्हें अपने से भी अधिक सफल देखना चाहते हैं। ऐसा भाव दुनिया में कहीं प्राप्त नहीं हो सकता। न तो ऐसी भावनाऐं अपने पुरुषार्थ से अर्जित की जा सकती है, न ही खरीदी जा सकती है। यही कारण है कि माता-पिता को पृथ्वी पर साक्षात् भगवान का स्वरूप माना गया है। अतः श्राद्ध पक्ष ऐसे दिवंगत पितरों के प्रति अपनी श्रद्धा की अभिव्यक्ति का पर्व ही है। इसके साथ यह परिवार की नयी पीढ़ी को अपने पूर्वजों के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें भी सुसंस्कारों की ओर प्रेरित करता है।

श्राद्ध पक्ष वास्तव में श्रद्धा का पर्व है, लेकिन इसे सिर्फ दिवंगत पितरों तक सीमित नहीं किया जा सकता। इसे तो इस अर्थ में लिया जा सकता है कि हम उन्हें उनके न होने पर भी याद करते हैं। लेकिन जब तक माता-पिता अथवा हमारे बड़े हमारे साथ हैं, तब तक यदि हम उनके प्रति अपने सम्मान व सेवा भाव से उनका स्नेह व आशीर्वाद प्राप्त कर सकें, तो वह सच्चा श्राद्ध होगा, अन्यथा केवल उनके न होने पर किया गया श्राद्ध तो मात्र दिखावा रूपी कर्मकांड ही है। अतः संकल्पित हो जाऐं कि हम अपने पितरों का उनके रहते ही आशीर्वाद लेने में पीछे न रहें। अपनी इस श्रद्धा के दायरे को भी बढ़ाऐं और अपने माता-पिता के साथ सभी वरिष्ठजनों के प्रति भी अपनी श्रद्धा की अभिव्यक्ति में पीछे न रहें। यह भाव आपको सभी का स्नेह तो दिलवाऐगा ही, साथ ही आप इससे महामानव होने के पथ पर अग्रसर भी होंगे।

श्री माहेश्वरी टाईम्स के इस अंक को वरिष्ठ विशेषांक के रूप में प्रकाशित कर हमने भी वरिष्ठजनों को उनके कृतित्व व व्यक्तित्व के लिये श्रद्धा सुमन अर्पित करने का प्रयास किया है। समाज में ऐसे कई वरिष्ठजन हैं, जो अपनी उम्र की बाधा को परे रखते हुए इस अवस्था में भी अपनी पूर्ण ऊर्जा से परिवार, समाज व राष्ट्र को अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं। हमने उनमें से ही कुछ ऐसे प्रेरक वरिष्ठ व्यक्तित्व को अपने आलेखों के द्वारा प्रबुद्ध पाठकों के सम्मुख रखने का प्रयास किया है, जिससे हमारी भावी पीढ़ी भी उनसे प्रेरणा ले सके। निश्चय ही पूर्व के विशेषांकों की तरह यह अंक भी संग्रहणीय सिद्ध होगा।

इस अंक में इसके साथ समस्त स्थायी स्तम्भों का समावेश भी है। आपको यह अंक कैसा लगा अवश्य ही बताऐं। आपकी प्रतिक्रिया हमारे लिये उत्साहवर्धक के साथ ही मार्गदर्शक भी सिद्ध होगी।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

अपने मधुर व्यवहार तथा समर्पित समाजसेवा के कारण जन-जन में भाऊ के रुप में चहेते दुर्ग (छ.ग.) निवासी 78 वर्षीय समाजसेवी श्री विट्ठल भूतड़ा का जन्म 21 दिसम्बर 1946 को हुआ। आपने कम उम्र में ही जहाँ व्यापार की बारीकी सीख लीं, वहीं समाज के प्रति कुछ करने के अपने समर्पित भाव के साथ संगठन से भी जुड़े। श्री भूतड़ा ने बी.कॉम., एल. एल. बी. तक उच्च शिक्षा ग्रहण की, लेकिन स्व व्यवसाय को ही अपने जीवन की आजीविका बनाया। अन्तर्राष्ट्रीय सेवा संस्था लायंस क्लब से 20 वर्षो तक सम्बद्ध रहते हुए आपने जोन व रीजन चेयरमेन जैसे पदों पर भी अपनी सेवा दी। समाज संगठन के अन्तर्गत 1963 से प्रारम्भ सेवा यात्रा में श्री भूतड़ा श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल दुर्ग के उपाध्यक्ष, सचिव तथा अध्यक्ष रहे। वर्ष 1977 से श्री माहेश्वरी पंचायत में सचिव, उपाध्यक्ष व अध्यक्ष जैसे पदों की जिम्मेदारी सम्भाली। सन् 2009-12 में अध्यक्ष दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा, वर्ष 2013-16 में उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा रहे। वर्ष 2016-19 में अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा के पद पर दायित्व का निर्वहन करते हुए वर्तमान में कार्यकारी मंडल सदस्य अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा हैं। श्री भूतड़ा श्रीमती केसरबाई सोनी छात्रावास मुंबई, सेठ मीठालाल राठी छात्रावास भिलाई, श्री बांगड़ मेडिकल वेलफेयर सोसाइटी भीलवाड़ा, श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र चेन्नई व श्री खींवज माता ट्रस्ट पोकरण तथा श्रीकृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। छत्तीसगढ़ महेश सेवा निधि, इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के आजीवन सदस्य भी है। नागरिक सहकारी बैंक दुर्ग एवं बुलढाणा अर्बन कॉपरेटिव बैंक सोसायटी के सदस्य आदि के रूप में कई संस्थाओं से सम्बद्ध होकर सेवा भी दे रहे है।

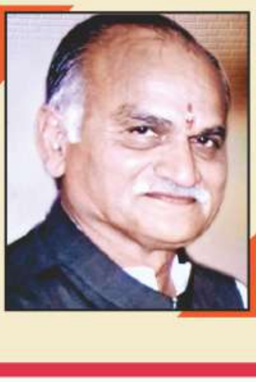

समय के साथ चलें वरिष्ठजन

कहते हैं कि समय किसी का इंतजार नहीं करता। जो समय के साथ चलता है, वही उसकी दौड़ में शामिल रह सकता है, अन्यथा वह अनुपयोगी होकर इस दौड़ से बाहर हो जाता है। यह बात हर किसी पर सही सिद्ध होती है। यदि कोई युवा भी इस दौड़ में पिछड़ेगा तो वह भी विकास की दौड़ में इतना पिछड़ जाऐगा कि उसे सम्भलने का मौका ही नहीं मिलेगा। यह धारणा वरिष्ठजनों पर तो खरी ही सिद्ध हो रही है। यदि कोई वरिष्ठ कहता है कि उसे परिवार में महत्व नहीं दिया जाता। उसे सभी उपयोगिताविहिन समझने लगे हैं, तो इसके लिये स्वयं को ही आत्मचिंतन करना होगा कि ऐसा क्यों?

इस दुनिया का यह कटु सत्य है कि जिसकी जितनी उपयोगिता, उतना उसका महत्व। किसी भी कम्पनी को ही ले लें, जब उसमें कर्मचारियों की छंटनी होती है, तो वे ही बाहर किये जाते हैं, जो अपनी उपयोगिता को ठीक से सिद्ध नहीं कर सके। सिर्फ युवा या वरिष्ठ होना ही योग्यता का पैमाना नहीं है। पैमाना समयानुकूल चलना है। यदि वरिष्ठजन भी अपने आपको वृद्ध वाली सोच से बाहर निकालकर अपने आपको आधुनिक तकनीकी से अपडेट करते रहें, तो मजाल है कि कोई उनकी उपेक्षा करने की कोशिश करे। वर्तमान दौर ने तो वरिष्ठों को और भी अधिक अवसर दे दिये हैं। यह दौर शारीरिक बल का नहीं बल्कि बुद्धि और तकनीक का है। इसमें वरिष्ठों की शारीरिक सामर्थ्य हमेशा बाधक नहीं बनती। जब तक हम मानसिक रूप से स्वस्थ हैं, अपने आपको दुनिया की दौड़ में शामिल रख सकते हैं। इसके लिये "अब क्या करना" वाली सोच से बाहर निकलकर कम्प्यूटर, इंटरनेट, मोबाईल हर क्षेत्र में इस तरह अपडेट रहना होगा कि परिवार को आप अपना सहयोग दे सकें और चाहें तो बच्चों के व्यवसाय में भी सहयोगी बन सकें। फिर देखिये परिवार आपको सिर पर बैठाकर रखेगा।

वर्तमान दौर में वरिष्ठजन एक और समस्या से जुझ रहे हैं और वह है जनरेशन गेप की समस्या। युवा पीढ़ी और वरिष्ठजन की सोच में जमीन आसमान का अंतर लगता है। वास्तव में यह स्वाभाविक भी है, समय के अनुसार सोच व रहन-सहन में परिवर्तन तो होता ही है। यदि इस परिवर्तन में कोई खराबी नजर आ रही है, तो सिर्फ परम्परावादी बनकर ही उसका विरोध न करें, बल्कि तथ्यों के साथ उन्हें समझाऐं। इससे आपकी बात का महत्व बढ़ेगा। उसके बाद भी कोई समझने की कोशिश न करे तो जबरदस्ती अपनी सोच को न थोपें। याद रखें सही-गलत समय स्वयं समझा देता है। जिस दिन उन्हें समझ आऐगी तब वे आपके सामने नत-मस्तक हो जाएंगे।

अंत में मैं समाज संगठन से भी अपील करना चाहूँगा कि समाज संगठनों में ऐसे वरिष्ठजनों को जिम्मेदारी अवश्य सौंपे तो ऊर्जा से परिपूर्ण हैं और जिनमें कुछ करने की इच्छा हो। इससे उनकी क्षमताओं का तो सदुपयोग होगा ही, साथ ही समाज भी उनके अनुभव तथा समर्पण का पूरा-पूरा लाभ ले पाऐगा।

विठ्ठल भूतड़ा, दुर्ग
अतिथि सम्पादक

श्री नवासन माताजी

■ टीम SMT

श्री नवासन माताजी माहेश्वरी समाज की नुवाल और खुवाल खाँप की देवि है।

श्री नवासन माताजी का मंदिर राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में गंगापुर के समीप रायपुर ग्राम में स्थित है। मंदिर तो अधिक पुराना नहीं है लेकिन प्रतिमा प्राचीन बताई जाती है। इस मंदिर में माताजी की प्रतिमा को स्थापित किया गया है। माहेश्वरी समाज के साथ ही स्थानीय निवासी भी माताजी के प्रति विशेष श्रद्धा रखते है और नवरात्रि में यहाॅं विशेष आयोजन होता है।

पूजा विधिः

यहाॅं माताजी के पूजन में चुनरी, कुंकु, चाँवल, नारियल, काजल, मोली व मेहन्दी चढ़ाई जाती है। माताजी को विशेष रूप से लापसी का भोग लगाया जाता है।

कैसे पहुँचेंः

भीलवाड़ा से सड़क मार्ग से रायपुर ग्राम तक पहुँचा जा सकता है। यह गाँव गंगापुर के समीप है और भीलवाड़ा से ४० कि.मी. दूर स्थित है। यहाँ पहुँचने के लिये रायपुर गाँव तक बस सुविधा उपलब्ध है।

कहाँ ठहरेः

ठहरने के लिये गंगापुर में धर्मशाला, लॉज आदि उपलब्ध है। उत्तम श्रेणी की होटल भीलवाड़ा में उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें
श्री माणकलाल जगदीशचन्द्र नुवाल
बड़े मंदिर के पास ग्राम व पोस्ट-रायपुर जिला भीलवाड़ा

'माहेश्वरी भारत गौरव' से सम्मानित श्री जाजू का हुआ सम्मान

जयपुर। 'माहेश्वरी भारत गौरव' से सम्मानित उधोगपति एवं वरिष्ठ समाज सेवी रामावतार जाजू का श्री माहेश्वरी विद्यालय ट्रस्ट इंदौर के बैनर तले सार्वजनिक सम्मान किया गया। इस गरिमामय समारोह की मुख्य अतिथि पूर्व लोकसभा अध्यक्ष, पदम् भूषण सुमित्रा महाजन थी। समारोह में बड़ी संख्या में विशिष्ठजन उपस्थित रहें। इस मौके पर ट्रस्ट द्वारा संचलित श्री आर. के. डागा माहेश्वरी एकेडमी की छात्राओं ने नृत्य द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की व श्री बी. डी. तोषनीवाल माहेश्वरी बाल मंदिर की प्राथमिक कक्षा की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

समारोह की शुरुआत कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती महाजन, ट्रस्ट अध्यक्ष पुरुषोत्तमदास पसारी, सचिव सी.ए. भरत सारडा समेत ट्रस्ट के उपाध्यक्ष हरीश माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष पवन लड्ढा, सहसचिव अनिल झंवर व श्री पसारी ने स्वागत उद्बोधन में समाजसेवी श्री जाजू की कार्यशैली की प्रशंसा की। निलेश सारडा द्वारा जीवन परिचय व सत्यनारायण मंत्री द्वारा श्री जाजू के सम्मान पत्र का वाचन किया गया। अतिथियों और ट्रस्ट पदाधिकारियों ने अभिनन्दन पत्र भेंट कर पगड़ी पहना कर श्री वेंकटेश देवस्थान के अंगवस्त्र व श्रीफल से श्री जाजू का अभिनंदन किया। इस मौक़े पर ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री माहेश्वरी स्कूल के अध्यक्ष देवेंद्र बाहेती, सचिव शैलेष सोडानी, आर के डागा माहेश्वरी एकेडमी की अध्यक्ष पंकज सोनी, सचिव मनीष बिसानी, आर पी एल माहेश्वरी कॉलेज के उपाध्यक्ष कमल नारायण भुराड़िया, सचिव एस एन मंत्री, फूलबाई मुरलीधर झंवर माहेश्वरी कन्या छात्रावास के अध्यक्ष श्रीनिवास मालपानी सचिव सुमन सारडा, बी डी तोषनीवाल माहेश्वरी बालमंदिर के अध्यक्ष अनिरूद्ध केला, सचिव शोभा माहेश्वरी सहित माहेश्वरी समाज के इंदौर ज़िला संगठन अध्यक्ष रामस्वरूप धूत व समाज के स्थानीय, प्रादेशिक, राष्ट्रीय संगठन पदाधिकारी एवं अन्य अनेक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र मंत्री ने किया। आभार सचिव सीए भरत सारड़ा ने माना।

समाज में समय पर विवाह की आवश्यकता - काल्या

मुंबई। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री और 'श्री बसन्तीलाल मनोरमा देवी काल्या अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' के चेयरमैन राजकुमार काल्या ने एक महत्वपूर्ण बैठक में समाज में व्याप्त समस्याओं और उनके निराकरण पर अपने विचार साझा किए। यह बैठक अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के मुंबई प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर उन्होंने समाज में बढ़ती तलाक की दर, सगाई के बाद संबंधों के टूटने और घटती जनसंख्या जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा की। श्री काल्या ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में व्याप्त इन समस्याओं का सबसे प्रभावी समाधान युवक और युवतियों का समय पर विवाह है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि युवतियों का विवाह 21 वर्ष की आयु और युवकों का 23 वर्ष की आयु में हो, तो समाज में व्याप्त कई जटिल समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

प्रेरणा स्तम्भ से करेंगे सम्मान

उन्होंने यह भी कहा कि समाज में ऐसे युगल दंपतियों को 'प्रेरणा स्तंभ' से सम्मानित किया जाना चाहिए, जिन्होंने अपनी विवाह योग्य आयु में ही विवाह कर लिया हो। इसके तहत, 1 सितंबर 2024 के बाद ऐसी युवतियों और युवकों का विवाह होने पर उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। इस योजना के तहत प्रथम 10 ऐसे दंपतियों को 'प्रेरणा स्वरूप' 51,000 रुपये की शगुन राशि की एफडी प्रदान करने की घोषणा की गई।

समाज में योगदान के लिए प्रोत्साहन

राजकुमार काल्या ने बताया कि 'श्री बसन्तीलाल मनोरमा देवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' समय-समय पर समाज की खेल, कला, साहित्य, सांस्कृतिक और शैक्षणिक प्रतिभाओं को पुरस्कृत कर सम्मानित करता रहा है। हाल ही में महेश नवमी के पावन पर्व पर समाज में जन्मी 21 संतानों को 'वंशोत्पति जन्म सम्मान' के रूप में 21,000 रुपये की शगुन राशि प्रदान की गई, जो समाज में नई पीढ़ी का स्वागत करने का एक प्रतीकात्मक और प्रोत्साहक कदम था।

अयोध्या यात्रा का आयोजन

उज्जैन। माहेश्वरी सभा नागदा द्वारा एक धार्मिक यात्रा अयोध्या के लिए आयोजित की गई। उज्जैन में यात्रियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मण्डल सदस्य दिलीप लोया, जिला सचिव नवीन बाहेती, प्रदेश कार्यकारी मण्डल सदस्य संजय लड्ढा, शैलेंद्र राठी एवं पुष्कर बाहेती विशेष रूप से उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर किया ध्वजारोहण

फरीदाबाद। स्थानीय माहेश्वरी मंडल ने 15 अगस्त को माहेश्वरी भवन में 78वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण किया। इस मौके पर नीतू भूतड़ा और श्रीचंद्र लड्ढा को समाज में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में रामकुमार राठी, महेश गट्टानी, कमल गुप्ता, श्रवण मिमानी, महावीर बिहानी, संजय सोमानी, दुर्गा प्रसाद मूंदड़ा आदि गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

महेश अन्न सेवा में मानवसेवा

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज द्वारा शुरू की गई 'महेश अन्न सेवा' के तहत जरूरतमंदों की सेवा लगातार जारी है। गत 29 अगस्त को जे.के.लॉन हॉस्पिटल के बाहर सेवा केंद्र पर समाज के संरक्षक सत्यनारायण - सुमित्रा काबरा और सुमित-पूजा काबरा के सहयोग से करीब 500 जरूरतमंदों को भोजन प्रसादी और मिठाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष केदारमल भाला, महामंत्री मनोज मूंदड़ा, उपाध्यक्ष बजरंगलाल बाहेती, पवन बजाज, रविन्द्र झंवर, शंकरलाल लड्ढा, अभिनन्दन शांतिलाल जागेटिया सहित समाज के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

आराध्या ने जीता स्वर्ण पदक

परतवाड़ा (अमरावती)। अमरावती की आराध्या बजाज ने अगस्त 2024 में वर्धा के सेवाग्राम में आयोजित राज्य स्तरीय थांग-टा मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले, उन्होंने परतवाड़ा (अमरावती) में आयोजित जिला स्तरीय थांग-टा चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक हासिल किया था। आराध्या की इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

महिला मंडल ने मनाया नंदोत्सव

रतनगढ़। माहेश्वरी महिला मंडल ने माहेश्वरी सभा ट्रस्ट के तहत माहेश्वरी भवन में नंदोत्सव का आयोजन किया। कार्यक्रम में महिलाएं लड्डू गोपाल लेकर आईं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ भजन-कीर्तन किया गया। प्रश्न मंच प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और लड्डू गोपाल लेकर आईं महिलाओं को उपहार दिए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना और समापन भगवान कृष्ण की आरती से हुआ। भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव केक काटकर मनाया गया।

समाज की प्रतिभाओं के लिए कार्यशाला

जयपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत 18 से 28 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला 29 सितंबर 2024 को तक्षशिला सभागार, एमपीएस, जवाहर नगर, जयपुर में आयोजित होगी। इस कार्यशाला में अनुभवी IAS, IPS, IRS और अन्य प्रशासनिक अधिकारीगण यूपीएससी की तैयारी के बारे में मार्गदर्शन करेंगे। कार्यशाला में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है।

आईएएस दीपक करवा ने पूरा किया आयरनमैन चैलेंज

मुंबई। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी दीपक बाबूलाल करवा ने एस्टोनिया के तालिन्न में आयोजित प्रतिष्ठित आयरनमैन चैलेंज को सफलतापूर्वक पूरा किया। आयरनमैन ट्रायथलॉन को दुनिया के सबसे कठिन एक दिवसीय खेल आयोजनों में से एक माना जाता है। इसमें प्रतियोगियों को 2.4 मील (3.9 किमी) की तैराकी, 112 मील (180.2 किमी) की साइकिल यात्रा और 26.22 मील (42.2 किमी) की मैराथन दौड़ को क्रमबद्ध रूप से पूरा करना होता है, जिससे कुल दूरी 140.6 मील (226.3 किमी) होती है। दीपक बाबूलाल करवा की इस अद्भुत उपलब्धि ने न केवल भारत का नाम रोशन किया है, बल्कि उन्होंने यह भी साबित कर दिया है कि इच्छाशक्ति और कठिन परिश्रम से कोई भी चुनौती पार की जा सकती है। खेल की कठिनाइयों और शारीरिक चुनौतियों के बावजूद, करवा ने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया और अपने दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। उनकी इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए उन्हें पूरे देश से बधाइयाँ मिल रही हैं। यह उपलब्धि उनके साहस और कठिन परिस्थितियों में अडिग रहने की क्षमता का प्रतीक है।

समाज के 24 व्यक्तियों ने नेत्रदान का संकल्प लिया

रतनगढ़। माहेश्वरी सभा ट्रस्ट और शंकरा नेत्र अस्पताल द्वारा आयोजित निःशुल्क मोतियाबिंद जांच और नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर में माहेश्वरी समाज के 24 लोगों ने मरणोपरांत अपनी आंखें दान करने का संकल्प लिया। इसमें एडवोकेट रजनीकांत सोनी, पूर्णिमा लढ़ा, चंदा देवी सोनी, रामवतार चाण्डक, महेशकुमार जाजू, सरिता चाण्डक आदि ने संकल्प पत्र भरा। समाज के बाकी सदस्यों ने अगले शिविर में नेत्रदान का संकल्प लेने का निर्णय लिया।

यशवी बाहेती को सुयश

राजोद। धार (म.प्र.) जिले के राजोद गांव में ग्रीन डे प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें यशवी बाहेती ने 'हरियाली क्वीन' का खिताब जीता। उन्होंने अपने संदेश में सभी को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित किया।

रूधी को लॉ में उपाधि

इंदौर। समाजसेवी मनीष रामकिशन नवाल कोषाध्यक्ष श्री अन्नपूर्णा क्षेत्र माहेश्वरी समाज की पुत्री एडवोकेट रूधी नवाल ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी कटक से अपनी डिग्री प्राप्त की। इसके साथ उन्होंने दिल्ली के प्रसिद्ध लॉ कॉरपोरेट कंपनी में अपना कार्य भी प्रारंभ किया है।

मासिक बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम संपन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल का 32वां मासिक बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम माहेश्वरी समाज संपत्ति ट्रस्ट भवन, नागोरी गार्डन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अशोक काबरा, उर्मिला तापड़िया, सम्पत माहेश्वरी, श्रवण समदानी आदि अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। श्रवण समदानी ने बताया कि भीलवाड़ा के साथ चित्तौड़, उदयपुर और मनासा में भी शाखाएं कार्यरत हैं, जहां यह सेवाएं प्रत्येक रविवार को उपलब्ध रहती हैं। अब तक कुल 1808 संबंध तय हुए हैं। कार्यक्रम में युवकों के 3940 और युवतियों के 6600 बायोडाटा संजोए गए हैं।

अभिनंदन एवं पारितोषिक वितरण समारोह संपन्न

देवास। 15 सितंबर को सोनकच्छ में, देवास जिला माहेश्वरी सभा के तत्वाधान में एवं माहेश्वरी समाज सोनकच्छ के सान्निध्य में अभिनन्दन पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि माया माहेश्वरी प्रधान आयकर आयुक्त भोपाल एवं समारोह के अध्यक्ष राधेश्याम माहेश्वरी, प्रिंसिपल कमिश्नर जीएसटी भोपाल थे। जिला अध्यक्ष कैलाश डागा ने स्वागत भाषण दिया। जिला सचिव प्रकाश मंत्री ने जिला सभा की गतिविधिओ की जानकारी दी। समाज के लगभग 200 समाजजनों के बीच, 22 जनवरी 2024 को अयोध्या मे रामलला के प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर, जिला सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले सात प्रतिभागियों को राम मंदिर का मोमेंटो प्रदान किया गया। इसी अवसर पर, महेश नवमी 2024 पर आयोजित चारों प्रतियोगिताओ आदि के लिए पुरस्कृत किया गया। इन विभिन्न प्रतियोगिताओं में लगभग 50000 रूपये के 24 पुरस्कार प्रदान किये गये। इसी अवसर पर देवास जिला सभा के पूर्व जिला अध्यक्षों, सत्यनारायण लाठी सोनकच्छ, मुरलीधर मानधन्या देवास, राजेश धूत कन्नौद का शाल, अभिनंदन पत्र भेंट कर अभिनन्दन किया गया। इसी अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष स्वर्गीय श्री बालकिशन भूतड़ा की अध्यक्षता में वर्ष 2006 से प्रारंभ हुई निराश्रित विधवा महिलाओं को सहयोग राशि प्रदान करने के कार्य में 12 महानुभावों ने लगभग सवा लाख रुपए की राशि प्रदान की। समारोह में सत्यनारायण लाठी पूर्व जिला अध्यक्ष एवं नरेंद्र छापरवाल अध्यक्ष माहेश्वरी समाज सोनकच्छ ने अपना उद्बोधन दिया। समारोह में सोनकच्छ व आसपास क्षेत्र की महिलाएं व समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। समारोह के अंत में तृप्ति लाहोटी ने राष्ट्रगान किया, आभार नरेंद्र छापरवाल ने माना।

आरव को स्केटिंग में गोल्ड और सिल्वर

बठिंडा। सिल्वर ऑक्स स्कूल के 5वीं कक्षा के विद्यार्थी आरव डागा ने जिला स्तर के स्केटिंग मुकाबलों में 3 सिल्वर मेडल हासिल किए। उन्होंने 500 मीटर, 1000 मीटर और एक लेप रेस में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आरव का चयन राष्ट्रीय स्तर के मुकाबलों के लिए हुआ है, और उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और कोच को दिया।

माहेश्वरी सभा कोयंबटूर द्वारा 'महेश गौरव' से सम्मानित गोपाल माहेश्वरी का अभिनंदन

कोयंबटूर। माहेश्वरी सभा, कोयंबटूर ने अध्यक्ष गोपाल माहेश्वरी को 'महेश गौरव' से सम्मानित किया। यह सम्मान तमिलनाडु, केरल, पांडिचेरी माहेश्वरी महासभा द्वारा प्रदान किया गया। इस उपलक्ष्य में माहेश्वरी भवन, कोयंबटूर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में रामरतन कोठारी और ममता दमानी मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में गोपाल माहेश्वरी सहित 30 से अधिक विभिन्न संस्थानों के अध्यक्षों ने गोपाल माहेश्वरी का शॉल पहनाकर अभिनंदन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई और माहेश्वरी सभा की इशिका और तनिशा फोमरा ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गोपाल माहेश्वरी की जीवनगाथा पर आधारित डॉक्युमेंट्री भी दिखाई गई।

वार्षिक साधारण सभा का हुआ आयोजन

फरीदाबाद। गत 22 सितंबर को श्री माहेश्वरी मंडल, फरीदाबाद एवं माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट फरीदाबाद की वार्षिक साधारण सभा माहेश्वरी मंडल अध्यक्ष रामकुमार राठी एवं महेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कमल अगीवाल एवं सभी सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। मंच का संचालन सचिव महेश गट्टानी की अनुपस्थिति में सह- सचिव राकेश सोनी द्वारा किया गया। माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष रामकुमार राठी, महेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कमल आगीवाल, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के सचिव श्रवण मिमाणी, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा पुष्पा झंवर, माहेश्वरी युवा मंडल के अध्यक्ष मोहित झँवर, माहेश्वरी युवा मंडल के सचिव रोहित झँवर मंचासीन थे। माहेश्वरी मंडल के कोषाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद मूंधड़ा ने आय-व्यय का ब्योरा रखा। माहेश्वरी मंडल के सह सचिव राकेश सोनी ने पिछले हुए कार्यक्रमों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष रामकुमार राठी ने आगे के प्रोग्राम के बारे में बताया। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कमल आगीवाल ने सेवा ट्रस्ट द्वारा किए हुए कार्यक्रमों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन

रतनगढ़। माहेश्वरी सभा ट्रस्ट द्वारा आयोजित 18वें मासिक निःशुल्क मोतियाबिंद जांच और नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर में 113 मरीजों की जांच की गई, जिनमें से 43 मरीजों को लेंस प्रत्यारोपण के लिए चुना गया। चयनित मरीजों को जयपुर भेजा गया, जहां उनका आधुनिक तकनीक से बिना टांके का ऑपरेशन किया जाएगा। शिविर का शुभारंभ रजनीकांत सोनी, श्यामलाल सोनी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इस अवसर पर कई गणमान्य नागरिक और सैकड़ों मरीज उपस्थित रहे।

राशि माहेश्वरी ने बताया वर्ल्ड रिकॉर्ड

बूंदी। समाज सेविका राशि माहेश्वरी ने गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाया है। राशि ने भारतीय इतिहास की 100 घटनाओं और उनके वर्षों को मात्र 1 मिनट 14 सेकंड में धाराप्रवाह सुनाकर 'फास्टेस्ट फीट ऑफ रेसिटेशन' का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। यह रिकॉर्ड उन्होंने डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह की मेंटोरशिप में हासिल किया। सर्किट हाउस में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अपने हाथों से सर्टिफिकेट प्रदान कर राशि को प्रोत्साहित किया और महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का संदेश दिया।

अजमेरा बने यूपीएससी के संयुक्त सचिव

नई दिल्ली। 2008 बैच के भारतीय सूचना सेवा (IIS) के अधिकारी संतोष गोपाल अजमेरा को हाल ही में भारत सरकार द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। इससे पूर्व, श्री अजमेरा ने भारतीय चुनाव आयोग में संचालक के पद पर रहते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव और 15 राज्यों के चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थीं। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

परवाल देहदान संकल्प हेतु सम्मानित

जयपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व संयुक्त मंत्री और पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम परवाल को देहदान संकल्प के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने 30 मई 2013 को अपने 71वें जन्मदिन पर मरणोपरांत नेत्रदान और देहदान का संकल्प लिया था, जिसके लिए उन्हें रामदास राठी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया गया। इसी प्रकार राजस्थान जनमंच ट्रस्ट द्वारा 14 अगस्त 2024 को आयोजित सम्मान समारोह में समाजसेवी श्री राधेश्याम परवाल को 'समाज रत्न' की उपाधि से विभूषित किया गया। श्री परवाल ने 65 वर्षों से समाज सेवा में अपना योगदान दिया है। वह महिलाओं और बालिकाओं को शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ सामूहिक विवाह, सम्मेलन और अनेक सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे हैं।

प्रियांशी एमबीबीएस प्रथम वर्ष में टॉपर

भीलवाड़ा। दिल्ली यूनिवर्सिटी के मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में भीलवाड़ा की छात्रा प्रियांशी माहेश्वरी ने एमबीबीएस प्रथम वर्ष की परीक्षा में टॉप किया है। प्रियांशी, संगीता लढ़ा और राकेश बांगड़ की पुत्री हैं। इससे पहले, प्रियांशी ने नीट परीक्षा में भी 720 में से 700 अंक प्राप्त कर भीलवाड़ा टॉप किया था।

खरी-खरी...

बुरा हो वक़्त तो
सच्ची हिमायत कौन करता है

नसीहत तो सभी देते
इनायत कौन करता है

तमन्नाओं की ख़ातिर
सिर झुके दिखते हैं सज़दे में

बिना मतलब तो रब की भी
इबादत कौन करता है

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन

उदयपुर (राज.)। माहेश्वरी महिला गौख द्वारा जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संरक्षक कौशल्या रानी और जनक बागड़ की उपस्थिति में हुआ। अध्यक्ष आशा नरानीवाल ने बताया कि इस अवसर पर कृष्ण के जीवन चरित्र पर आधारित झांकियों, भजन और नृत्य का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 80 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया और राधा-कृष्ण की रूपधारण कर सुंदर प्रस्तुति दी। इस दौरान सरिता न्याती, मंजू गांधी, रेखा असावा, कविता बल्दवा, राजकुमारी कोठारी, श्रद्धा गट्टानी, सीमा मंत्री समेत सभी सदस्याऐं मौजूद रहीं।

78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

कोयंबटूर। माहेश्वरी सभा, कोयंबटूर के सदस्यों ने 15 अगस्त 2024 को सामूहिक रूप से 78वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया। माहेश्वरी भवन परिसर में अध्यक्ष गोपाल माहेश्वरी, सचिव संतोष मूंदड़ा और कोषाध्यक्ष दामोदर प्रसाद सोमाणी ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर समाज के प्रमुख सदस्यों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का समापन जलपान के साथ हुआ।

सावन की सैर और राखी कार्यक्रम

हैदराबाद। हैदराबाद-सिकंदराबाद मारवाड़ी महिला संगठन ने शमशाबाद स्थित भाग्य नगर धाम में सावन की सैर और राखी कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर वेद पाठी बटुक और वृद्धजनों को सैर मनाई गई। बटुकों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं और वेद मंत्रों के उच्चारण ने वातावरण को धार्मिकता से भर दिया। संगठन की अध्यक्ष कलावती जाजू ने वृद्धजनों के लिए मनोरंजक खेलों का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान सभी को राखी बांधी गई।

गट्टाणी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर कार्यक्रम

नोखा। माहेश्वरी समाज, नोखा ने 3 सितम्बर को स्वर्गीय सोहनलाल गट्टाणी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर माहेश्वरी सभा अध्यक्ष भँवरलाल बाहेती और बीकानेर जिलाध्यक्ष ललित झंवर की उपस्थिति में नंदी शाला, रायसर रोड पर पौधारोपण और नंदियों को गुड़ खिलाने का कार्यक्रम आयोजित हुआ। समाज के वरिष्ठ और युवा सदस्यों ने इस पुण्य कार्य में भाग लिया। समाज के सदस्यों ने स्व. श्री गट्टाणी की स्मृति को संजोने के लिए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

'स्वास्थ्य परिचर्चा' का आयोजन

जयपुर। रामजीदास मोदानी फाउंडेशन और नरायणा हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन 1 सितम्बर 2024 को एक होटल में किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. देवेन्द्र श्रीमाल (कार्डियोलॉजी), डॉ. राहुल जैन (गठिया रोग) और डॉ. वैभव माथुर (न्यूरोलॉजी) ने विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं पर जानकारी दी। परिचर्चा के दौरान डॉक्टरों ने जिज्ञासु प्रश्नकर्ताओं के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। कार्यक्रम में 140 से अधिक लोगों ने भाग लिया और इस आयोजन की सराहना की। अंत में डॉ. रवि मोदानी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए भोजन के लिए आमंत्रित किया।

जो व्यक्ति स्पष्ट, साफ, सीधी बात करता है, उसकी वाणी तीव्र एवं कठोर होती है, लेकिन ऐसा व्यक्ति कभी भी आपको धोखा नहीं देगा।

प्रपौत्री जन्म पर चढ़े स्वर्ण सीढ़ी

जयपुर। लोहिया परिवार ने समाज में कन्या जन्म को लेकर एक सशक्त संदेश दिया है। परिवार की चौथी पीढ़ी में कन्या के जन्म पर उन्होंने भारतीय पारंपरिक रीति-रिवाजों को तोड़ते हुए सोने की सीढ़ी चढ़ने की रस्म को निभाया। पारंपरिक रूप से यह रस्म प्रपौत्र के जन्म पर निभाई जाती है, लेकिन लोहिया परिवार ने इसे बदलकर अपनी प्रपौत्री के जन्म पर मनाया। इस पर दादा अनिल लोहिया और दादी विनीता लोहिया ने कहा, कि 'बेटा और बेटी समान हैं।' इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया और मधु भूतड़ा ने अपनी स्वरचित कविता के माध्यम से परिवार को बधाई दी।

वनों व वन्यजीवों के संरक्षण के दिये सुझाव

भीलवाड़ा। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी एवं इन्टेक भीलवाड़ा कन्वीनर बाबूलाल जाजू ने राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मुलाकात करते हुए वन, वन्यजीव एवं झील जलाशयों के संरक्षण के लिए सरकार का ध्यान आकृष्ट करने का आग्रह किया। इस अवसर पर श्री जाजू ने राज्यपाल को 11 सूत्रीय सुझाव पत्र सौंपा जिसमें मुख्य रूप से प्रदेश के प्राचीन पुरातत्व महत्व के विरासत स्थलों, कुएं बावड़ियों व नदियों को संरक्षण प्रदान करने, पौधारोपण का लक्ष्य कम करने, वन क्षेत्रों में सुरक्षा वाल बनाकर वनों को सुरक्षित करने और प्राकृतिक जंगल विकसित करने तथा राष्ट्रीय पक्षी मोरों के संरक्षण हेतु वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की कड़ाई से पालना करवाने को लेकर सुझाव शामिल हैं।

नादान हैं वो लोग जो माँ-बाप का अपमान करते हैं, माँ बाप तो वे रत्न हैं, जिन्हें भगवान भी प्रणाम करते हैं।

गणेशोत्सव का हुआ आयोजन

वरंगल। श्री गणेश उत्सव समिति द्वारा 50 वर्षों से श्री गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस वर्ष स्वर्ण जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रतिदिन आरती के बाद लकी ड्रॉ द्वारा पुरुष और महिला वर्ग के लिए चांदी के सिक्कों का वितरण किया गया। इसके साथ, समाज के सभी वर्गों के लिए गीता श्लोक, भजन गायन, और चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इस आयोजन में 16 सितंबर को श्री गणेश विसर्जन की शोभायात्रा निकाली गई।

सेवल्या माताजी का रात्रि-जागरण

बागोर। सोनी कोठारी खाप की कुलदेवी श्री सेवल्या माताजी का वार्षिक रात्रि-जागरण एवं भजन सन्ध्या 8 नवम्बर को रात्रि में एवं 9 नम्बवर को प्रातः 10:15 बजे वार्षिक अधिवेशन आयोजित होगा। तत्पश्चात महाप्रसादी होगी। समारोह में महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, यूपी, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, आसाम, पंजाब राज्य एवं नेपाल, दुबई, अमेरिका आदि से भक्त भाग लेंगे। उक्त जानकारी ट्रस्ट अध्यक्ष कैलाश कोठारी एवं रामजस सोनी ने देते हुए सभी सोनी कोठारी भाईयों से भाग लेने की अपील की।

गोकुलाष्टमी महोत्सव का आयोजन

आब्दीमंडी। श्री पंचमंडली माहेश्वरी एवं श्री माहेश्वरी मंडल छत्रपति संभाजीनगर के सहयोग से श्री राधामुकुंद युगल सरकार मंदिर में गोकुलाष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया। 25 और 26 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव मनाया गया जिसमें श्रीकृष्ण मुकुट सज्जा प्रतियोगिता, यशोदा-कान्हा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, और भजन संध्या का आयोजन किया गया। 26 अगस्त को गायक कुमार ओम अग्रहरि का भक्ति संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके साथ ही, मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया और शोभायात्रा का भी आयोजन किया गया।

वन भ्रमण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

उदयपुर। सदस्याओं ने शनिवार को ईको पार्क में वन भ्रमण कार्यक्रम संरक्षक कौशल्या गट्टानी व अध्यक्ष आशा नरानीवाल के सान्निध्य में आयोजित किया। सचिव सीमा लाहोटी ने बताया कि इस दौरान बड़ी तालाब, फतहसागर व बाहुबली हिल्स पर सदस्याओं ने फिल्मी और लोकगीतों की प्रस्तुतियां दी और प्राकृतिक सौंदर्य की फोटोग्राफी का आनंद उठाया। अंत में सभी प्रतिभागी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सरिता न्याती, निर्मला काबरा, कविता बल्दवा, रेखा गट्टानी, रेणु मून्दड़ा, इन्द्रा मून्दड़ा, अंकिता सहित कई सदस्याएं मौजूद थीं।

सुमिता मूंधड़ा का अभिनंदन

सोयगाँव। हिंदी दिवस के अवसर पर सुमिता राजकुमार मूंधड़ा को मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय सोयगांव द्वारा आमंत्रित किया गया। कॉलेज में दीप प्रज्जवलन के उपरांत मंच पर सुमिता को शाल, पुष्पगुच्छ और पुस्तक देकर सम्मानित किया गया। हिंदी दिवस के अवसर पर सुमिता ने महाविद्यालय के जूनियर और सीनियर छात्र-छात्राओं को हिंदी भाषा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, अनुशासन, जीवनलक्ष्य आदि विषयों को लेकर काव्य के द्वारा संदेश दिया। सुमिता ने महाविद्यालय को अपनी स्वरचित काव्य-संग्रह की प्रतियां भेंट की। राष्ट्रभाषा हिंदी के सम्मान में हिंदी दिवस का यह कार्यक्रम सफलता से संपन्न हुआ।

जिंदगी में हमेशा सबकी कमी बने, पर
कभी किसी की जरूरत नहीं।
क्योंकि जरूरतें तो हर कोई पूरी कर
सकता है पर किसी की
कमी कोई पूरी नहीं कर सकता।

श्रीगोपाल राठी का अभिनंदन

भीलवाड़ा। शिक्षा के विकास में अभूतपूर्व सहयोग देने के लिए 28वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा शिक्षा विभूषण पुरस्कार से सम्मानित होने पर पर भामाशाह गोपाल राठी (चेयरमैन संदीप मोटर्स प्रा. लि.) का शास्त्री नगर युवा संगठन द्वारा अभिनंदन किया गया। संगठन अध्यक्ष आदित्य मालीवाल, सचिव अरुण बियानी, कोषाध्यक्ष राहुल पोरवाल सहित राहुल बियानी द्वारा भामाशाह श्री राठी को दुपट्टा ओढ़ाकर प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री राठी द्वारा सन 2021 में श्रीनगर अजमेर में सरकारी स्कूल को गोद लेकर विद्यालय की काया पलट करते हुए 2 करोड़ 32 लाख रुपए लागत से पुराने जीर्ण-शीर्ण भवन को ध्वस्त करवा कर दो मंजिला 20 कक्षा कक्षों व फर्नीचर सहित विद्यालय में आंगनबाड़ी भवन, मय डबल मंजिल बरामदे, छात्र-छात्राओं के शौचालय, 500 छात्र हेतु आधुनिक फर्नीचर, वाटर कूलर, बोरिंग सीसी ग्राउंड फर्श व मंच आदि का निर्माण करवा कर नये आयाम स्थापित किये गये।

कुपोषण का बड़ा कारण अज्ञानता

बूंदी। सामर्थ्य सोसायटी द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के तहत ब्रह्मपुरी स्थित बड़ी बांगड़ आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड नंबर 24 में पौष्टिक आहार पर कार्यशाला आयोजित की। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि वर्तमान समय में भी भारत के कई इलाकों में बच्चें कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। कुपोषण का बड़ा कारण अज्ञानता और निरक्षरता भी है। अधिकांश लोगों, विशेषकर गांव, देहात में रहने वाले व्यक्तियों को संतुलित भोजन के बारे में जानकारी नहीं होती इसी वजह से वह स्वयं अपने बच्चों के भोजन में आवश्यक वस्तुओं का समावेश नहीं कर पाते। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रचना चौहान, आशा सहयोगिनी कृष्णा मेहरा, सोसायटी सदस्य नम्रता शुक्ला, अनीशा जैन शालिनी सोनी आदि उपस्थित रहे।

महिला महोत्सव का आयोजन

कोल्हापुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा इचलकरंजी में 2 दिवसीय उद्यम महिला मेले का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न तरह के सामान, ज्वेलरी, कॉस्मेटिक्स, राखियां, साड़ी तथा स्नैक्स आदि के लगभग 70 स्टाल लगाऐ गये।उद्‌घाटन गंगा झंवर-कोल्हापुर, महाराष्ट्र प्रदेश युवा संगठन अध्यक्ष विनीत तोषनीवाल, राष्ट्रीय दक्षिणांचल उपाध्यक्ष अनुसूया मालू, प्रमुख अतिथि महाराष्ट्र प्रदेश संगठन मंत्री सरोज तोषणीवाल, महाराष्ट्र प्रदेश पश्चिमांचल उपाध्यक्ष कांता लाहोटी, सह सचिव तथा निवर्तमान अध्यक्ष उर्मिला बियानी सहित सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति में हुआ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कोंडिग्रे विद्या मंदिर मे छात्र - छात्राओं को शैक्षणिक साहित्य एवं मिठाई का वितरण किया गया। विद्यालय में पानी की टंकी व बड़ी शतरंज उपलब्ध कराई गई। स्वयं सिद्धा समिति अन्तर्गत मूकबधिर माहेश्वरी माहिला को स्वरोजगार के लिए ब्यूटी पार्लर खोलने हेतु सभी आवश्यक सामान, ड्रेसिंग टेबल, फेशियल चेयर आदि प्रदान किये गये। सभी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अध्यक्ष पुष्पा काबरा व कोषाध्यक्ष सरला बाहेती ने सभी सदस्याओं का आभार व्यक्त किया।

उत्कृष्ट योगदान के लिए लाठी सम्मानित

जलगांव। जलगांव के मदन लाठी को विभिन्न सामाजिक और स्वास्थ्य सेवाओं में उनके अद्वितीय योगदान के लिए कई मौकों पर सम्मानित किया गया है। 'विश्व रक्तदाता दिवस' के अवसर पर मदन लाठी ने अपना ४४वां रक्तदान किया, जो भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि वह नियमित रक्तदाता हैं और हर तीन महीने बाद रक्तदान करते हैं। कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने प्लाज़्मा दान करके कई जीवन बचाए, जिसके लिए उन्हें 'कोरोना योद्धा' सम्मान से नवाजा गया। इसके अलावा, जलगांव जिला प्रशासन ने मदन लाठी को मतदान जागरूकता अभियान में उनकी भूमिका के लिए भी सम्मानित किया। उन्होंने नवविवाहितों को मतदान के प्रति जागरूक किया और समाज से सराहना प्राप्त की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों को मान्यता देते हुए, मुक्ताई महिला बहुउद्देशीय संगठन और हेल्थ प्लस संस्थान ने भी उन्हें सम्मानित किया।

पुण्यतिथि पर वृक्षारोपण कर दी श्रद्धांजलि

अमेठी। पंकज माहेश्वरी स्मृति महाविद्यालय, नन्दग्राम, जायस, अमेठी (उ.प्र.) में अपने प्रेरणा स्त्रोत पंकज माहेश्वरी की पुण्यतिथि पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। शुभारंभ डॉ. सुशील कुमार गुप्ता, विशिष्ट अतिथि उमेश अग्रवाल, प्रबन्धक मनोज माहेश्वरी ने किया। हिंदी दिवस पर हुई भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

कृष्ण जन्माष्टमी व सिंजारा का आयोजन

ग्वालियर। वृहत्तर ग्वालियर माहेश्वरी महिला मंडल ने सिंजारा और कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में धूमधाम से आयोजन किए। सातुड़ी तीज के एक दिन पूर्व सभी बहनों ने सिंजारा मनाया, जिसमें मजेदार गेम्स, सावन नृत्य, और हाऊजी का आनंद लिया गया। अगले दिन तीज पर सभी महिलाओं ने नीमड़ी माता की पूजा कर सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त किया। कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर नंद उत्सव और छप्पन भोग का आयोजन किया गया। सभी ने मिलकर कान्हा को भोग अर्पित किया और विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

विद्यालय में खेल सामग्री वितरित

बूंदी। सामर्थ्य सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि भांजे अनामय माहेश्वरी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में खेल सामग्री वाणी विशेष विद्यालय में वितरित की। माहेश्वरी ने कहा कि खेल खेलने से न सिर्फ बच्चों की बौद्धिक क्षमता का विकास होता है बल्कि मानसिक रूप से भी बच्चे खुश और स्वस्थ रहते हैं। खेल खेलने से बच्चों के कौशल में भी विकास होता है। कार्यक्रम के दौरान सोसायटी सदस्य नम्रता शुक्ला, आराधना जांगिड़, नेहा जोशी, वर्तिका हाडा आदि उपस्थित रहे। संस्था प्रधान महेश गोस्वामी ने आभार व्यक्त किया।

सामूहिक गोठ एवं महेश मेला सम्पन्न

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर की 58वीं सामूहिक गोठ एवं महेश मेला गत 15 सितम्बर को विद्याधर नगर स्टेडियम पर संपन्न हुए। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का भव्य अभिनंदन किया गया। समाज अध्यक्ष केदारमल भाला ने बताया कि इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में देश की ख्यातनाम विभूतियों रामअवतार जाजू (इन्दौर), रामरतन भूतड़ा (सूरत) एवं जयदीप बिहाणी (विधायक, श्रीगंगानगर) को 'माहेश्वरी भारत गौरव' सम्मान तथा ज्योति माहेश्वरी (समाज संरक्षक), नटवर लाल अजमेरा एवं नथमल मालू को 'माहेश्वरी समाज रत्न' सम्मान से अलंकृत किया गया। महामंत्री मनोज मूंदड़ा ने बताया समारोह के मुख्य अतिथि विवेक लड्ढा, विशिष्ट अतिथि हरिनारायण कासट, उद्घाटनकर्ता सुनील जाजू, स्वागताध्यक्ष रामअवतार होलानी तथा विशेष अतिथि सीताराम मालपानी संरक्षक श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर थे। समाज बन्धु गोठ में दाल-बाटी-चूरमे का आनन्द लिया, जिसमें बादाम का चूरमा विशेष रहा। विद्याधर नगर स्टेडियम में 10 से 12 हजार माहेश्वरी बन्धु एकत्रित हुऐ। रमेश कुमार समधानी गोठ संयोजक, नवीन मूंदड़ा (हरगाड़ा) गोठ कोषाध्यक्ष एवं राजकुमार झंवर शेयर होल्डर संयोजक थे। कार्यक्रम को आकर्षक बनाने के लिए लक्की ड्रॉ का आयोजन भी किया गया।

परिवार परिवेदना समिति की बैठक सम्पन्न

जोधपुर। समाज में बढ़ते तलाक़ एवं निरन्तर टूटते रिश्तों को बचाने के लिए यह नितांत आवश्यक है कि हम युवा पीढ़ी से विवाह पूर्व संवाद करें। उन्हें यह बताएँ कि अधिसंख्य रिश्ते टूटने के कगार पर आते हैं पर यह उन दम्पतियों अथवा परिवार वालों की दूरदर्शिता होती है कि वे परिपक्वता से इस टूटन से उबर जाते हैं। हम नयी पीढ़ी को इन समयसिद्ध तरीकों से अवगत करवाएं। उक्त विचार समाजसेवी रामानन्द काबरा ने गत 23 सितम्बर को परिवार परिवेदना निवारण समिति की बैठक में व्यक्त किए। समिति संयोजक साहित्यकार हरिप्रकाश राठी ने शायर वशीर बद्र के हवाले से कहा कि, जो कहा नहीं वो सुना करो। संवाद का पूरा होना जरूरी है। स्वाति जैसलमेरिया ने कहा कि अधूरा संवाद अनेक बार कयामत ढा देता है। आशा फोफलिया ने इस हेतु युवा पीढ़ी को विशेषज्ञ वक्ताओं के उद्बोधन सुनने अथवा उनसे परामर्श लेने की अनुशंसा की। मनोविद डॉ सुशीला राठी ने रिश्तों को समयानुकूल संभालने की बात की। उन्होंने कहा समय निकल जाने पर बैर एवं हठ दृढ़ बन जाते हैं। सभा में एडवोकेट नन्दकिशोर चण्डक, महेंद्र मालपानी, विमल गट्टानी एवं मधु समदानी भी उपस्थित थीं।

सर्वाइकल कैंसर कन्या टीकाकरण रजिस्ट्रेशन

भीलवाड़ा। श्री नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा द्वारा श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा की योजनाओं के अंतर्गत माहेश्वरी महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण अभियान एवं माहेश्वरी परिवार का सामूहिक बीमा रजिस्ट्रेशन अभियान चलाया जा रहा है। अध्यक्ष केदार गगरानी ने बताया कि 9 से 14 वर्ष तक की कन्याओं और 14 से 26 वर्ष तक की लड़कियों को भविष्य के भय से निर्मूल करने हेतु ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर के टीकाकरण का अभियान चलाया जा रहा है। 14 वर्ष तक की कन्या को पहला टीका लगाने के बाद दूसरा टीका छः महीने से बारह महीने के बीच लगता है और 14 वर्ष के बाद की लड़की को चार-चार महीनों बाद कुल तीन टीके लगते हैं। श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी ने 50 प्रतिशत राशि का भुगतान अपने ट्रस्ट से करने का फैसला किया है। इस हेतु निःशुल्क ब्रेस्ट कैंसर टीकाकरण के अभियान में बालिकाओं, युवतियां एवं महिलाओं का रजिस्ट्रेशन करवाने के संदर्भ में विभिन्न क्षेत्रीय माहेश्वरी सभाओं के अध्यक्ष व मंत्री को निर्देशित किया गया। मंत्री संजय जागेटिया ने बताया कि भीलवाड़ा नगर में श्री नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा द्वारा शून्य से तीन लाख रुपए की आय वर्ग के परिवारों के लिए पंजीयन करवाने वाले प्रथम 250 सदस्य को यह टीका निःशुल्क लगाया जाएगा।

उपलब्धि

श्रेया को 96%

अमरावती। महाराष्ट्र राज्य बोर्ड की सेकेण्डरी परीक्षा समाज सदस्य अनुप राठी की सुपुत्री श्रेया ने 96% अंकों से उत्तीर्ण की। इसमें सर्वाधिक 99 अंक उन्होंने संस्कृत में प्राप्त किये। श्रेया श्री गोपालदास राठी सुपौत्री है।

धुर्वीका राठी को 97.5%

हरदा (म.प्र.)। धुर्वीका अमित अनुपमा राठी ने 10 वीं सीबीएसई की परीक्षा 97.5% प्राप्त कर उत्तीर्ण की। इसके लिये कोलकाता में माहेश्वरी समाज द्वारा अवार्ड एवं सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक सभा कार्य समिति की बैठक सम्पन्न

जैसलमेर। स्थानीय माहेश्वरी सेवा सदन में पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा कार्य समिति सदस्यों की बैठक 22 सितंबर रविवार को आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम जैसलमेर जिला अध्यक्ष देवकिशन भूतड़ा, मंत्री अनिल भूतड़ा एवं स्थानीय समाजजनों द्वारा प्रदेश अध्यक्ष रतनलाल डागा, प्रदेश मंत्री सत्यनारायण लढा, प्रदेश उपाध्यक्ष घनश्यामदास चांडक, महासभा राष्ट्रीय सदस्य एवं जोधपुर जिला महासभा अध्यक्ष पुरुषोतम मून्दड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष अर्जुन चांडक तथा प्रदेश कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश लोहिया का श्रीफल भेंट कर उपरना पहना कर स्वागत किया गया। ज़िला अध्यक्ष देवकिशन भूतड़ा द्वारा स्वागत भाषण में जैसलमेर ज़िला समाज के चिकित्सा, शिक्षा, धार्मिक और राजनीतिक योगदान का वर्णन किया। प्रदेश मंत्री सत्यनारायण लड्डा द्वारा गत प्रदेश सभा बैठक कार्रवाई की पुष्टि की गई। तत्पश्चात प्रदेश अध्यक्ष रतनलाल डागा ने उद्बोधन दिया। आये हुए सभी जिला अध्यक्षों द्वारा प्रगति रिपोर्ट और आगामी योजना प्रस्तुत की गई। महासभा की फ्लैगशिप योजना मिशन IAS 100 (2030) जीनियस जेनरेशन, एबीएम इन्नोवेट कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर पर विचार किया गया। बैठक में बाड़मेर, पाली, जालोर, जोधपुर से प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश सभा के कार्य समिति सदस्य, महासभा के कार्य समिति सदस्य, महासभा के कार्य समिति व कार्यकारिणी मंडल सदस्य, महासभा की चिन्हित समितियों ट्रस्टों के सदस्यगण, प्रदेश महिला एवं युवा संगठन के अध्यक्षगण एवं सभी जिला अध्यक्ष तथा जैसलमेर से चंद्रप्रकाश सारदा, मिठालाल मोहता, ग्वालदास गोयदानी, गोपिकिशन मेहरा, जगदीश बिसानी, भगवानदास भूतड़ा आदि उपस्थित थे।

माहेश्वरी समाज ने 60 प्रतिभाओं का किया सम्मान

नाथद्वारा। 25 अगस्त को श्री माहेश्वरी सेवा सदन, नाथद्वारा में जिला माहेश्वरी संस्थान द्वारा समाज की 60 विशिष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विष्णु गोपाल सोमानी ने की। मुख्य अतिथि रमाकांत बाल्दी थे। इस अवसर पर समाज की शैक्षिक, खेलकूद, प्रोफेशनल, और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि श्री बाल्दी ने युवाओं को प्रेरित करते हुए उन्हें समाज और देशहित में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। समारोह का संचालन भूपेंद्र लड्डा ने किया, और जिला अध्यक्ष विष्णु गोपाल सोमानी ने आभार व्यक्त किया।

ग्रीन ग्रोथ में माहेश्वरी

वाराणसी। समाज सदस्य श्री सतीश मानधना भारत के 5500 करोड़ रुपये के जलवायु केंद्रित फंड 'ग्रीन ग्रोथ फंड' के लिए काम कर रहे हैं। श्री मानधना एवरसोर्स कैपिटल के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर और सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। श्री मानधना जलवायु जोखिम को मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा मानते हैं और इस खतरे को कम करने के लिए संसाधनों को सही दिशा में उपयोग करने पर जोर देते हैं।

एक पेड़ मां के नाम

अहमदाबाद। जिला माहेश्वरी सभा साबरमती क्षेत्र के अंतर्गत माहेश्वरी नारायणी महिला संगठन साबरमती क्षेत्र अहमदाबाद की संकल्प सिद्धा- ग्राम विकास व राष्ट्रोदय समिति के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण किया गया। लगभग 15 से 20 सखियों ने मिलकर 15 पौधों को लगाकर भूमि को हरा भरा रखने और स्वच्छ भारत सुंदर भारत की कल्पना का संकल्प लिया। अहमदाबाद जिला माहेश्वरी सभा साबरमती क्षेत्र अध्यक्ष दीनदयाल मालपानी, मंत्री अनिल कोठारी, अध्यक्ष संगीता बिरला, सचिव वंदना असावा, महिला मंडल कोषाध्यक्ष रैना अजमेरा, उपाध्यक्ष कृष्णा पटवारी सहित बड़ी संख्या में सदस्याऐं उपस्थित थीं।

कीर्ति ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

चैन्नई। कीर्ति भराड़िया को वर्ल्ड रिकॉर्ड कम्युनिटी द्वारा 'किसी बच्चे द्वारा बिना रुके सबसे लम्बी अंतरराष्ट्रीय तैराकी' (Longest Non-Stop Transnational Swim By A Child) का खिताब मिला। श्री माहेश्वरी सभा, चैन्नई ने कीर्ति भराड़िया का सम्मान किया। 18 वर्षीय कीर्ति भराड़िया ने श्रीलंका से भारत तक की 32 किमी की दूरी बिना रुके तैरकर 10 घंटे 25 मिनट में पूरी की, जिससे उन्हें यह वर्ल्ड रिकॉर्ड कम्युनिटी द्वारा Longest Non-Stop Transnational Swim By A Child का खिताब मिला। इस उपलब्धि के अवसर पर मिंट स्ट्रीट स्थित श्री माहेश्वरी भवन में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

नेक्स्टेजन बिजनेस कॉन्क्लेव में बताऐ व्यवसाय के गुर

शेयर बाजार, सोश्यल मीडिया से लेकर हर आधुनिक मार्केटिंग टूल की दी जानकारी

मुंबई। अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वाधान में मुंबई प्रदेश माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित NextGenPreneur Business Conclave मुंबई में आयोजित किया गया। आयोजन में भारतवर्ष के 24 प्रदेशों के युवाओं सहित नेपाल से भी पधारे युवाओं ने हिस्सा लिया।

NEXTGENPRENEURE का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य माहेश्वरी समाज के युवाओं संग समाज के उद्योगपति को व्यापार में समय के साथ बदलाव, नवविचार में व्यापार को कैसे अग्रसर कर सकते हैं और कैसे आप अपने व्यापार को सफल एवं उन्नत व्यापार बना सकें, आदि गुर बताये गये। कार्यक्रम में निवर्तमान सभापति श्याम सोनी, अखिल भारतवर्षीय महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रवीण सोमानी, अखिल भारतवर्षीय महासभा के राष्ट्रीय अर्थमंत्री राजकुमार काल्या, अखिल भारतवर्षीय महासभा के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री दिनेश राठी, रमेश तापड़िया पूर्व अध्यक्ष, विशेष सहयोगी के रूप में विजय मोहता, आनंद सोनी (हैदराबाद), राधे तोषनीवाल (बेलगाम), रुपाली सोनी (नागपुर), मुंबई प्रदेश सभा के अध्यक्ष बिहारीलाल मालपानी, सचिव सुनिल लाहोटी, विदर्भ प्रदेश संगठन अध्यक्ष दामोदरदास शारडा, सचिव अजय मोदनी, कोषाध्यक्ष दिनेश सोमानी आदि उपस्थित थे।

शेयर बाजार के बजाए सूत्र

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उद्योगपति, व्यापार जगत संग शेयर बाजार के प्रमुख सलाहकार, जो अपना व्यापार भारत के साथ दूसरे देशों में भी कर रहे हैं, उन्होंने भी मार्गदर्शन दिया। इनमे प्रमुख रूप से चंदूभाई विरानी (Balaji Wafers), धनंश्री मंघाणी (Salam Kisan), ध्रुव तोषनीवाल The (Pant) Project, शशांक काकानी (Dream Sport), आनंद राठी (Anand Rathi Group), प्रशांत मोहोता (Gimatex Industries PVT LTD), संदीप मल (Wildlife Photo Grapher & Health Coach), सुमित काबरा (RR Global, Msh Ventures), मिखिल ईनाणी (Apollo Finvest, Pharmacy) आदि सहित देश के जाने-माने उद्योगपति संग शेयर बाजार के प्रमुख सलाहकार उपस्थित रहे। युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था। हर युवा अपने मन में किसी ने किसी प्रश्न को लेकर हर स्पीकर एवं उद्योगपतियों से अपनी राय ले रहा था कि कैसे अपने व्यापार को उन्नति की ओर ले जाए, कैसे अपनी पूंजी का व्यापार में सही इस्तेमाल करें? युवाओं के प्रश्न का जवाब कार्यक्रम में उपस्थित स्पीकर एवं उद्योगपतियों ने बारी-बारी से एवं बड़ी ही सरलता से दिया।

इनकी मिली जानकारी

- **ज्ञानवर्धक सत्रः** शेयर बाजार के दिग्गजों ने युवाओं को शेयर बाजार में निवेश एवं वित्तीय रणनीतियां की गहन जानकारी प्रदान की।
- **फायर साइट चैट्स :** व्यापार के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई जिसमें उन्होंने अपने अनुभव साझा किये एवं व्यापारिक सफलता के मंत्र दिए।
- **पॉडकास्ट एवं विशेषज्ञ वार्तालापः** नवनिर्मित वेबसाइट रुझानों पर आधारित पॉडकास्ट और विशेषज्ञ की चर्चा ने युवाओं को वर्तमान एवं भविष्य के व्यापारिक परिदृश्य के बारे में जागरूक किया।
- **नेटवर्किंग अवसरः** 24 प्रदेशों से आए लगभग साढे 550 प्लस युवाओं के लिए यह महत्वपूर्ण साबित हुआ है। इसमें उन्होंने एक दूसरे के विचारों से सीखने एवं आपसी सहयोग के अवसर तलाशे।
- **रचनात्मकता नवविचार पर विशेष चर्चाएंः** इंटरैक्टिव सूत्रों एवं मंथन गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को अपने विचारों को प्रस्तुत करने का मंच मिला, जिसमें काल्पनिक एवं मूल्यवान विचारों को बढ़ावा मिला।

विशेषज्ञों ने बताऐ व्यापारिक मंत्र

चंदू भाई विरानी ने गुणवत्ता सुधार पर महत्वपूर्ण जोर दिया। उन्होंने बताया कि सफलता की पूंजी दूसरों के लाभ में है एवं समस्या को अवसर में बदलना चाहिए। उन्होंने मजबूत खरीदी प्रक्रिया के व्यापार में विशेष जोर दिया। धनश्री मंगधना ने ड्रोन तकनीक एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के उपयोग पर प्रकाश डाला। विशेषकर कृषि में उन्होंने जीवन के उपहार की सराहना और निरंतरता बनाए रखने की बात की। शशांक काकानी ने व्यावसायिक दौड़ को एक उभरते हुए खेल के रूप में पहचान कर बड़े अवसर देखने पर जोर दिया। उन्होंने आईपीएल (IPL) जैसे खेलों में होने वाली बड़ी आर्थिक संभावनाओं का उल्लेख किया। ध्रुव तोषनीवाल ने पैंट पर केंद्रित अपने नए वेंचर के बारे में एक विशेष वितरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वह ऑनलाइन कस्टमाइज पैंट की सिलाई करवा कर ग्राहकों को 21 दिन के अंदर गारंटी के साथ प्रदान कर रहे हैं। संदीप माल ने जीवन में बड़ी तस्वीर और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया और अपनी पुस्तक फिनडिंग द औएसिस के माध्यम से संतुलित और शांति की खोज पर विचार साझा किए। सुमित काबरा व निखिल ईनाणी ने पहले कदम उठाने की वजह व तेजी से कार्रवाई करने की रणनीति पर

बल दिया और अगले 10 वर्षों में अपने व्यापार को शीर्ष 5 में लाने का लक्ष्य निर्धारित किया। आनंद राठी ने शेयर बाजार के संदर्भ में भारत के उज्जवल भविष्य और आने वाले वर्षों में सूचकांक के दोगुने होने की संभावना पर विचार साझा किया। विकास सेठी ने बिजली मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, बैंकिंग, एनबीएफसी (NBFC) और (AI) सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में उभरते हुए अवसरों पर चर्चा की। मयूरेश जोशी ने कचरा और जल प्रबंधन तथा उपभोक्ता संबंधित उद्योगों पर अपने विचार प्रस्तुत किये। चंदन तापड़िया ने पूंजी बाजार ऑटो EV, AI. और IT से संबंधित क्षेत्र में अवसरों पर रोशनी डाली। अनिल भंडारी ने AI के उपयोग और प्रकिया में सुधार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कृषि में ड्रोन का उपयोग लाभकारी हो सकता है।

अंत में अवार्ड नाइट का आयोजन

दिन भर चली व्यापारी चर्चाओं के बाद मुंबई प्रदेश और अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी द्वारा शाम को Award Night & Live Band Performance का आयोजन रखा गया। पिछले 3 वर्षों में समाज के युवाओं द्वारा शुरू गए बिजनेस स्टार्टअप के लिए उनका मोमेंटो देखकर सम्मान किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद सोनी, महामंत्री प्रदीप लड्डा ने भी सम्बोधित किया। पुष्पक लड्डा राष्ट्रीय खेल मंत्री व कार्यक्रम संयोजक ने देशभर से आये युवाओ के संग अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मुंबई प्रदेश माहेश्वरी युवाओं संगठन की अध्यक्ष गौरी डागा, सचिव अजीत तापड़िया ने अपनी समस्त राष्ट्रीय युवा संगठन की टीम व मुंबई प्रदेश की टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया।

बॉक्स क्रिकेट का हुआ आयोजन

नोखा। माहेश्वरी युवा संगठन, नोखा द्वारा आयोजित बॉक्स क्रिकेट के समापन समारोह में महासभा के अर्थमंत्री राजकुमार काल्या मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। श्री काल्या ने अपने उद्बोधन में नोखा माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा किए जा रहे इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से हमारे समाज की उभरती हुई प्रतिभाओं का चयन कर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास करना चाहिए। इसी क्रम में श्री काल्या ने कहा कि युवा संगठन के ट्रस्ट 'श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' द्वारा खेल कला साहित्य सांस्कृतिक व अन्य क्षेत्र कि समाज की उभरती हुई प्रतिभाओं को साधन और संसाधन उपलब्ध कराकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में युवा संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री प्रदीप लड्डा, पूर्व संयुक्त मंत्री (पश्चिमांचल) सुरेन्द्र रान्दड, महासभा के कार्यसमिति सदस्य बाबूलाल मोहता, उत्तरी राजस्थान युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष सुनील झंवर, मंत्री किशन लोहिया, वर्तमान अध्यक्ष कमल राठी, मंत्री सन्दीप तापड़िया आदि की विशेष उपस्थिति रही।

गांधीसागर झील को लेकर याचिका दायर

भीलवाड़ा। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल सेन्ट्रल जोन भोपाल ने पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू की अधिवक्ता लोकेंद्र सिंह कछावा के मार्फत प्राचीन गांधीसागर झील को स्वच्छ एवं अतिक्रमणमुक्त कर सौंदर्यीकरण हेतु दायर की गई याचिका पर स्थानीय निकाय विभाग के प्रमुख सचिव, प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव, भीलवाड़ा जिला कलेक्टर एवं नगर परिषद आयुक्त को नोटिस जारी कर 11 नवंबर से पूर्व जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता पर्यावरणविद् जाजू ने बताया कि गांधीसागर झील में जा रहे गंदे पानी के नालों को रोकने, अतिक्रमण हटाने एवं झील के सौंदर्यीकरण हेतु पूर्व में भी याचिका संख्या 149/2014 नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में दर्ज कराई थी, जिसमें नगर परिषद भीलवाड़ा द्वारा 6 माह में गंदे पानी के नालों को झील में जाने से रोकने व तालाब का सौंदर्यीकरण करने का आश्वासन दिया था, जो 10 साल बीत जाने के बाद भी नहीं हुए।

बिड़ला का किया स्वागत

सागर। ओम बिड़ला सागर अल्प प्रवास पर भाग्योदय तीर्थ में निर्यापक मुनि सुधा सागर जी के दीक्षा दिवस समारोह में आये। इस अवसर पर समस्त सागर माहेश्वरी समाज द्वारा श्री बिड़ला का स्वागत, सम्मान शॉल श्रीफल से किया गया। इस अवसर पर सुरेश होलानी, विजय हुरकुट, श्याम सुन्दर मूंदड़ा, धनश्याम परवाल, रमाकांत चांडक, गोपाल जैथलिया, संजय लखोटिया एवं समस्त समाज जन उपस्थित रहें।

साहित्यकार डॉ. भंडारी का सम्मान

जोधपुर। सूर्यनगरी में 15 सितंबर को बाल साहित्य संबंधित विमर्श आचार्य लक्ष्मीकांत जोशी साहित्य (बालकथा साहित्य) सम्मान समारोह में आयोजित हुआ। आचार्य लक्ष्मीकांत जोशी साहित्य सम्मान की विजेता डॉ. विमला भंडारी को सम्मानित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक, मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी डॉ. विकास दवे ने उनके बाल कथा संग्रह 'पृथ्वी ने मांगी चप्पल' के लिए साफा, सम्मान पत्र, शॉल, श्रीफल और 21,000 रुपए की राशि भेंट की। कार्यक्रम के अंत में नाट्यकार और कत्थक नृत्यांगना महुआ कृष्णदेव ने डॉ. विमला भंडारी की कहानी पृथ्वी ने मांगी चप्पल की प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति दी।

'आपणो उत्सव-2024' का हुआ आयोजन

वर्धा। माहेश्वरी मंडल द्वारा आयोजित 'आपणो उत्सव-2024' का समापन प्रमुख अतिथि डॉ. अनुराधा जाजू के प्रेरणादायक संबोधन के साथ हुआ। इससे पहले कस्तूरबा हेल्थ सोसाइटी के अध्यक्ष नियुक्त होने पर प्रसिद्ध सनदी लेखापाल परमानंद तापड़िया का माहेश्वरी समाज वर्धा की ओर से किसान नेता विजयबाबू जावंधिया ने सम्मान किया। कार्यक्रम के बारे में अधिवक्ता परमानंद टावरी ने विस्तार से बताया। समाज के बुजुर्गों और मेधावी प्रतिभाओं का भी प्रमुख अतिथि द्वारा सम्मान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में समाज की सैकड़ों प्रतिभाओं ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर मंच पर माहेश्वरी मंडल ट्रस्ट के ट्रस्टी हरीश टावरी, मंडल के अध्यक्ष अनिल जावंधिया, महिला मंडल की अध्यक्षा छाया राठी, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष आनंद भूतड़ा और नवयुवती मंडल की अध्यक्ष निधि राठी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक राजकुमार जाजू ने किया और आभार मंडल के सचिव प्राध्यापक ललित राठी ने व्यक्त किये। इसके पूर्व दोपहर में 'स्मार्ट पेरेंटिंग' विषय पर चर्चा सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. अनुराधा जाजू ने बच्चों की परवरिश, उनके भविष्य के लिए अभिभावकों की भूमिका और कर्तव्यों पर वक्तव्य दिए।

तीज सिंजारा का हुआ आयोजन

कोयम्बटूर। यह सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि माहेश्वरी सुरभि महिला मंडल कोयंबटूर का तीज का सिंजारा कार्यक्रम स्थानीय माहेश्वरी भवन में मनाया गया। कार्यकम में समाज की लगभग 50 से ज्यादा महिलाओं ने भाग लिया। सभी महिलाओं ने, कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न खेलकूद/गेम्स प्रतियोगताओं, डांस, गीत, हाऊजी में भाग लिया और साथ में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम में रंगारंग डांस की प्रस्तुति श्रद्धा चितलांगिया, पुजा गटाणी, ममता चांडक, प्रीति सोमाणी, राधिका फोमरा, राखी फोमरा, संगीता गग्गड़ आदि द्वारा दी गई। सरिता फोमरा द्वारा मनोरंजक खेल खिलाये गये। इस कार्यक्रम की मेज़बानी मंडल की सदस्या सीता काकानी, कांता माहेश्वरी, बसंती सोमाणी, उर्मिला कांकानी, कविता माहेश्वरी, संगीता गग्गड़ द्वारा की गई।

गट्टानी को वूमेन अचीवर्स अवार्ड

भोपाल। दैनिक भास्कर समूह द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशेष उपलब्धि हेतु वूमेन अचीवर्स अवार्ड 2024 के अंतर्गत 'नारायण रेकी सत्संग परिवार भोपाल संभाग सेन्टर हेड' रेकी मास्टर रेणु गट्टानी को रेकी प्रशिक्षण के साथ व्यक्तित्व विकास हेतु किये जा रहे कार्यों हेतु सम्मानित किया गया। भोपाल में आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा यह अवार्ड दिया गया।

श्राद्ध पक्ष में अस्पताल में अन्नदान

कोयंबटूर। सुरभि महिला मंडल के तत्वावधान में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 23 सितम्बर को श्राद्ध पक्ष के उपलक्ष्य में सरकारी अस्पताल में मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए अन्नदान का आयोजन किया गया। मंडल की सदस्याओं द्वारा 200 से ज्यादा जरूरतमंद मरीजों एवं उनके परिजनों को भोजन के पैकेट वितरित किये गये। कार्यक्रम में सुरभि महिला मंडल की ओर से बीना मूंदड़ा, अन्नु कांकाणी, उर्मिला कांकाणी, सुनीता करनाणी, निर्मला कांकाणी, नीतु मण्डोवरा, बसंती सोमाणी, किरण मालानी, सुनीता राठी इत्यादि उपस्थित थे।

स्कूल में सेवा कार्यक्रम

वरंगल। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर माहेश्वरी समाज और माहेश्वरी युवा संगठन वरंगल ने सरकारी सहायता प्राप्त पाठशाला में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान विद्यार्थियों को नोटबुक्स, पेन, पेंसिल और कम्पास बॉक्स वितरित किए गए। साथ ही, बच्चों को योगाभ्यास के लिए ग्रीन मेट्स भी दी गईं। माहेश्वरी युवा संगठन ने सभी बच्चों, अभिभावकों और पाठशाला के स्टाफ के लिए मध्यान्ह भोजन का आयोजन किया। प्रधान अध्यापिका ने समाज का आभार व्यक्त किया। माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष प्रह्लाद सोनी ने आश्वासन दिया कि समाज भविष्य में भी इस प्रकार की सहायता करता रहेगा।

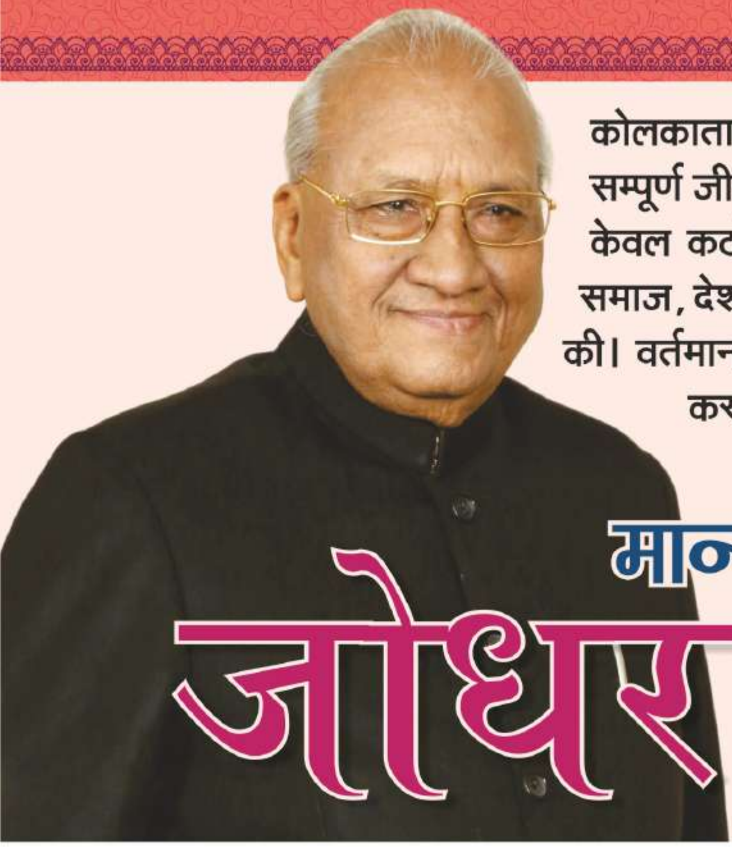

कोलकाता निवासी ख्यात वरिष्ठ समाजसेवी जोधराज लड्ढा का सम्पूर्ण जीवन अपने आपमें किसी प्रेरणा से कम नहीं। उन्होंने न केवल कठोर संघर्षों से सफलता के शिखर को छुआ, बल्कि समाज, देश व सम्पूर्ण मानवता की सेवा से भी एक मिसाल कायम की। वर्तमान में उम्र के 87वें पड़ाव पर जब शरीर साथ देना कम कर देता है, तब भी उनकी यह सेवा यात्रा थमीं नहीं बल्कि सतत् जारी है।

मानवता की सेवा के पुजारी जोधराज लड्ढा

ऐसे व्यक्ति तो समाज में कई मिल जाएंगे, जिन्हें पैतृक रूप से स्थापित व्यवसाय मिला एवं जिसका केवल विस्तार करना था। लेकिन जिसे पैतृक रूप से सिर्फ माता-पिता का आशीर्वाद ही मिला हो, न तो कोई पैतृक व्यवसाय, न ही मार्गदर्शन, ऐसी स्थिति में व्यवसाय की शुरुआत कर शिखर तक केवल वह कर्मयोगी ही पहुंच सकता है, जिसमें संकल्प के साथ ही दृढ़ इच्छा शक्ति भी हो। ऐसे ही स्वनिर्मित व्यक्तित्व के स्वामी हैं कोलकाता के जोधराज लड्ढा। आपने अपनी मेहनत व लगन के बल पर न केवल सफलता के शीर्ष को छुआ अपितु कई स्वयंसेवी संस्थाओं के पोषक बनकर मानवसेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहकर एक महामानव होने का परिचय भी दिया। आप समाजसेवा के लिए सन् 2005 में देश के सर्वोच्च सम्मान 'भामाशाह' से अलंकृत भी हो चुके हैं। आपने अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के 27 वें सत्र के सभापति के रूप में चुने जाकर महासभा का भी कुशल नेतृत्व किया था।

व्यावसायिक उत्कर्ष

जोधराज जी को सन् 1959 ई. में श्री गंगादास झँवर कलकत्ता ले आए। सन् 1960 से ये बाँगड़ ब्रदर्स की सेवा में संलग्न हुए। इसके पश्चात आठ वर्षों तक झँवरजी के 'ऊषा मार्टिन ग्रुप' में सेवाएँ प्रदान कीं। इसके साथ-साथ एल.आई.सी. के एजेंट का काम भी करते रहे । अल्प अवधि में एल.आई.सी. के सर्वोच्च क्लब 'चेयरमैन क्लब' के सदस्य बन गए। अपनी दक्षता का पूरा उपयोग करने हेतु इन्होंने वित्तीय क्षेत्र में स्वतंत्र व्यवसाय करने के लिए 6. नं. रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में 'मेसर्स जे.आर.लड्ढा फाइनेनशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड' की स्थापना की, जिसकी एक शाखा नरीमन पोइंट मुंबई में भी कार्यरत है। सम्प्रति यह वित्तीय संस्थान टाटा, बिरला, गोयनका, वीडियोकान ग्रुप, थापर, बिन्नानी, डंकन, ऊषा मार्टिन, सोमानी, बजाज, जिंदल, रिलायंस, पीरामल, खटाऊ, रहेजा, स्पिक ग्रुप, एस.आर.एफ एस्कोर्स्टस,

पुंजलायड आदि अनेक प्रमुख औद्योगिक फर्मों को वित्तीय सेवाएँ प्रदान की। इनका ए.एम. मोबाइल टेलीकॉम प्रा.लि. कलकत्ता के टालीगंज और बैन्टिक स्ट्रीट में कार्यरत है, जो नोकिया मोबाइल का अधिकृत विक्रेता है। अपनी सूझ-बूझ, लगन एवं अनवरत श्रम के कारण आज जोधराज कलकत्ता के प्रतिष्ठित व्यवसायियों के बीच स्थापित हो चुके हैं।

बड़े भ्राता रूपचंद लड्ढा का योगदान

श्री लड्ढा के लिए उनके बड़े भ्राता रूपचंद लड्ढा भगवान राम से कम नहीं हैं। श्री लड्ढा का मानना है कि वे आज जिस मुकाम पर हैं, उसमें उनके भाईसाहब का योगदान है। उनकी प्रेरणा, मार्गदर्शन तथा खरी मेहनत के पैसे का प्रतिफल ही है कि अर्थ के साथ ही उन्हें धर्म की भी प्राप्ति हुई है। उन्होंने ही इन्हें व्यवसाय के साथ समाजसेवा के क्षेत्र में भी अग्रसर होने की प्रेरणा दी। उनके लिए उनके बड़े भाई ही उनके सर्वस्व हैं, गुरु, पिता और भाई सबकुछ।

संघर्षपूर्ण जीवन यात्रा

सन् 1937 में अजमेर के समीप एक छोटे से गाँव तबीजी में मिलापचंदजी के यहाँ आपका जन्म हुआ। आपके पिता का लेन-देन का व्यवसाय था। जब ये मात्र पाँच वर्ष के अबोध बालक थे, तभी उनके सिर से पिता का साया उठ गया। पिता की मृत्यु के पश्चात् इनके बड़े भाई रूपचंद्र लड्ढा ने पिता के कर्तव्यों का निर्वाह किया, लेकिन वे रेलवे में बुकिंग क्लर्क थे। वहाँ से मिलने वाले वेतन से पूरे परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो पाती थी। श्री लड्ढा की स्नातक शिक्षा अजमेर और स्नातकोत्तर शिक्षा ब्यावर (राजस्थान विश्वविद्यालय) से घोर अभावों में पूरी हुई। कहावत भी है - 'सुखर्थी च त्यजेत् विद्यां विद्यार्थी च त्यजेत् सुखम्'। अर्थात् सुख चाहने वाला विद्या छोड़ दे और विद्या चाहने वाला सुख छोड़ दे। शिक्षा के प्रति इतनी लगन थी कि इन्होंने अभाव को भी आड़े नहीं आने दिया। एम.कॉम. पूरा करने के लिए ब्यावर में इन्होंने सन् 1956 से पढ़ाई के साथ-साथ टेलीफोन विभाग की नौकरी भी कर ली। कलकत्ता आने पर भी इनकी यह लगन कायम रही। यहाँ इन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा प्राप्त किया और कलकत्ता को कर्मभूमि बनाकर शिखर की ऊँचाई प्राप्त की।

पैतृक गांव तबीजी से अनुराग

आमतौर पर लोग उन्नति के बाद अपने पैतृक ग्राम को न सिर्फ भूल ही जाते हैं, बल्कि उसको अपने परिचय में जोड़ने से भी कतराते हैं। लेकिन श्री लड्ढा को अपने जन्म स्थान तबीजी और जिले अजमेर के प्रति प्रगाढ़ अनुराग है। वे अपने गाँव के चतुर्दिक विकास और अजमेर की कई शिक्षण संस्थाओं की प्रगति के लिए समय-समय पर आर्थिक सहयोग देते आ रहे हैं। अपने पैतृक गाँव के विद्यालय में ब्लाक और सड़क का निर्माण कराया है। गाँव में पीने के पानी के लिए पाइप लाइन बिछाने हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया। धार्मिक प्रतिष्ठानों के निर्माण और रखरखाव के लिए भी आप निरंतर आर्थिक सहायता देते रहते हैं। गाँव के हर सुख-दुःख में वे तन-मन-धन से इसके साथ रहे। यहाँ स्थित सरकारी बालिका उच्च माध्यमिक

विद्यालय का पुनर्निर्माण और उद्‌घाटन जोधराज लड्ढा परिवार के योगदान से 9 मार्च 2024 को किया गया। इसके साथ ही 350 छात्राओं की शिक्षा में एक नये अध्याय का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अयोध्या के कोषाध्यक्ष और प्रसिद्ध राष्ट्रीय संत श्री गोविंद देव गिरि महाराज की उपस्थिति खास रही। यह विद्यालय 1950 में स्थापित हुआ था और ताबीजी गाँव और उसके आसपास के गाँवों में एकमात्र बालिका विद्यालय है।

सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं में योगदान

लोकोपकारी कार्यों के पक्षधर, प्रेरक और सहयोगी होने से लड्ढाजी अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं में अपना योगदान दिया है। आपने अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर में अपनी पूज्य माता केलादेवी के नाम से सभागार पिता श्री मिलापचंदजी के नाम से एक विशाल कक्ष का निर्माण कराया है। मथुराधीश मंदिर, सखाड (जिला अजमेर), श्री आशापुरा माता मंदिर, ब्यावर (राजस्थान) और भक्तिधाम, अजमेर को आपने विशेष आर्थिक सहयोग दिया। लड्ढाजी बचपन से ही पुरुषार्थी रहे हैं। सामाजिक कार्यों में आप किशोर अवस्था से ही तन-मन-धन से अपना पूर्ण सहयोग दे रहे हैं। जनहित कार्यों के प्रबल समर्थक, प्रेरक व उदार सहयोगी होने के कारण ही आपने अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के ट्रस्टी एवं अध्यक्ष पद को सुशोभित कर कुशल मार्गदर्शन प्रदान किया है। 'अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा' से पिछले 45 वर्षों से सक्रिय रूप से जुड़े रहकर कार्यकारी मंडल के पिछले चार सत्रों में सदस्य रहे हैं तथा 27वें सत्र के सभापति के रूप में नेतृत्व किया है।

सेवा में चहुँमुखी योगदान

श्री लड्ढा दक्षिण क्षेत्रीय माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष, श्रीगिर्राजधरण माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट गोवर्धन (मथुरा) के संस्थापक अध्यक्ष, श्री अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के मुखपत्र 'माहेश्वरी' के संचालक बोर्ड के सदस्य, श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र के प्रबंध समिति सदस्य रहे हैं। अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन- पुष्कर, वृन्दावन, हरिद्वार के आजीवन ट्रस्टी, मानव कल्याण आश्रम- हरिद्वार, ब्रदीनाथ के ट्रस्टी, महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान, पुणे की वित्त संकलन समिति के सदस्य, ज्ञान मंदिर के अध्यक्ष, श्री माहेश्वरी परमार्थ सेवा ट्रस्ट- पुष्कर के ट्रस्टी तथा जय अम्बे सेवा समिति अजमेर व महेश कल्याण समिति- अजमेर के संरक्षक रहे हैं। इसके साथ ही आप माहेश्वरी पब्लिक स्कूल अजमेर के ट्रस्टी, राजस्थान सेवा समिति-कलकत्ता के सदस्य, संगीतकला मंदिर, भारतीय संस्कृति संसद और कोलकाता कॉसमोपालिटन क्लब के सदस्य भी रहे हैं। लड्ढाजी कलकत्ता में अजमेर एसोसिएशन के संस्थापक, सचिव और पूर्व अध्यक्ष होने के साथ-साथ 'लायंस क्लब इन्टरनेशनल डिस्ट्रिक्ट-322 बी' के चेयरमैन भी रहे हैं।

अर्द्धांगिनी का पूर्ण सहयोग

किसी भी योग्य स्वयंसेवी संस्था को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं। ये स्वयं तो कई संस्थाओं का आर्थिक रूप से पोषण कर ही रहे हैं, इनकी पत्नी श्रीमती सूरजदेवी लड्ढा भी इसमें सहयोग देकर सच्ची अर्धांगिनी की जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं। अक्सर दानादि कार्यों में परिवार बाधक बनता है, लेकिन यहाँ ऐसा नहीं है, श्रीमती लड्ढा दान देने में इनसे भी एक कदम आगे ही रहती हैं। श्री लड्ढा के चार पुत्र हैं। वे भी यथा संभव सहयोग ही प्रदान करते हैं, कभी बाधक नहीं बनते। इसका कारण यह है कि श्री लड्ढा ने पारिवारिक व दानपुण्य दोनों ही जिम्मेदारियों का ऐसा संतुलन स्थापित कर रखा है कि दोनों जिम्मेदारियों का सही निर्वहन भी हो सकता है और एक-दूसरे के मार्ग में कोई बाधक भी नहीं बनती।

ॐ
।। श्री गणेशाय नमः ।।
" श्री माहेश्वरी जनोपयोगी भवन "
रातानाड़ा रोड़, जोधपुर
लाकार्पण समारोह
रविवार, 25 अक्टूबर 2015, सवंत् 2072 आसोज सुजी तेरस
उद्घाटनकर्त्ता
परम् पूज्य स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज
(जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर)
सानिध्य :- पूज्य स्वामी श्री चिन्मयानन्द सरस्वती जी
अध्यक्षता :- श्री जोधराज लड्ढा
-: माननीय विशिष्ट अतिथि :-
श्री माहेश्वरी समाज, जोधपुर

समाज का जितना विकास उतनी मुझे खुशी- श्री लड्ढा

''मेरा समाज जितना विकास करे, मुझे उतनी ही खुशी होगी। समाज का हर व्यक्ति सफलता के कीर्तिमान स्थापित करे, मेरी यही कामना है। मानवसेवा ही ईश्वर सेवा है। यदि आप प्रकृति को कुछ देंगे तो प्रकृति उसका दस गुनाकर आपको लौटा देती है।''

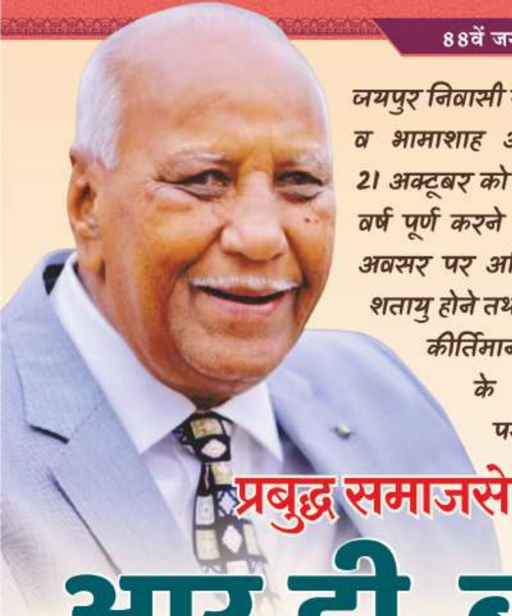

जयपुर निवासी समाज के प्रबुद्ध समाजसेवी व भामाशाह आर. डी. बाहेती आगामी 21 अक्टूबर को अपने सफल जीवन के 88 वर्ष पूर्ण करने जा रहे हैं। हम इस पावन अवसर पर अभिनन्दन करते हुए आपके शतायु होने तथा मानवता की सेवा में सतत कीर्तिमान स्थापित करते हुए समाज के मार्गदर्शक बने रहने की परमेश्वर से कामना करते हैं।

प्रबुद्ध समाजसेवी व भामाशाह

आर.डी. बाहेती

88 वर्षीय वरिष्ठ समाजसेवी जयपुर निवासी आर. डी. बाहेती समाज सेवा के क्षेत्र में एक ऐसा नाम हैं, जिनके सामने हर कोई नत मस्तक हुए बिना नहीं रहता। आपकी ख्याति हास्य सम्राट के रूप में भी है। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपाध्यक्ष, जयपुर समाज के पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक, हास्य सम्राट श्री बाहेती को जयपुर समाज द्वारा समय-समय पर समाज गौरव, समाज भामाशाह, समाज रत्न आदि कई सम्मानों से नवाजा है।

परिवार भी सेवा पथ का साथी

वरिष्ठ समाजसेवी श्री बाहेती का जन्म 21 अक्टूबर सन् 1936 में अलवर जिले के गोलाकावास गांव में सेठ धौंकलराम बाहेती के यहाँ हुआ। आपने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पैतृक गांव से पूर्ण कर विद्यालय शिक्षा राजगढ़ से प्राप्त की। तत्पश्चात सन् 1956 में आप जयपुर आ गये और यही कर्मभूमि हो गई। आपका विवाह सुयोग्य, सहधर्मिनी कांता देवी बाहेती के साथ हुआ। वर्तमान में आपके परिवार में तीन सुयोग्य पुत्र प्रदीप, अशोक व संजय तथा एक पुत्री सीमा हैं। पौत्र, पौत्री एवं नाति-नातिन से भरा पूरा परिवार है। श्री बाहेती ने कड़ी मेहनत से अपने व्यापार को भी ऊँचाई प्रदान की। समाजसेवा के क्षेत्र में भी आपका अविस्मरणीय योगदान रहा।

श्री आर. डी. बाहेती धर्मपत्नि श्रीमती कांता बाहेती के साथ

श्री आर.डी. बाहेती के योगदानों पर एक नजर...

- आपने सर्वप्रथम 9 मई 1964 को लायन्स क्लब जयपुर की स्थापना की तथा लायन्स इंटरनेशनल परेड में कई स्थानों पर विदेशों में यात्रा की।
- आपने 1970 में भारत में पहली हास्य क्लब की स्थापना की। उसके चलते आप ऑल इंडिया हास्य की प्रतियोगिता में मुंबई गए, वहाँ आपको प्रथम आने पर मुंबई के मेयर द्वारा हास्य सम्राट की उपाधि से नवाजा गया।
- 1972 में शिवानंद आश्रम हरिद्वार, (ऋषिकेश) द्वारा 30 दिवसीय कैंप के पश्चात् योगाचार्य की डिग्री से सम्मानित किया गया। 1974 में राजस्थान स्वास्थ्य योग परिषद् की स्थापना की एवं शास्त्री नगर जयपुर में योग भवन बनवाया।
- 19 जून 1975 को उत्तर भारत में श्री माहेश्वरी समाज में प्रथम सामूहिक विवाह करवाया। उसके बाद सभी समाजो ने इसकी की शुरुआत की।
- बनीपार्क धर्मार्थ संस्थान में आपने अपने अध्यक्ष काल में 50 बैड का अस्पताल बनवाया।
- गुलाब उद्यान बनीपार्क में अपने अध्यक्ष काल में हॉल बनवाया, जहां वर्तमान में प्रतिदिन योगा एवं हास्य की कक्षा लगती है।
- जंगलेश्वर महादेव मंदिर में आप 40 वर्षों से अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे है।
- राजस्थान में प्रथम आगरा रोड पर 51 फीट हनुमान जी एवं 51 फ़ीट शिवजी की मूर्ति बनवाई।
- आपने इस्कॉन मंदिर मानसरोवर में सत्संग हॉल बनवाया।
- आपने गौ सेवा के लिए पिंजरा पोल गौशाला में एक हॉल बनवाया, जिसकी आय गौ माता के चारे की व्यवस्था में काम आती है।
- आपने चांदपोल में सर्वधर्म नवनिर्मित मोक्षधाम में नींव पूजा की।
- आप श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के अध्यक्ष रह चुके हैं। अपने अध्यक्षीय काल में एम.पी.एस स्कूल जवाहर नगर का भूमि पूजन कराया और आज श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के संरक्षक हैं।
- अ.भा. माहेश्वरी महासभा के उपाध्यक्ष रह चुके हैं तथा ऑल इंडिया वैश्य महासम्मेलन के भी उपाध्यक्ष रह चुके हैं।
- अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा राम जन्म भूमि अयोध्या में बनने वाले समाज भवन में एक ट्रस्टी हैं।
- आप जयपुर क्लब के भी संरक्षक हैं।
- आपने शिक्षा समिति श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के अंतर्गत लगभग सभी भवनों में तन-मन-धन से समर्पित होकर हिस्सा लिया।

श्री आर. डी. बाहेती एवं श्रीमती कांता बाहेती का परिवार

कहते हैं कि कलम में तलवार से भी अधिक ताकत है। यही कारण है कि जो सामाजिक परिवर्तन कलम से हो सकते हैं, वे किसी अन्य माध्यम से नहीं। हापुड़ (उ.प्र.) निवासी 81 वर्षीय वरिष्ठ समाजसेवी व साहित्यकार सुभाषचंद महेश (तापड़िया) कलम की इसी शक्ति का उपयोग समाजसेवा की तरह सामाजिक सुधार में कर रहे हैं।

■ टीम SMT

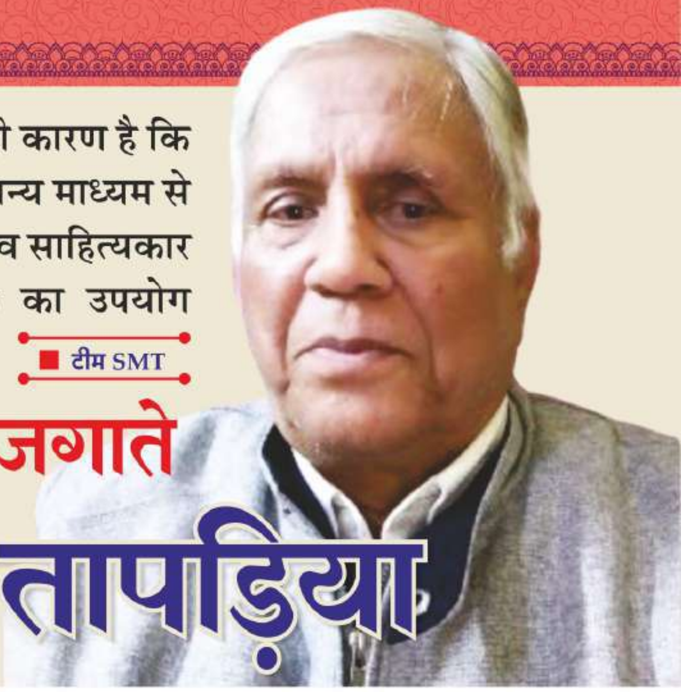

कलम से सुधार की अलख जगाते सुभाषचंद महेश तापड़िया

सुभाष महेश के सैकड़ों सामाजिक विषय के लेख जैसे 'दुख का कारण व्यर्थ का दिखावा', 'सीखना बंद तो तरक्की बंद', 'आगे बढ़ने का अवसर सभी का दरवाजा खटखटाता है - पर', 'बच्चों की छिपी प्रतिभा विकसित करें... वरना?', 'शिक्षा क्षेत्र में चल रहे धोखे से सावधान', 'अच्छे दिन तब ही आयेंगे जब', 'वृद्धावस्था अभिशाप नहीं है यदि', 'डिग्री पा लेना सफलता की गारंटी नहीं', 'बुढ़ापे को न बनने दें सजा' आदि विभिन्न विषयों पर लिखे हैं, जो देश के प्रमुख समाचार पत्र व पत्रिकाओं में वर्ष 1970 से अब तक प्रायः प्रकाशित होते रहते हैं। आपके द्वारा लिखी गई दो पुस्तक - 'सुखी जीवन की राह' व 'सुखी जीवन का रहस्य' प्रकाशित हो चुकी है। प्रथम पुस्तक का विमोचन मेरठ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. हरिओम गुप्ता ने प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष कमलेन्द्र माहेश्वरी व स्थानीय विधायक गजराज सिंह की उपस्थिति में किया था व दूसरी पुस्तक का विमोचन सांसद राजेन्द्र अग्रवाल ने किया था। इन पुस्तक के विषय में विश्व प्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार डॉ. तिलक सिंह का मत है कि कलमकार ने समाज की नाड़ी को पहचाना है और उसके अनुरूप उपयुक्त उपचार सुझाया है। ये पुस्तक मानव जीवन के लिए अमृत है व रचनाकारों को मार्गदर्शक परिलक्षित करती है।

पैतृक रूप से मिली कलम साधना

समाज चिन्तक साहित्यकार श्री महेश का जन्म 81 वर्ष पूर्व सन् 1942 में हापुड़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. श्री रामेश्वर प्रसाद महेश के माता मौहल्ला स्थित पहले निवास पर हुआ था। आपके ताऊजी स्व. श्री कैलाश चंद महेश भी स्वतंत्रता सेनानी थे। आपके पिताजी स्व. श्री रामेश्वर प्रसाद महेश महात्मा गांधी के आह्वान पर मेरठ से वकालत छोड़कर पत्रकारिता के माध्यम से जनता को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने लगे तथा आजीविका के लिए पैतृक गांव में खेती करने लगे। आजादी की जंग में बढ़-चढ़कर भाग लेने के कारण उन्होंने 9 माह तक जेल की यातना सही। इसका प्रभाव भी महेश पर बचपन से ही पड़ा और वे भी लेखन के माध्यम से हिन्दुस्तान समाचार पत्र समूह दिल्ली से जुड़कर लोगों को अपने अधिकार व कर्त्तव्य के लिए जागरूक करने लगे। पिताजी से प्रेरणा लेकर सुभाष महेश भी लेखन से जुड़ गये।

उच्च शिक्षा से संवारा परिवार

श्री महेश ने सन् 1966 में भौतिक शास्त्र इलेक्ट्रोनिक्स विषय में एमएस.सी. की उपाधि प्राप्त की और एक कॉलेज में भौतिक शास्त्र प्रवक्ता हो गये। वर्तमान में आपका पूरा परिवार उच्च शिक्षित होकर उन्नति के पथ पर अग्रसर हैं। आपके एक मात्र पुत्र संदीप महेश आई. आई. टी. से शिक्षा ग्रहण कर इंजीनियर हैं और वर्तमान में एक राष्ट्रीय कम्पनी में सीनियर वाइस प्रेसीडेंट हैं। एक पुत्री डॉ. संजना स्त्रीरोग विशेषज्ञ व दूसरी पुत्री स्वाति अमेरिका से इंटीरियर डिजाईनर कोर्स उत्तीर्ण हैं।

पत्रकारिता में भी छोड़ी गहरी छाप

आप उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट एसोसिएशन हापुड़ जिला के संरक्षक है और हिन्दी पत्रकारिता दिवस 30 मई 2021, 2012 व 2013 को प्रकाशित स्मारिका 'उपजा' के प्रधान संपादक भी रहे। वर्ष 2011 में प्रकाशित 'उपज' पत्रिका का विमोचन भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष व वर्तमान में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया। सुभाष महेश को पत्रकारिता व शिक्षा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश, जिला व स्थानीय स्तर पर लायन्स व रोटरी क्लब, हिन्दी साहित्य परिषद व भारत विकास परिषद आदि संस्थाओं ने अनेक बार सम्मानित किया है। विभिन्न समारोह में सम्मान, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीपाल जासवाल, केंद्रीय मंत्री सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव, सांसद के. सी. त्यागी आदि द्वारा प्रदान किया गया। इस वर्ष जिला माहेश्वरी सभा ने अपने होली मिलन समारोह में 'माहेश्वरी रत्न' से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अ.भा. महासभा उत्तरांचल के उपसभापति विनीत केला थे।

समाज के प्रति भी समर्पित

माहेश्वरी सभा जनपद हापुड़ ने सन् 1985, 2010 व 2018 में तीन स्मारिकाओं का प्रकाश किया, जिसके प्रधान सम्पादक सुभाष चंद महेश रहे। पहली स्मारिका का विमोचन अखिल भारतीय महासभा के सभापति आर.डी. सोमानी, दूसरी स्मारिका का हाईकोर्ट के जज वी. के. राठी व तीसरा का अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के उपसभापति अशोक सोमानी के कर कमलों द्वारा हुआ। हापुड़ में सन् 2012 व 2014 में हापुड़ माहेश्वरी समाज द्वारा आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन के मुख्य संरक्षक रहे। आप हापुड़ जिला माहेश्वरी सभा के प्रधान रहे हैं और माहेश्वरी मंदिर हापुड़ के आजीवन ट्रस्टी हैं।

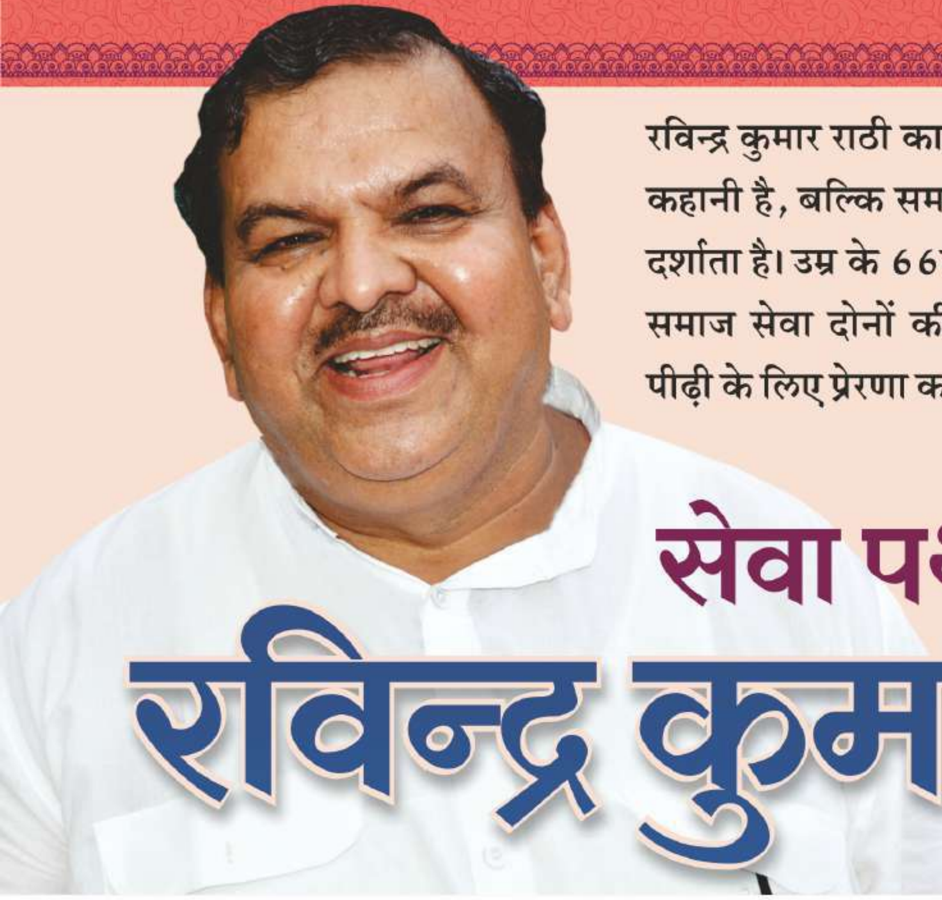

रविन्द्र कुमार राठी का जीवन न केवल संघर्ष और मेहनत की कहानी है, बल्कि समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भी दर्शाता है। उम्र के 66वें पड़ाव पर भी उनकी व्यावसायिक व समाज सेवा दोनों की यात्रा जारी है। उनका योगदान युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी है।

■ टीम SMT

सेवा पथ के कर्मवीर
रविन्द्र कुमार राठी

समाजसेवी रविन्द्र कुमार राठी एक ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने अपने जीवन में समाज सेवा और व्यवसाय दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। श्री राठी का जन्म 17 जुलाई 1958 को उज्जैन जिले की महिदपुर तहसील में प्रतिष्ठित राठी परिवार में हुआ। पिता श्री धन्नालाल राठी और माता श्रीमती चंद्रकलाबाई राठी ने उन्हें उच्च शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। श्री राठी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा महिदपुर में प्राप्त की और इसके बाद कृषि महाविद्यालय इंदौर एवं जबलपुर से कृषि में पीएचडी की डिग्री हासिल की। इसके साथ ही, उन्होंने विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन से कानून में एलएलबी की डिग्री भी ली। उनके करियर की शुरुआत सहायक संचालक कृषि के पद से हुई, जिसके बाद उन्होंने 12 वर्षों तक इंदौर में कृषि महाविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। उन्होंने ट्यूबवेल ड्रिलिंग का व्यवसाय भी प्रारंभ किया, जिसे उन्होंने अपनी मेहनत से राष्ट्रीय स्तर पर फैलाया। इसके बाद श्री राठी ने कोल्ड स्टोरेज कंस्ट्रक्शन और अहमदाबाद में सीमेंट-फर्टिलाइजर बैग के निर्माण में भी कदम रखा।

प्रगति की राह पर परिवार

श्री राठी चार भाई तथा 3 बहने हैं। श्री राठी के अलावा तीन बड़े भाई स्व कमलकिशोर राठी, हरिनारायण जी राठी, नरेंद्र राठी हैं। श्री राठी के परिवार में पेट्रोल पंप और कृषि का प्रमुख व्यवसाय है। श्री राठी के परिवार में एक पुत्र गजेंद्र राठी, और एक पुत्री, नेहा है। गजेंद्र ने इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन में बीई किया है और वर्तमान में इंदौर में कॉलोनाइजिंग एवं कंस्ट्रक्शन के व्यवसाय में सक्रिय हैं। गजेंद्र का विवाह इंदौर के समाजसेवी पुरुषोत्तमदास मंत्री की सुपुत्री महाराजा रणजीतसिंह महाविद्यालय की प्रोफेसर प्रतिभा के साथ हुआ। श्री राठी के 2 पौत्र अर्चित और अनंत दोनो स्कूली शिक्षा में रत हैं। पुत्री नेहा का विवाह उज्जैन के समाजसेवी मोहन भंडारी के परिवार में हुआ है। स्वयं श्री राठी का विवाह नीमच जिले के जावद के श्री भगवानदास जी भूतड़ा की सुपुत्री पुष्पा देवी से हुआ है।

समाज व राजनीति में भी सतत सक्रिय

रविन्द्र कुमार राठी ने समाज संगठन तथा राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस के 6 वर्षों तक उपाध्यक्ष रहे हैं। इसके साथ उन्होंने इंदौर की सेंट्रल जिमखाना संस्था के 5 वर्षों तक अध्यक्षता की। माहेश्वरी प्रदेश सभा में वे 2005 से 2008 और फिर 2016 से 2019 तक कार्य समिति के सदस्य रहे। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा में दो बार कार्यकारी मंडल सदस्य रहे हैं। उज्जैन जिला माहेश्वरी समाज द्वारा उज्जैन में आयोजित सिंहस्थ मेला के दौरान लगे माहेश्वरी समाज के कैम्प का संयोजक के रूप में कुशल संचालन किया।

समाज सेवा में सतत् योगदान

श्री राठी समाज सेवा के क्षेत्र में भी अत्यधिक सक्रिय रहे हैं। वे श्री माहेश्वरी सामाजिक एवं परमार्थिक संस्था के संस्थापक अध्यक्ष हैं। इस संस्था के माध्यम से वे पिछले 8 वर्षों से विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं। महिदपुर में उन्होंने समाज को समर्पित एक विशाल भवन का निर्माण कराया है। इसके साथ, उन्होंने शिप्रा नदी पर श्मशान घाट का निर्माण करवाया और सरस्वती शिशु मंदिर महिदपुर में हॉल का निर्माण कराया। वे माहेश्वरी जन कल्याण ट्रस्ट इंदौर और महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट उज्जैन के ट्रस्टी भी हैं। वर्तमान में अयोध्या में बनने वाले अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के भवन में पूर्वजों की स्मृति में एक कमरे का निर्माण करवा रहे हैं।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री बंशीलाल राठी एवं बिड़ला समूह की प्रमुख पद्मभूषण राजश्री बिड़ला तथा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र ईनानी द्वारा श्री राठी का सिंहस्थ 2016 के उज्जैन कैम्प के सफल आयोजन पर सम्मानित करते हुए।

माहेश्वरी समाज के मूल संस्कारों और रीति रिवाजों से करायेगी पहचान

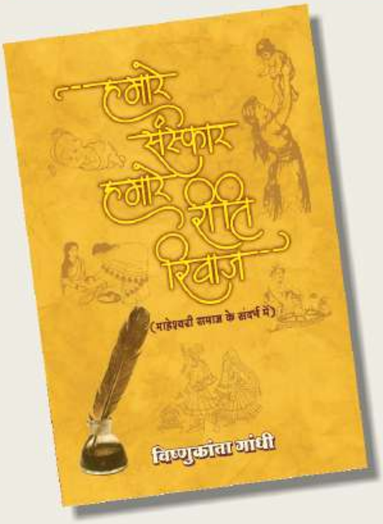

ऋषि मुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित

हमारे संस्कार हमारे रीति रिवाज

जिसमें पाऐगें आप माहेश्वरी समाज में प्रचलित रीति-रिवाजों के साथ ही
विवाह संस्कार, जन्म संस्कार, मृत्यु संस्कार तथा
माहेश्वरी परम्पराओं के विशिष्ट पर्वों गणगौर, सातुड़ी तीज
तथा ऋषि पंचमी पर केन्द्रीत विशिष्ट जानकारी।

विशेष छूट के साथ उपलब्ध
~~Rs. 125/-~~
Rs. 100/-

amazon पर उपलब्ध

ऋषिमुनि प्रकाशन

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
94250 91161, 91799-28991 rishimuniprakashan@gmail.com

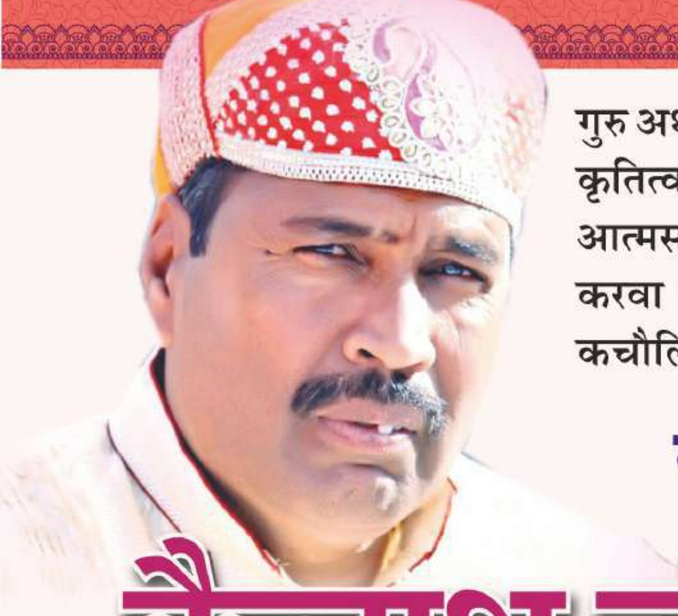

गुरु अर्थात् शिक्षक पूज्यनीय इसीलिये होता है, क्योंकि उसका कृतित्व स्वयं में आदर्श होता है। गुरु के इन्हीं आदर्शों को आत्मसात कर सभी को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास करवा रहे हैं, भीलवाड़ा निवासी वरिष्ठ शिक्षक कैलाशचंद्र कचौलिया।

टीम SMT

सेवा की मिसाल बने कैलाश चंद्र कचौलिया

वास्तव में श्री कचौलिया राजकीय उ.मा.वि. माणकनगर (सहाड़ा) से सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन फिर भी वे अपने दायित्व का निर्वहन सतत् रूप से समाज को मार्गदर्शित करने के रूप में कर रहे हैं। कारण यह है कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, सिर्फ कर्मचारी होता है। हमेशा शासकीय विद्यालयों की हर छोटी-बड़ी जिम्मेदारी सरकार की ही मानी जाती थी, लेकिन इस सोच के परे श्री कचोलिया ने स्वयं 4 लाख रुपये तथा अन्यों को प्रेरित कर 21 लाख रुपये के निर्माण शासकीय स्कूलों में करवाकर लोगों को उनके कर्त्तव्य के प्रति जागृत किया।

समाज व विकास में सतत योगदान

श्री कचौलिया का जन्म 4 जुलाई 1964 को भीलवाड़ा जिले के कालियास ग्राम में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा कालियास ग्राम में ही हुई, 1980 में दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की व हायर सेकेंडरी 1981 में आसींद से उतीर्ण की। इसके बाद कॉलेज स्तर की शिक्षा भीलवाड़ा से पूर्ण की। विभिन्न निजी विद्यालयों में नौकरी करने के बाद 5 सितंबर 1992 को भीलवाड़ा जिले की सहाड़ा तहसील के सरगांव के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में अध्यापक पद पर कार्यग्रहण किया। वहां पर 25 वर्ष तक अध्यापन कार्य किया गया व इसके साथ-साथ समाज सेवा व विकास के अनेक कार्य किये। इसके लिये उन्होंने नौकरी में मिलने वाले वेतन से होने वाली बचत तक को विकास कार्यों में खर्च कर दिया। फिर जब यह राशि कम लगी तो अन्य लोगों को भी जागृत करने निकल पड़े और उन्हें अपने इस मिशन में शामिल करके ही माने।

विकास में 25 लाख का योगदान

सत्र 2015-16 में राजकीय आयुर्वेद औषधालय सरगांव के जीर्णोद्धार हेतु स्वयं व स्थानीय ग्रामीण जनो के सहयोग से 120000/- के कार्य किये गए। सत्र 2021-22 में समाज सेवा के कार्य में स्व. श्री माधव लाल पूर्बिया पैराटीचर के आकस्मिक निधन पर परिवार की आर्थिक सहायता हेतु 144222/- रुपए राशि एकत्रित की और इससे उनके पूरे परिवार का बीमा भी करवाया। स्वयं ने माता-पिता की स्मृति में रा.उ.मा.वि. सरगांव में 2 लाख रूपये लागत से प्रवेश द्वार बनाया। सत्र 2023-24 में माणक रा.उ.प्रा.वि. माणकनगर (सहाड़ा) में भी अपनी सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में 2 लाख लागत का एक प्रवेश द्वार का निर्माण कर विद्यालय को भेंट किया। श्री कचौलिया 31 जुलाई 2024 को सेवानिवृत्ति के पश्चात भी समाज सेवा में कार्यरत हैं। इनके द्वारा अपने सेवाकाल में 21 लाख रुपए के विकास कार्य विभिन्न भामाशाहों के सहयोग से किये गए व स्वयं के द्वारा दो प्रवेश द्वार का 400000 रुपये की लागत से निर्माण करवाया गया। इन योगदानों के लिये श्री कचौलिया को 5 सितंबर 2022 को जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान व सन् 2022, 2023, 2024 में जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में 'शिक्षा श्री' की उपाधि से नवाजा गया।

लक्ष्मी सुलक्ष्मी तभी होती है, जब उसका उपयोग परोपकार में हो, अन्यथा अपने लिये तो पशु भी जीवन जीते हैं। इसी आदर्श का पालन करते हुए पीड़ित मानवता की सेवा में अपना तन-मन-धन अर्पित कर चुके हैं, अमरावती (महा.) निवासी समाज के वरिष्ठ बंकटलाल काशीराम राठी। इतना ही नहीं उन्होंने कई लोगों को भी इसके लिये प्रेरित कर मानवता की सेवा की सतत् अलख जगाई। श्री राठी की यह सेवा यात्रा उम्र के 78वें पड़ाव पर भी अनवरत जारी है।

टीम SMT

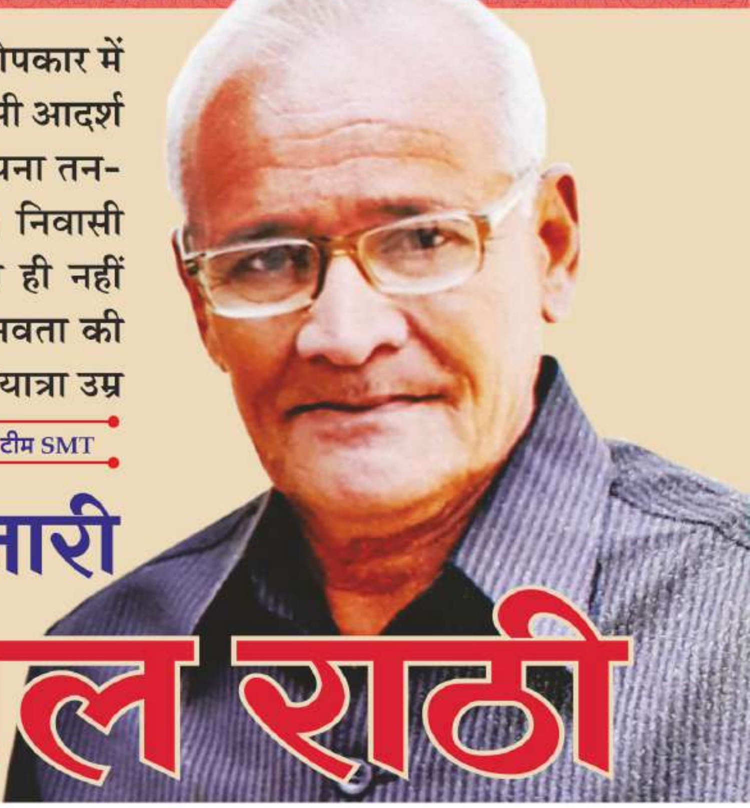

पीड़ित मानवता के पुजारी बंकटलाल राठी

अमरावती (महा.) निवासी वरिष्ठ समाजसेवी बंकटलाल राठी की पहचान वर्तमान में जरूरतमंदों के बीच किसी मसीहा से कम नहीं है। न सिर्फ वे बल्कि उनके संस्थाऐं भी लोगों के निराशा भरे जीवन में आशा का प्रकाश लेकर आती है। कई बार लोग विपरीत परिस्थितियों जैसे चिकित्सा व शिक्षा जैसे मामलों में भारी खर्च से अपने आपको असहाय महसूस करते हैं। उनकी लाचारी उन्हें अन्दर तक तोड़ कर रख देती है, ऐसे में श्री राठी किसी मसीहा की तरह उनकी मदद के लिए आगे आते हैं।

संस्कारों में मिली सेवा भावना

श्री राठी का जन्म स्व. श्री काशीराम-केशर बाई राठी के यहाँ सन् 1947 में हुआ। बचपन से ही माता-पिता से जीवदया के संस्कार विरासत मे मिले। विद्यालय में पढ़ते समय गरीब छात्रों हेतु घर-घर घुमकर भोजन सामग्री जुटाने का कार्य किया। महाविद्यालय में पढ़ते समय भी गरीब होनहार मित्रों हेतु एक रुपया माह निधि मित्रों से जमा कर अनेक जरूरतमंद सहपाठियों की सहायता करते रहे। माहेश्वरी नवयुवक मंडल के माध्यम से माहेश्वरी परिचय सम्मेलन एवं सामुहिक विवाह का सफल आयोजन किया। ग्रामीण क्षेत्र में अध्यापन का कार्य करते समय कृषि मजदूरों के बच्चों हेतु बुक बैंक, लड़कियों हेतु दत्तक पालक योजना के साथ ही संस्कार शिविर, मार्गदर्शन शिविर, पल्स पोलियो मुहिम, एड्स प्रशिक्षण शिविर, साक्षरता अभियान, परिवार नियोजन, राष्ट्रभाषा प्रचार, अवकाश दर्शन, अंधश्रद्धा निर्मूलन, पालक सभा, वृक्षारोपण, जलअभियान, बचत मार्गदर्शन, मोतिया बिंद शिविर, चश्मावाटप शिविर, कैंसर रोगी को आर्थिक सहायता, वैद्यकीय सहायता, छात्रों को व्यवसाय मार्गदर्शन, रोग निदान शिविर, भूकंप सहायता निधि संकलन, छात्रों मे शैक्षणिक सामग्री वितरण, लोक संख्या शिक्षण आदि कार्यों में अविरत सेवा प्रदान की।

सेवानिवृत्ति पश्चात् पूर्ण समर्पित

श्री राठी ने सेवानिवृत्ति के पश्चात् तो अपना सम्पूर्ण जीवन ही मानवता की सेवा को समर्पित कर दिया। सेवानिवृत्ति पश्चात जीवदया व समाज सेवा के क्षेत्र मे ही संपुर्ण समय बीताने का मानस बनाकर आज भी आप सतत सेवा कार्य मे समर्पित भाव से कार्यरत है। श्री बुलिदान राठी मुकबधिर विद्यालय के माध्यम से सैकड़ों मूकबधिर छात्रो के अध्ययन अध्यापन, पुर्नवसन व प्लेसमेन्ट कार्य में सतत् 15 वर्षो तक समर्पित सेवा प्रदान की। सरकारी अनुदान के साथ समाज से प्राप्त लाखो रुपये

की निधि से मूकबधिर गरीब होनहार छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में लाकर अनेक कर्णबधिर बच्चो को 10 वीं, 12 वीं तक शिक्षित किया। करीब 150 से अधिक कर्णबधिर छात्र-छात्रायें वहाँ शिक्षारत हैं। कॉक्लीयर इम्प्लांट जैसी महंगी शल्यक्रिया में भी लाखो की निधि प्राप्त कर 5 वर्ष से कम उम्र के गरीब बच्चों की शल्यक्रिया में सहयोग करवाया गया। आप दिव्यांग सेवा को ईशसेवा मानकर कार्य करते रहे। जिला माहेश्वरी संगठन अमरावती में संगठन मंत्री एवं उपाध्यक्ष रहते हुए गरीब, जरुरतमंद परिवार, वरिष्ठजन, विधवा, होनहार गरीब छात्रों को जिला संगठन के माध्यम से अखिल भारतीय ट्रस्टों से लाखों रुपयों की सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अमरावती जिला माहेश्वरी परिचयकोष के भी आप मुख्य संपादक रहे।

आर्थिक सहायता के बने ''आधार''

अत्यंत अल्प आय वाले परिवार, वरिष्ठजन, विधवा महिलाऐं, रोगी, होनहार छात्रों के सहायतार्थ आधार समिति गठित की। कोई भी माहेश्वरी समाजबंधु, माता बहने रात को भूखे न सोये इस भाव से श्री कासट के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में माहेश्वरी आधार समिति का गठन हुआ था। करीब 200 माहेश्वरी परिवारों के आर्थिक सहयोग से अखिल भारतीय ट्रस्टों के धर्तीपरस्थानिक समिति का गठन कर गरीब वरिष्ठजनों को 12000 रुपये वार्षिक पेन्शन, जरुरतमंद परिवारो में 5000 से 6000 रूपये तक आर्थिक सहायता, मृत्युपरांत क्रियाकर्म हेतु 10000 रुपये सहायता, वैद्यकीय उपचार हेतु 10,000 रुपये तक सहायता, कन्यादान हेतु 10000 रुपये कन्यादान राशि के साथ अनेक दानदाताओं के सहयोग से वर्षभर जीवनावश्यक सामग्री का वितरण समिति द्वारा किया जाता है। इन परिवारों के घर-घर जाकर उनकी समस्याओं को जाना जाता है। समिति में स्व. घनश्यामदास कासट परिवार एवं ओमप्रकाश नावंदर परिवार का अप्रतीम योगदान रहा है। हर वर्ष 8,00,000 से 9,00,000 रुपये तक सहायता राशि का वितरण माहेश्वरी समाज के 75 से 80 जरुरतमंद, गरीब परिवारों में किया जाता है।

निःशक्तों (दुर्बलों) के प्रति मुक्त हस्त

करीब 100 अंध परिवारों को हर वर्ष अंध संगठन के माध्यम से जीवनावश्यक खाद्य सामग्री व साहित्य का वितरण, गौरक्षणों में गौ चारा, आदिवासी छात्रो में किताबे, नोटबुक, गणवेश वितरण, करीब 200 अंध, अपंग, मूकबधिर छात्रों को शैक्षणिक सामग्री व कपड़े वितरण, जरुरतमंद माहेश्वरी परिवारों में वर्ष में दो-तीन बार किराना सामग्री वितरित करना, अंधजनो को 200 अंधकाठी का वितरण, अपंग सेवा केंद्र में हर वर्ष 120 अपंगो हेतु बड़ी मात्रा में भोजन सामग्री आदि कार्य से भी आप सम्बद्ध हैं। 11 अंध जोडों का निःशुल्क सामुहिक विवाह विधिवत वैदिक पद्धति से करवाकर सभी 11 जोडों को शेरवानी, साड़ी, शॉल, कपड़े, ग्रहस्थी के बर्तन, 1 माह का राशन देकर धूमधाम से अमरावती में आयोजित किया। यह अपने आप में एक अनोखा आयोजन था। इसके पश्चात पुनः 6 अंध जोडों का निःशुल्क सामुहिक विवाह इसी तरह किया गया। यह अंधजनो के जीवन में वसंत लाने का प्रयास रहा।

सेवा ने दिलाया सम्मान

इसके साथ दंतरोग निदान शिविर, युवतियों हेतु मेहंदी क्लास आदि के संयोजन में आप सदैव तत्परता से सम्बद्ध हैं। आपको आपकी सेवा के लिये अमरावती विश्वविद्यापीठ का प्रतिष्ठाका संत गाडगे बाबा पुरस्कार सहित कर्णबधिर सेवा पुरस्कार, समाज गौरव, आंबेडकर सेवा, राष्ट्रीय प्रबोधन, सेवारत्न, शिक्षा भारती, नवरत्न मूकबधिर सेवा, विदर्भरत्न पुरस्कार, संतगाडगे बाबा सेवाश्री, सावित्रीबाई फुले जनसेवा, कर्मयोगी, मानवसेवा, पुरस्कार, शाहू आंबेडकर सेवा, लोकमान्य तिलक गौरव, राष्ट्रीय सेवारत्न, विदर्भ भूषण, महाराष्ट्र समाज भूषण, महेश गौरव, आदर्श समाजसेवा, दाजीसाहेब पश्वर्धन, भारत गौरव, गोल्डस्टार मिपलेनियम अवार्ड, जीवन गौरव, राष्ट्र संत तुकडोजी सेवा, महेश भुषण, अतुल्य भारत प्रतिभा, आदि 40 से ज्यादा पुरस्कार प्राप्त हुए है। आप अनेक सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक संगठनों में पदाधिकारी हैं। मानवसेवा एवं जीवदया ही आपके जीवन का लक्ष्य है।

समाज में आमतौर पर महिला संगठन अलग बना दिया गया है और समाज संगठन को अघोषित पुरूष संगठन बना दिया गया है। इसी पुरूषवादी सोच से परे हटकर राजकोट माहेश्वरी समाज ने 68 वर्षीय श्रीमती प्रतिभा होलानी की क्षमताओं व नेतृत्व पर भरोसा करते हुए इस बार संगठन की बागडोर नारी शक्ति को ही सौंप दी है।

■ टीम SMT

माहेश्वरी समाज की प्रथम महिला अध्यक्ष

प्रतिभा होलानी

राजकोट माहेश्वरी समाज ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए इस बार समाज की बागडोर महिलाओं के हाथ सौंपने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इसके अनुसार प्रतिभा होलानी को सर्वसम्मति से राजकोट माहेश्वरी समाज का अध्यक्ष चुना गया। अखिल भारतीय माहेश्वरी समाज में यह प्रथम उपलब्धि है, महिलाओं की। संगठन में सुनीता भदादा- मंत्री, प्रियंका काबरा - कोषाध्यक्ष एवं शिल्पा भट्टड - संयुक्त मंत्री नियुक्त हुई। गत 17 अगस्त को अपने प्रथम उद्बोधन में श्रीमती होलानी ने माहेश्वरी समाज को औद्योगिक नगरी राजकोट में पहचान दिलाने के लिए कुछ प्रोजेक्ट्स प्रारम्भ करने पर जोर दिया। श्रीमती होलानी ने नारा दिया ''संख्या में है हम कम, पर हम में है दम।'' पहली मीटिंग में देश भक्ति एवं सांस्कृतिक पर्व दोनों हर्षोल्लास के साथ मनाए गए। सभी ने सामूहिक भोज का आनंद लिया और कुछ नया करने की ठान कर सब ने विदा ली।

उच्च शिक्षा से तराशी प्रतिभा

श्रीमती होलानी का जन्म 4 नवम्बर 1956 में नागपुर में श्री अयोध्या प्रसाद व श्रीमती कमलादेवी चांडक के यहाँ हुआ था। 12 फरवरी 1979 में आप ग्वालियर निवासी महेश होलानी के साथ परिणय बंधन में बंधी और आपकी कर्मभूमि राजकोट हो गई। आपने बी.एच. एस.सी. तथा एल.एल.बी. तक उच्च शिक्षा मैरिट के साथ प्राप्त की लेकिन फिर भी अपनी प्रतिभा का उपयोग अपने पारिवारिक व्यवसाय की उन्नति में करने का संकल्प लेकर 1986 से इसी में व्यस्त हो गईं। 1986 में व्यवसाय को विस्तार देने इंदौर शिफ्ट हुए। कुछ नया करने की ललक से व्यवसाय में पदार्पण किया और पारिवारिक सहयोग से उसमे रुचि बढ़ती ही गई जो आज तक कायम है। 2010 में परिवार ने उद्योग जगत में पहचान बनाने राजकोट में होलानी बेयरिंग्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से बियरिंग मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की शुरुआत की जो अब देश विदेश में अपने पैर जमा रहा है। 2011 में पूरा परिवार राजकोट शिफ्ट हुआ। वर्तमान में श्रीमती होलानी अपनी पारिवारिक कम्पनी ''होलानी बेयरिंग्स प्रा.लि.'' की डायरेक्टर हैं। पेंटिंग और क्रोचेटिंग, कुकिंग में भी बहुत रुचि रही। एक पुत्र विशाल (मैकेनिकल इंजीनियर) एवं पुत्री प्रगति (एमबीए फायनेंस) की मां बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। ससुरजी श्री हरिप्रसाद होलानी एवं सासूजी श्रीमती सावित्री देवी होलानी (सागर निवासी) ने हमेशा मार्ग प्रशस्त कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। पति श्री महेश होलानी की फ्यूचरिस्टिक सोच हमेशा लक्ष्य प्राप्ति में सहायक रही। उल्लेखनीय है श्रीमती होलानी अ.भा. माहेश्वरी महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी एडव्होकेट श्री विजय जी चाण्डक की छोटी बहन है।

समाज सेवा में सतत सक्रिय

माहेश्वरी युवा सांस्कृतिक विन्यास के सभी फाउंडर मेंबर्स के मिलकर नागपुर में माहेश्वरी समाज की जनगणना का कार्य किया। वैसे उन्होंने 1995-96 से ही सामाजिक क्षेत्र में कदम रखा था। माहेश्वरी विवाह प्रकोष्ठ के परिचय सम्मेलन के एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में कार्य किया और अगले ही वर्ष से संयोजक बनीं। लगभग 2011 में जब राजकोट शिफ्ट हुए तब तक संयोजक ही रहीं। बच्चों के लिए कुछ करने की चाहत से 1994 में थेलीसीमिया एंड चाइल्ड वेलफेयर ग्रुप की एक्टिव मेंबर बन अपनी प्रेसिडेंट के कंधा से कंधा मिलाकर कार्य किया। आज भी वे उसकी स्थाई सदस्य हैं। इसमें न सिर्फ थेलीसीमिया वरन बच्चों की और बीमारियों, गांव-गांव जन जागरण, एजुकेशन और भी विस्तृत रूप से कार्य होता है। श्री माहेश्वरी डीडवाना पंचायती 51 घर थोक महिला संगठन इन्दौर की फाउंडर प्रेसिडेंट, अपने प्रथम सत्र में ही माहेश्वरी महिलाओं द्वारा सिर्फ माहेश्वरी महिलाओं के लिए कार रैली ''ट्रेजर हंट'' आयोजित की जिसमें 32 माहेश्वरी महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। 2015 से 2022 तक श्री राजकोट माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष रहीं। इस अवधि में संगठन ने प्रांत लेवल पर अनेक प्रतियोगिताएं जीत कर अपनी धाक जमाई। 2019 से 2022 तक सहसचिव गुजरात प्रांत एवं व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति की संयोजिका, 2022 से गुजरात प्रांत उपाध्यक्ष एवं व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति गुजरात प्रमुख एवं 2024 जुलाई से राजकोट समाज अध्यक्ष पद का दायित्व सम्भाल रही हैं।

राजकोट माहेश्वरी समाज

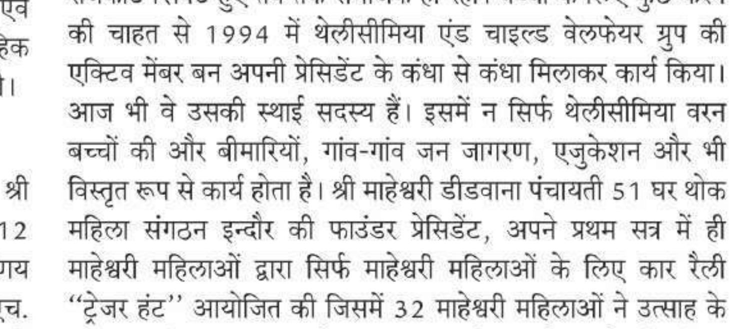

होजाई (असम) निवासी रमेश मूंदड़ा की पहचान एक ऐसे पत्रकार के रूप में है, जो पत्रकारिता भी समाजसेवा के रूप में करते हैं। उनकी लेखनी हमेशा आमजन के हित में चलती है, बिल्कुल निष्पक्ष। यही कारण है कि उनकी लेखनी ने उन्हें सम्मान दिलाने में भी कोई कसर नहीं रख छोड़ी। वर्तमान में भी वरिष्ठ पत्रकार के रूप में आप अपने कर्त्तव्य का सजगता से निर्वहन कर रहे हैं।

■ टीम SMT

पत्रकारिता से समाजसेवा

रमेश मूंदड़ा

रमेश मूंदड़ा का जन्म एक मध्यमवर्गीय परिवार में 31 जनवरी,1959 को मध्य असम के होजाई में नंदकिशोर मुंदड़ा तथा त्रिवेणी देवी के यहाँ हुआ था। आपकी शिक्षा होजाई के मारवाड़ी हिंदी प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 5 तक हुई। इसके बाद दसवीं तक की पढ़ाई आपने होजाई की गांधी विद्यापीठ से पूर्ण की। महाविद्यालयीन शिक्षा भी होजाई के ही कॉलेज से पूर्ण की। संघर्षमय जीवन होने के बावजूद भी समाज सेवा को सर्वोपरी रखते हुए अपने समाज में ही नहीं इत्तर समाज में भी अपनी अलग पहचान बनाई। स्कूली शिक्षा के दौरान से ही विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े व आज छह दशको बाद भी सामाजिक जीवन में सक्रिय है। 1933 में रमेश मूंदड़ा के पिता श्री नंदकिशोर जी मूंदड़ा राजस्थान के रामगढ़ शेखावाटी से असम में आए थे। नंदकिशोर मूंदड़ा 36 साल से भी ज्यादा समय तक स्थानीय भगवती राइस मिल के मैनेजर रहे। इसके बाद उन्होंने अपना छोटा सा व्यवसाय किया। श्री मूंदड़ा ने पत्रकारिता के क्षेत्र में भी कई कार्यशालाओं में भाग लिया। आप राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रकार हैं। वे आज तक साइकिल के माध्यम से ही अपना सारा काम करते हैं। व युवाओं को साइकिल चलाने के लिए भी प्रेरित करते हैं। कई संस्थाएं उन्हें अतिथि के रूप में अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित करती है।

कलम ने दिलाया सम्मान

वैसे तो आप कई दशकों से पत्रकारिता व लेखन से जुड़े हुए हैं, पर असम के अग्रणी हिंदी अखबार 'दैनिक पूर्वोदय' के स्थापना काल 2005 से इसके साथ होजाई जिले से विशेष संवाददाता के रूप में जुड़े हुए हैं और निरंतर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। आप होजाई प्रेस क्लब व जिला संवादिक संस्था के भी सदस्य है। आपकी दो दशको की निष्पक्ष, निष्ठावान व ईमानदार पत्रकारिता सेवा को देखते हुए 16 नवंबर 2021 को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के उपलक्ष्य पर गुवाहाटी में असम सरकार के जनसंयोग विभाग द्वारा आपको सम्मानित किया गया। वही समाज सेवी संस्था अजमल फाऊंडेशन व होजाई जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में अजमल फाऊंडेशन द्वारा भी निष्पक्ष पत्रकारिता व सामाजिक अवदानों को देखते हुए सम्मानित किया गया। सन् 2018 में असम हॉकी एसोसिएशन व होजाई जिला खेल संस्था व सन् 2018 में अंतरराष्ट्रीय संस्था शिशुगांव की होजाई शाखा, असम स्टेट जर्नलिस्ट यूनियन ने आपको राष्ट्रीय प्रेस दिवस 2018 के उपलक्ष्य पर तथा होजाई महाविद्यालय के हिंदी विभाग ने आपके पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदानों को देखते हुए आपको प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया। कोविड महामारी के दौरान आपकी निरंतर साहसी पत्रकारिता व समाज सेवा को देखते हुए वर्ष 2020 में मारवाड़ी सम्मेलन की होजाई शाखा ने आपको कोविड वॉरियर्स की उपाधि से व निष्पक्ष पत्रकारिता को देखते हुए 2022 में हनुमान जन्मोत्सव समिति द्वारा भी आपको सम्मानित किया गया।

समाजसेवा में सतत् सक्रिय

आपके सामाजिक अवदानों को देखते हुए मारवाड़ी युवा मंच की होजाई शाखा ने आपको लाइफटाइम मेंबर अवार्ड से नवाजा। सन्

Received State Level Journalism Award From Pijush Hazarika, Minister of Information and Public Relations, Government of Assam at Guwahati, Assam organised by Department of Information and Public Relations on the Occasion of National Press Day, 2021.

Received Award for Journalism From Singari Basti Panchayat Committee.

Received Award for Journalism and Social Work from Ajmal Foundation, a pioneer social organisation and Hojai District Administration on the occasion of National Press Day,2022.

Received DIPR Recognised Press Card From Government of Assam.

Received Award From Marwari Samellan as COVID Warrior.

1990 व 1992 तक मारवाड़ी युवा मंच, होजाई शाखा द्वारा आयोजित नेत्र चिकित्सा शिविर में आपने प्रोजेक्ट चेयरमैन के रूप में अपनी सेवाएं दी। सन् 1996 में हेपेटाइटिस-बी कैंप में संयोजक के रूप में आपने अपनी सेवाएं दी। सन् 1996 मे लायंस क्लब, नौगांव द्वारा आयोजित कृत्रिम उपकरणों के डिस्ट्रीब्यूशन कैंप के प्रोजेक्ट चेयरमैन रहे। सन 1997 में लायंस क्लब, होजाई ग्रेटर द्वारा आयोजित आई ऑपरेशन कैंप में आपने अपनी सेवाएं प्रदान की जिसके लिए आपको सम्मानित किया गया। सन् 1992 से 1996 तक आप मारवाड़ी युवा मंच, होजाई शाखा के सचिव पद तथा सन् 2005-2006 में आप अध्यक्ष रहे। आपके कार्यकाल के दौरान आपने ऐसी कई महत्वाकांक्षी योजनाओं को प्रारंभ किया जिससे समाज के बच्चों के साथ-साथ इत्तर समाज के बच्चों का भी उत्साहवर्धन हुआ। आपने समाज के मनोरंजन हेतु 30 वर्षों तक होली मूर्ख सम्मेलन की उपाधियां लिखी व उनका संचालन किया। आपके कार्यों को देखते हुए मारवाड़ी युवा मंच की होजाई शाखा ने दो बार आपको सम्मानित किया। आपने सदैव समाज के बच्चों के बौद्धिक, सामाजिक व सांस्कृतिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित किया।

मारवाड़ी तरूण मंच की शुरुआत

सन् 2001 में अपने दो साथियों के साथ मिलकर 'मारवाड़ी तरुण मंच' का गठन किया। मारवाड़ी तरुण मंच एक अनोखी संस्था थी जिसमें 14 वर्ष से कम आयु के बच्चे ही इसके सदस्य होते थे। यह संस्था सन 2005 तक चली जिसमें तकरीबन 60 से भी ज्यादा बच्चे इसके सदस्य थे। इस संस्था द्वारा बच्चों हेतु निरंतर बौद्धिक विकास व खेलकूद, अनुशासन जीवन कार्यशाला, बड़ों का सम्मान कैसे करें आदि कार्यक्रम आयोजित होते थे। सन् 2009 में अपने असम गण परिषद (क्षेत्रीय दल) से होजाई के 12 नंबर वार्ड से चुनाव लड़ा। असम साहित्य सभा की होजाई शाखा, अंकुर संघ, प्लेबॉय स्पोर्ट्स क्लब, "चिल्ड्रन विलेज" होजाई आदि कई संस्थाओं के कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए अपनी सहभागिता निभाई। आपने अपनी सेवाएं- प्रचार सचिव के रूप में बाबा रामदेव पतंजलि के शिविर में भी दी। होजाई महाविद्यालय के स्वर्ण जयंती महोत्सव (2014-15) तथा सामाजिक संस्था अंकुर संघ के कार्यक्रमों में भी सेवा दी। सन् 2021 में असम साहित्य सभा की होजाई शाखा के स्वर्ण जयंती महोत्सव में प्रचार सचिव के रूप में आपने अपनी सेवाएं दी, विष्णुपल्ली रंगाली बिहू सम्मेलन के उपाध्यक्ष के रूप में आप सन 2022 से 2024 में अपनी सेवाएं निरंतर दे रहे हैं। सन 2004 से 2007 तक आप मारवाड़ी पंचायती के सचिव के पद पर आसीन रहे व भंडारा अध्यक्ष रहे। सन् 1973 में गठित डायमंड क्लब के सह-संस्थापक रहे। सन 1983 में गठित ब्रदर्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव रहे। मारवाड़ी हिंदी प्राथमिक विद्यालय, होजाई के संचालन समिति के चार बार आप सदस्य व डमरू पर सत्कार समिति के भी सदस्य रह चुके हैं। माहेश्वरी युवा संगठन गुवाहाटी के पांच बार आप सदस्य रह चुके है। सन् 1998 में बनी मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी के आप सक्रिय सदस्य रहें। सन् 2021 से संचालित सामाजिक संस्था 'अपना मंच' के आप सक्रिय वरिष्ठ सदस्य व सलाहकार हैं। 28 अगस्त 2024 को आयोजित होजाई महिला गोरखा एक्या मंच के तीज महोत्सव में आपने सलाहकार के रूप में अपनी सेवाएं दी। वर्तमान में वरिष्ठ नागरिक संस्था असम की होजाई शाखा के सक्रिय सदस्य भी हैं। सन् 2021-22 में आपने मारवाड़ी सम्मेलन की होजाई शाखा के महामंत्री पद को अलंकृत किया। वर्तमान में आप मारवाड़ी पंचायती होजाई के सचिव के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। वर्ष 2016 में आदर्श दुर्गा पूजा समिति के स्वर्ण जयंती के उपलक्ष में प्रकाशित स्मारिका आराधना के रमेश मुन्दड़ा संपादक रहे। जिसका विमोचन असम के पूर्व मुख्यमंत्री प्रफुल्ल कुमार महंत ने किया था। आपके कई पत्र-पत्रिकाओं में लेखों का प्रकाशन भी हुआ है।

धार्मिक आयोजनों में भी जिम्मेदारी

वहीं बात करें आपके धार्मिक सामाजिक कार्यों की तो श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति, नवरात्रि, दुर्गा पूजा, रामदेव दशमी, भारतीय दुर्गा पूजा, बाबोसा भक्त मंडल, राम कथा जैसे आयोजनों में संयोजक के रूप में अपनी सेवाएं कई बार दे चुके हैं। आपकी एक अति विशेष बात यह है कि अब तक अपने 136 अंतिम यात्रा में सम्मिलित हुए। अपने जीवन में गौसेवा व मानव सेवा को ही ईश्वर सेवा माना। सदैव गौ माता की सेवा की करने में विश्वास रखते हैं व लोगों को प्रेरित करते है। मानव सेवा में आप सदैव उन लोगों की मदद करते हैं जिन्हें लिखना पढ़ना नहीं आता है उनके बैंक खाते, डाक के जमा खर्च के फॉर्म भरना आदि सेवाएं निःस्वार्थ भाव से आप निरंतर देते हैं। आपके कर्म जीवन की बात करें तो युवा अवस्था से संघर्ष करते हुए अपने छोटे से व्यवसाय से अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। आपकी सहधर्मिणी संगीता मूंदड़ा हर कार्य में कंधा सा कंधा मिलाकर आपका पूरा सहयोग दे रही हैं। परिवार में आपकी एक पुत्री व एक पुत्र हैं जो आपके पद्चिन्हों पर अग्रसर है।

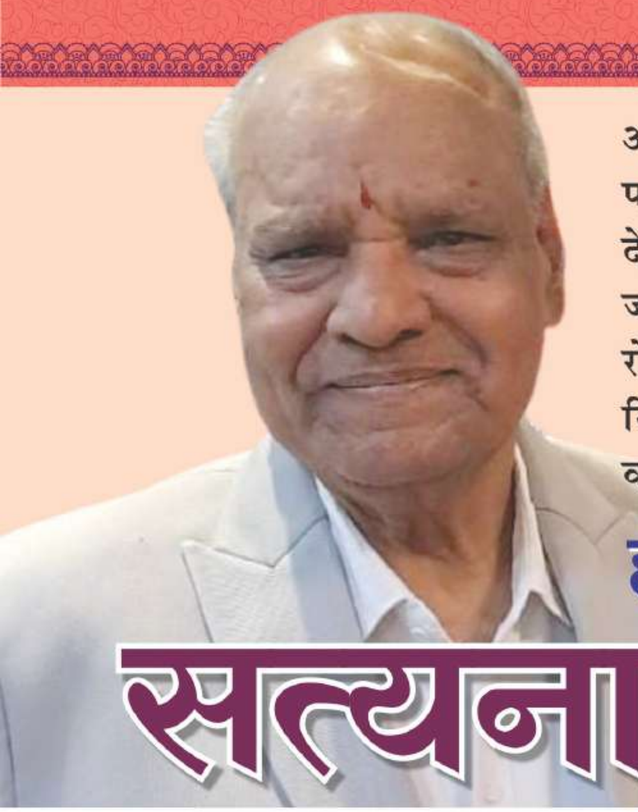

आमतौर पर लोग अपनी असफलताओं का दोष परिस्थितियों पर मढ़कर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होना चाहते हैं। हकीकत देखी जाए तो प्रयास यदि सही ढंग व पूरे हौंसले के साथ किये जाएें तो कोई भी विपरित परिस्थिति आगे बढ़ते कदमों को रोक नहीं सकती। इसी की मिसाल हैं, सोनकच्छ जिला देवास निवासी वरिष्ठ एडवोकेट सत्यनारायण लाठी जिन्होंने अपनी कर्मवीरता से अपनी तकदीर लिखी।

■ टीम SMT

हौंसले की मिसाल 'कर्मवीर' सत्यनारायण लाठी

सोनकच्छ जिला देवास में 73वर्षीय एडवोकेट सत्यनारायण लाठी का जब भी जिक्र होता है, तो हर कोई उनके हौंसले और कर्मठता के प्रति नतमस्तक हुए बिना नहीं रहता। भारी आर्थिक विपन्नता से उन्होंने जीवन की शुरुआत तो की लेकिन इसे ही अपनी किस्मत मानकर वे वहीं रुके नहीं, बल्कि उन्होंने अपनी कर्मवीरता से अपनी नई तकदीर बनाने का संकल्प ले लिया। इसी का नतीजा है, कि वे एक ऐसे सफल एडवोकेट रहे हैं, जिन्होंने कई देशों की यात्रा की। समाज सेवा का क्षेत्र भी उनकी इस कर्मठता की मिसाल देता है।

भारी आर्थिक परेशानियों से शुरुआत

श्री लाठी का जन्म 5 जून 1951 को बेटमा जिला इंदौर में स्व. इंदरमल जी लाठी-स्व. सरजू देवी लाठी के यहां हुआ। आपको अभाव में देखकर कक्षा 8 वीं में आपकी बुआजी स्व. श्रीमती नारायणीदेवी काकाणी और फूफाजी स्व. श्री नंदलाल जी काकाणी सोनकच्छ ले आए। आप हमेशा अपनी बुआजी और फूफाजी को यशोदा माता एवं नंदबाबा कहते हैं। फूफाजी की सोनकच्छ में बर्तन की दुकान थी। आपने दुकान संभालने के साथ ही अपनी शिक्षा पूर्ण की। बचपन में बस में गोली, बिस्किट, छाछ बेचने से लेकर मजदूरी तक की। अल्पायु में ही पिता का निधन होने के कारण परिवार की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर आ गई। ऐसी विपरीत परिस्थितियों व पारिवारिक जिम्मेदारी के प्रति तो जीवन के सभी सपने दम तोड़ देते हैं लेकिन श्री लाठी के हौंसले ने उन्हें हौंसला देते हुए हमेशा सपनों को साकार करने का सम्बल दिया। इसी के बल पर कठोर संघर्ष करते हुए भी शिक्षा के पथ पर सतत अग्रसर होते चले गये और वर्ष 1975 तक आपने एम.कॉम, एम.ए, एल.एल.बी. की शिक्षा पूर्ण कर वकालत को अपना मुख्य व्यवसाय चुना। 20 सूत्रीय समिति के सदस्य के रूप में भी आपने कार्य किया।

कई सेवा संगठनों को सेवा

अपनी व्यावसायिक व्यस्तताओं के बावजूद श्री लाठी समाजसेवी गतिविधियों में भी सदैव अग्रसर रहे। आप नगर पालिका

सोनकच्छ की स्थाई समिति के अध्यक्ष रहे। रोटरी क्लब सोनकच्छ के अध्यक्ष रहे। अभिभाषक संघ के अध्यक्ष रहे। मध्यप्रदेश वैश्य महासम्मेलन के देवास जिले के अध्यक्ष तथा देवास जिला माहेश्वरी सभा के दो बार अध्यक्ष बने। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य व पश्चिमी मध्य प्रदेश माहेश्वरी सभा के कोषाध्यक्ष रहे। मध्य प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के महामंत्री रहे एवं वर्तमान में मध्य प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के उपाध्यक्ष हैं। रोटरी अंतरराष्ट्रीय मंडल 3040 के वर्ष 2005 में मंडलाध्यक्ष रहे। गीता भवन चिकित्सालय सोनकच्छ के प्रबंधक ट्रस्टी रहे एवं वर्तमान में गीता भवन ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में कार्यरत हैं। आपने अपने जीवन में कई विदेश यात्राएं की हैं। वर्ष 2004 में आपको अमेरिका की सिटी सारासोटा बे के मेयर ने की मानद नागरिकता भी प्रदान की थी। आपके जीवन का मुख्य उद्देश्य ही पीड़ित मानवता की सेवा है। आप सोनकच्छ नगर एवं आसपास की कई धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं और गौशालाओं से जुड़े हैं।

उन्हीं के पदचिन्हों पर परिवार

आपके परिवार में एक पुत्र व तीन पुत्रियां हैं। पुत्र गगन एडवोकेट एवं पुत्रवधू मनीषा अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यकारिणी सदस्य, अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट में संरक्षक ट्रस्टी, पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन में कार्यकारिणी सदस्य एवं देवास जिला महिला संगठन की संगठन मंत्री हैं। आपके आपका पूरा परिवार सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में अग्रणी हैं। वर्तमान में आप माहेश्वरी समाज, वैश्य महासम्मेलन, रोटरी क्लब व गीता भवन ट्रस्ट के माध्यम से विभिन्न सेवा प्रकल्पों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए अपने वकालत व्यवसाय में भी पूरी तरह सक्रिय हैं। सोनकच्छ नगर में नेत्रदान के क्षेत्र में भी आप काफी जनजागृति फैला रहे हैं। पछले दिनों श्री लाठी का सम्मान माया माहेश्वरी प्रधान आयकर आयुक्त एवं राधेश्याम माहेश्वरी प्रिंसिपल कमिश्नर CGST द्वारा भी गत दिनों किया गया। आपके सुपौत्र हर्ष लाठी एक प्रतिष्ठित कम्पनी में सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर और सुपौत्री डॉ. खुशी लाठी एमबीबीएस पूर्ण कर पीजी की तैयारी कर रही हैं।

सफल जीवन की अनमोल पूंजी समय

हम पैसा, स्वास्थ्य सभी को अपने प्रयासों से लौटाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन समय को नहीं। कारण यही है कि समय अनमोल है। एक व्यवसाय मालिक के रूप में कैसे करें समय प्रबंधन, आइये जानें कुछ टिप्स।

अखिल बाहेती, इचलकरंजी

एक व्यवसाय के मालिक के रूप में, हम अलग-अलग जिम्मेदारियाँ सम्भालते हैं। आप सीईओ, मैनेजर, एनालिटिक्स, और समस्या समाधानकर्ता सब एक साथ होते हैं। इतनी सारी जिम्मेदारियों को एक साथ निभाना है, यह आसानी से तब नहीं हो सकता है कि आप दिन-प्रतिदिन के कार्यों में उलझ जाएं और वास्तव में महत्वपूर्ण चीजों को नज़रअंदाज़ कर दें। लेकिन इन सभी के बीच, एक चीज़ है जो सबसे ऊपर है, समय। समय वह एकमात्र चीज़ है जो पुनः प्राप्त नहीं की जा सकती, बदली नहीं जा सकती या खरीदी नहीं जा सकती। यह वह एक रिसोर्स है, जो सबके लिए समान रूप से वितरित किया जाता है, धन, स्थिति, या पद के बावजूद। और फिर भी, यह व्यवसाय में सबसे ज्यादा बर्बाद किया जाने वाला रिसोर्स है।

टाईम मैनेजमेंट इसलिये जरूरी

आप हमेशा अधिक पैसा कमा सकते हैं, अधिक कर्मचारियों को काम पर रख सकते हैं, या अधिक रिसोर्स प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन आप कभी भी अधिक समय नहीं बना सकते हैं। एक बार जब यह चला जाता है, तो यह हमेशा के लिए चला जाता है। इसलिए, प्रभावी तरीके से टाइम मैनेजमेंट करना व्यवसाय के मालिकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह केवल प्रोडक्टिव होने के बारे में नहीं है; यह रणनीतिक होने के बारे में भी है। आप जिस कार्य पर समय बिताते हैं, वह एक ऐसा समय है जो आप किसी और चीज़ पर नहीं बिता सकते हैं। आप जो टाइम बर्बाद करते हैं, वह ऐसा टाइम है जो आप वापस नहीं पा सकते हैं।

कैसे करें समय का सदुपयोग

▸ **स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें:** यह तय करें कि क्या करने की आवश्यकता है और उसी के अनुसार प्राथमिकता दें। परिणाम देने वाली गतिविधियों पर फोकस करें।

▸ **टू डू लिस्ट (अनुसूची) का उपयोग करें:** अपने दिन, सप्ताह, और महीने की योजना बनाएं। कार्यों, मीटिंग्स, और ब्रेक के लिए विशिष्ट समय निर्धारित करें।

▸ **डिस्ट्रक्शन को समाप्त करें:** विघ्नों को कम से कम करें, सूचनाओं को बंद कर दें, और एक अनुकूल कार्य वातावरण बनाएं।

▸ **कार्यों को डेलीगेट करें:** अपनी टीम को उन कार्यों का स्वामित्व लेने के लिए अधिकृत करें जिनके लिए आपके सीधे हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती है।

▸ **ब्रेक लें:** उत्पादकता बनाए रखने और जलन से बचने के लिए रिचार्ज और रिफोकस करें।

हर एक मिनिट का रखें हिसाब

समय एक लिमिटेड रिसोर्स है। इसे बुद्धिमानी से उपयोग करें तो आप अपनी अपेक्षा से कहीं अधिक प्राप्त करेंगे। इसे बर्बाद करेंगे तो हम पिछड़ जाएंगे। इसीलिए, समय ही एकमात्र चीज़ है जो व्यवसाय के मालिकों के लिए वास्तव में सर्वाधिक मायने रखती है। आपकी प्रोडक्टिविटी बढ़ने से कई फायदे आपको अपने जीवन मे मिलेंगे। कम समय मे ज्यादा काम पूर्ण होगा, वर्क लाइफ बैलेंस बना रहेगा, निर्णय लेने की क्षमता बढ़ेगी, कमाई करने के नए साधन ढूंढने में आसानी होगी तथा जो भी गोल्स आपने सेट किये है, वह पूर्ण होंगे। इसलिए हर एक मिनिट का हिसाब रखें, सही जगह इस्तेमाल करें, क्योंकि हमारा बिजनेस इस पर निर्भर करता है।

जीवेत् शरदः शतम्

अ.भा. माहेश्वरी महासभा
के पूर्व उपाध्यक्ष,
जयपुर माहेश्वरी समाज के
पूर्व अध्यक्ष एवं सरंक्षक,
समाज गौरव, समाज भामाशाह,
एवं समाज रत्न से सम्मानित

हास्य सम्राट

श्री आर.डी. बाहेती जी

अपने सफल जीवन के
21 अक्टूबर 2024 को
88 वर्ष पूर्ण करने पर
सादर अभिनन्दन...

बाबा श्री महाकालेश्वर से
आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं यशस्वी जीवन
की प्रार्थना करते है।

श्री माहेश्वरी टाईम्स
परिवार

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी मुंबई

नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है श्राद्ध पक्ष

पितृ पक्ष श्राद्ध पक्ष- एक बेमिसाल सामाजिक, पारिवारिक रीति-रिवाज, जो हमारी संस्कृति की गहन अन्वेक्षण प्रक्रिया और उसके सहज क्रियान्वयन की उम्दा मिसाल है।

जन्मदिवस और मृत्युदिवस पर महान एवं संपन्न व्यक्तियों के चित्र, चरित्र की जानकारी बड़े-बड़े इश्तहारों में तो आप आये दिन देखते-पड़ते रहते हैं लेकिन अपने हर परिवारजन की जानकारी सहज रूप से याद दिलाता है, 'पितृपक्ष'। पंद्रह दिवस का एक निश्चित समय, जिसकी हर तिथि पूर्वजों को याद कराती है, भाई बंधों को एक साथ लाती है, आने वाली पीढ़ी को परिवार के बड़े बुजर्गों के नाम, काम, शौक, जीवन शैली से परिचित कराती है। बड़े ही सहज, सरल तरीके से बच्चों तक उनके किस्से पहुंचाकर उन्हें परिवार प्रेम के धागे में पिरो देती है।

राह जिंदगी की तब क्या थी- मरने के बाद भी हम अपने बड़े बुजुर्गों को याद करते थे, अपने बच्चों को भावनात्मक धरातल पर उनके साथ जोड़ते थे। उस दिन उनकी पसंद का भोजन बनाते थे, बच्चे उस स्वाद और परम्परा से अवगत होते थे और बडों का हाथ सिर पर हो तो जीवन कैसे सहज हो जाता है। समस्याएं सरलता से हल हो जाती हैं, यह विश्वास पैदा हो जाता है।

'राह जिंदगी की' अब क्या बना ली हमने। मृत परिजन तो क्या, जीते-जी परिजनों का परित्याग कर दिया हमने। ''मैं'' के अहम में हम समझने लगे हैं कि पढ़-लिख कर बड़ी नौकरी पाकर, बढ़ता व्यापार बना बसा कर अब हमें किसी की कोई जरूरत नहीं है। उन माता पिता की भी नहीं जिन्होंने हमें पाल पौस कर, पढ़ा लिखा कर इस लायक बनाया है। बच्चा एक है तो घर में बुजुर्गों की उपेक्षा, बाहर काम पर है तो उनके लिये छुट्टियों के समय की उपेक्षा और दो तीन हैं तो पैसे एवं उन्हें देखने संभालने की जवाबदारियों का तोल-मोल। मृत्यु के समय अंतिम संस्कार के खर्चों की बहस। भौतिकता और सभ्यता का हवाला देते-देते हम कहाँ पहुंच गये हैं?

राह जिंदगी की अनुभव और आवश्यकतानुरूप सदैव बदली है। विचार कीजिये कि आज नई पीढ़ी अपना भविष्य बनाने में, अपने अधिकारों को सुरक्षित रखने में पुरानी पीढ़ी को भुला रही है तो कल सामाजिक तौर पर वह पीढ़ी वृद्धावस्था में अपने भविष्य को लेकर सावधान नहीं होगी। अपनी ढलती उम्र के लिये पैसा बचाने के लालच में उन्होंने आपकी परवरिश, पढ़ाई-लिखाई में कोताही शुरू कर दी, उन्होंने अपने जीवन और अपनी खुशियों को प्राथमिकता देते हुए आपको अकेला छोड़ दिया तब, तब क्या होगा?

आसार तो अब स्पष्ट रूप से नजर भी आने लगे हैं। बढ़ते हुए तलाक, सिंगल पेरेंट्स कल्चर, दूसरी तीसरी शादियों से अपने ही घर में घुटते बच्चे या फिर 'नो किड' कल्चर के प्रति बढ़ता आकर्षण। खामियाजा हर समाजजन को बुरी तरह भुगतना पड़ता है। दहेज प्रथा, बहु विवाह, बेमेल विवाह, भ्रूण हत्या, लड़के-लड़की अनुपात से उपजी आज की समस्या, समय रहते रीति-रिवाज, समाज व्यवस्था, संस्कारों की महत्ता को ना समझना, समय रहते न बदलने का ही दुष्परिणाम बनकर सामने आये हैं।

समाज तब श्रेष्ठ बनता है, जब उसकी तीनों पीढ़ियां संतुष्ट हों, हर वर्ग स्त्री, पुरुष, बच्चे सभी सुविधापूर्वक जीवन जियें। परिवार और समाज दोनों में तालमेल बना रहे।

आईये इस श्राद पक्ष की उपयोगिता, इसकी बदलती प्रक्रिया, परिवार की प्राथमिकता, समाज की तीनों पीढ़ियों की समन्वयता के मापदण्डों पर अपनी पारिवारिक जीवन शैली की समीक्षा करें। वैश्विक संस्कृति के इस युग में मूल्यांकन करें कि आनंदमयी जीवन के लिये भौतिक सुख साधनों संग भावनात्मक जुड़ाव कितना जरुरी है। इसे छोड़ देंगे तो एकाकीपन, हक और अधिकार कम, बीमारी अधिक बन जायेगा। नजर घुमाकर देखिये इसके उदाहरण चारों तरफ बिखरे नजर आयेंगे। देर कर पछतावा करने की जगह समय रहते अपने को संभाल लीजिये।

सर्वपितृ अमावस्या पर अपना और अपने परिवार, समाज का पितृत्व संभालने का संकल्प लीजिये। नवरात्रि में शक्ति स्वरुपा से इसे पूरा करने की शक्ति मांगने का पराक्रम कीजिए। राह जिंदगी की ही नहीं, संस्कृतियों की भी संभल जायेगी।

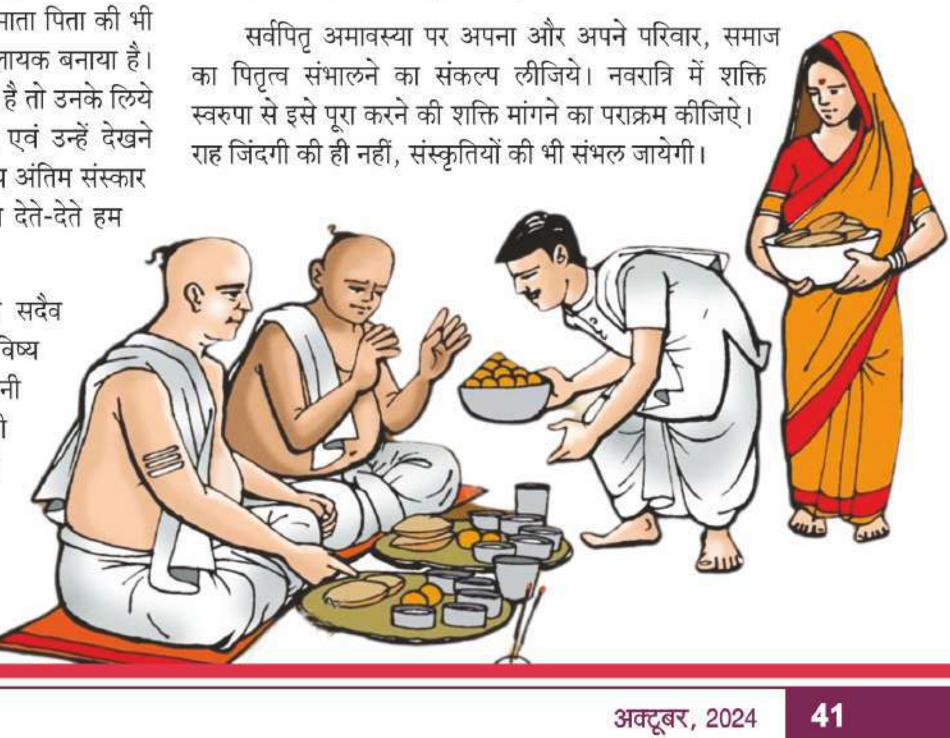

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

रूद्र मुद्रा शरीर की ऊर्जा को नियंत्रित करने में बहुत मदद करती है और इसे शक्ति का प्रतीक माना जाता है। रुद्र मुद्रा उदर के अंगों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करती है। अगर इसका नियमित तौर पर सही तरीके से अभ्यास किया जाए तो यह शरीर की अशुद्धियों को दूर करने और सेहतमंद बनाए रखने में मदद करती है।

स्फूर्तिदायक है रुद्र मुद्रा

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

कैसे करें : सामान्य रूप से सांस लेते हुए अपने दोनों हाथों को अपने दोनों घुटनों पर रखें। इसके बाद अपने दोनों हाथों की तर्जनी उंगली (Index finger) और अनामिका उंगली (Ring finger) के ऊपरी हिस्से को अंगूठे के ऊपरी हिस्से से मिलाएं और बाकि उंगलियों को सीधा रखें। अब अपनी दोनों आंखों को बंद करें और अपनी सांस पर ध्यान केंद्रित करें। 30 से 45 मिनट तक इस मुद्रा में रहें।

क्या है लाभ : इससे हृदय को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है। यह मुद्रा भूख और प्यास को नियंत्रित करने में मददगार है। इसके अभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ता है। इस मुद्रा से पाचन तंत्र की कार्यक्षमता बढ़ाने में काफी मदद मिलती है व यह मस्तिष्क और नर्वस सिस्टम को ऊर्जान्वित करने में सहायक है। शरीर में परिसंचरण, श्वसन, ऊर्जा को बढ़ाती है तथा यह मन और शरीर में संचित तनाव को प्रभावी ढंग से दूर करके आराम देने में मदद करती है, आत्म-मूल्य को बढ़ाती है और आत्मविश्वास का निर्माण करती है तथा अवसाद के इलाज में भी मदद करती है। यह हड्डियों, मांसपेशियों को मजबूत बनाती है और वजन बढ़ाने में उपयोगी है। यह मुद्रा मणिपुर चक्र को भी सक्रिय करती है।

विशेष ध्यान : बेहतर होगा कि इस मुद्रा का अभ्यास सूर्योदय के समय करें।इस मुद्रा के अभ्यास के दौरान सांस पर ज्यादा दबाव न डालें।

सही
जन्म कुण्डली
ही बता सकती है सही
भविष्य

ऋषि मुनि
वैदिक सॉल्युशन्स

90, विद्या नगर, साँवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.)
94250 91161 rishimuniprakashan@gmail.com

जन्म कुण्डली की सुक्ष्म गणनाओं के लिए विश्वसनीय नाम

भारत के प्रख्यात ज्योतिष विदुषियों द्वारा प्रमाणित सॉफ्टवेयर द्वारा ज्योतिष पत्रिकाओं में अग्रणी

१२ ग्रहों की स्थिति, उनके विवरण, षोड्ष वर्ग, सुदर्शन चक्र, मैत्री चक्र, षडबल एवं भावबल, प्रस्तारक अष्टक वर्ग सारिणी, अष्टक वर्ग सारिणी, विशोंतरी दशा, महादशा, प्रत्यंतर दशा एवं सुक्ष्म दशा सहित, कृष्णमूर्ति पद्धति, ग्रहों के उप स्वामी, ग्रहों की स्थिति लग्नानुसार, वर्षफल, वैदिक ग्रंथों के अनुसार नक्षत्र फल, साढ़े साती विवरण एवं उनके उपाय, रत्न विचार एवं समस्याओं पर उपचार, योग संग्रह, कुण्डली योग का विवरण, परिणाम सहित कुण्डली मिलान ।

वर्तमान दौर में प्रत्यक्ष सम्पर्कों के दुश्मन की तरह मोबाईल को प्रस्तुत किया जा रहा है। इतना ही नहीं इसको समय की बर्बादी का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। वहीं दूसरी ओर युवा पीढ़ी कह रही है कि आज के दौर में बुजुर्गों को भी मोबाईल सीखना और प्रयोग करना आवश्यक है। विशेषकर एकल परिवार के बुजुर्गों को मोबाईल का ज्ञान होना ही चाहिए। एकाकी इंसान के लिए मोबाईल मात्र सबसे संपर्क में रहने और समय काटने का साधन ही नहीं बल्कि एक दोस्त और सहायक का भी काम करता है। कहा जा रहा है कि बच्चे अपने बूढ़े माता पिता को समय नहीं दे पाते तो कम से कम एक मोबाईल अवश्य लाकर दें, जिससे बुजुर्ग अपनों के संपर्क में रह सकें। जिससे उनका अकेलापन कम और जीवन आसान हो सके। बुजुर्गों को मोबाईल से समय काटते देख प्रश्न उत्पन्न होता है कि मोबाईल का प्रयोग बच्चों, युवाओं और प्रौढ़ के लिए हानिकारक हो सकता है, तो क्या बुजुर्गों के लिए नहीं? ऐसे में यह चिंतनीय हो गया है कि वास्तव में मोबाईल का ज्ञान बुजुर्गों के लिए उचित है अथवा अनुचित? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

बुजुर्गों को मोबाईल का ज्ञान होना उचित अथवा अनुचित?

बच्चों और बुजुर्गों के बीच जेनरेशन गैप कम होगा

बढ़ती व्यस्तता अथवा अन्य कारणों से हम घर के बड़े बुजुर्गों को अपना समय नहीं दे पाते हैं। घर पर अखबार पढ़कर अथवा टी वी देखकर अपना समय काटना बड़ों की मजबूरी हो गई है। ऐसे में अगर बड़े बुजुर्गों के पास मोबाईल का साधन हो तो उनका अकेलापन काफी हद तक कम हो सकता है। बच्चे अथवा युवावर्ग मोबाईल का दुरुपयोग कर सकते हैं पर बुजुर्ग नहीं। बड़ों के मोबाईल सीखने से सिर्फ उनका ही नहीं हम बच्चों को भी फायदा ही होगा। हम उनकी चिंता से काफी हद तक मुक्त हो जायेंगे कि हम चाहे उनके पास हो अथवा दूर; उनको अगर कोई भी काम या जरूरत हो तो वो हमसे संपर्क कर सकते हैं। बड़े बुजुर्गों को समाचारों का शौक रहता है, उन्हें जगभर के समाचार क्षणों में मोबाईल पर देखने सुनने को मिल जाएंगे। हम उन्हें इंटरनेट और गूगल की जानकारी देकर घर बैठे नई नई जानकारी अर्जित करने का मार्ग सुझा सकते हैं। बुजुर्ग अपनी रुचिनुसार इंटरनेट, गूगल, यूट्यूब आदि से अपना मनोरंजन कर सकते हैं। उनको वीडियो कॉल की सुविधा सीखा दें तो वो अपनों से दूर रहकर भी निकटता का अनुभव करेंगे। इतना ही नहीं जो बुजुर्ग नितांत अकेले हैं वो घर बैठे बढ़ती उम्र में भी ऑनलाइन कार्य करके मोबाइल को जीविका का साधन बना सकते हैं। बैंक के कार्य से लेकर अपनी छोटी बड़ी सभी प्रकार की खरीददारी मोबाईल द्वारा कर सकते हैं। डॉक्टर की सुविधा भी मोबाईल पर उपलब्ध हो रही है। इसके साथ ही आजकल ऑनलाइन कार्यों में धोखाधड़ी काफी बढ़ गई है इसलिए अगर बुजुर्गों को सावधानी के साथ मोबाइल का प्रयोग सीखा दिया जाए तो उनका जीवन आसान हो सकता है। बुजुर्गों के टेक्निकल अपडेट रहने से बच्चों और बुजुर्गों की जेनरेशन गैप की समस्या का भी निवारण होगा। आधुनिकीरण से जुड़कर बुजुर्ग भी नई टेक्नॉलॉजी से लाभान्वित होंगे।

❒ **सुमिता मूंधड़ा**, मालेगांव (नाशिक)

मोबाईल जीवन की मूलभूत आवश्यकता

आज दुनिया चाँद पर पंहुच रही है। हर क्षेत्र में इंटरनेट और मोबाइल ने क्रांति ला दी है। ऐसे में भला कैसे कोई भी उम्र का इंसान मोबाइल से दूर रह सकता है। पहले सिर्फ लिखना-पढ़ना नहीं आता तब अशिक्षित कहा जाता था, मगर आज के दौर में जिसको मोबाइल की जरुरत जितना भी ज्ञान नहीं हो तो वह अति पिछड़ा समझा जाता है। आज ट्रेन, हवाई या बस कोई भी टिकट हो मोबाइल से एक पल में घर बैठे निकाल सकते हैं। कभी टैक्सी बुक करना हो, किसी को पैसा ट्रांसफर करना हो, चाहे पैसा बुलाना हो, मोबाइल का ज्ञान बहुत जरुरी है। उम्र के उस पड़ाव में जब हर व्यक्ति अपने कार्य में इतना ज्यादा व्यस्त हो, उस समय तो बुजुर्गो को चाहिए कि अपनी छोटी-छोटी जरूरतें वह खुद पूरी करें, ना कि किसी पर बोझ बनें। मोबाइल सिर्फ टिकट बुकिंग ही नहीं अपितु एक नौकर या सहकर्मी से भी ज्यादा काम की वस्तु है। जब बुजुर्ग कहीं आ-जा नहीं सकते तब मोबाइल ही हैं, जो उस व्यक्ति को व्यस्त भी रख सकता है और उसका समय भी आनंद और प्रसन्नता से समय व्यतीत करा सकता है। जैसे धार्मिक मूवीज, भजन-कीर्तन यह सब बूढ़े व्यक्ति मोबाइल पर देख -सुन सकते हैं और अपनों की कमी को कुछ हद तक कम कर सकते है। बुढ़ापे में अपने सगे-संबंधियों से जुड़े रहने के लिए भी मोबाइल बुजुर्गों के लिये बहुत उपयोगी है। सबसे बड़ी बात बुजुर्गो को इतने कम आर्थिक खर्च में इससे अच्छा दूसरा कोई साधन जिसमें इतनी सारी खूबियाँ हो, शायद ही और कोई हो। बुजुर्ग चाहे तो इसमें रेडियो सुन सकते हैं। अँधेरे में बैटरी भी उसमें उपलब्ध है। जरुरत है बुजुर्गो को उनके उपयोग की, हर वह बात हम प्रेम से बताये, समझायें ताकि उनका दिल बहले और हमें भी उनकी ज्यादा फ़िक्र करने की जरुरत ना पड़े। इसलिये बुजुर्गो को मोबाइल का ज्ञान होना, आज के समय की सख्त जरुरत है और बुजुर्ग और घर के सदस्य यह बात अच्छी तरह समझ लें तो कोई दिक्कत नहीं होगी।

❒ **सपना श्यामसुंदर सारडा**, सुरेंद्रनगर (गुजरात)

मोबाईल की पूर्ण जानकारी जरूरी

आज हम मोबाइल के युग में जी रहे हैं। सभी के लिए मोबाइल जीवन का एक आवश्यक अंग बन चुका है ।ऐसे में बुजुर्गों को उससे वंचित रखना, उन्हें समसामयिक परिवेश से दूर रखने के समान होगा। आज की भाग-दौड़ भरी व्यस्त दिनचर्या में मोबाइल ही आपसी संपर्क का तीव्र साधन है। जहाँ परिवार के सभी सदस्य सुबह से शाम तक घर से बाहर रहते हैं और बुजुर्ग दंपत्ति घर पर अकेले रहते हैं, तो ऐसे में उन्हें मोबाइल का ज्ञान होना अति आवश्यक है। चाहे किसी से फोन पर बात करनी हो, घर के दरवाजे की घंटी बजे, बाजार से सामान मंगवाना हो, किसी अनजान व्यक्ति का आगमन हो या अचानक स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो; सभी के लिए मोबाइल के अपने फायदे हैं। यदि बुजुर्गों को मोबाइल का ज्ञान नहीं होगा, तो वे आपदा के समय भी असहाय से खड़े रहेंगे। हमारा देश स्मार्ट कंट्री की ओर बढ़ रहा है, हम स्मार्ट समाज बना रहे हैं, तो ऐसे में बुजुर्गों को तकनीकी ज्ञान से दूर रखना न तो पारिवारिक हित में है और न ही सामाजिक। आधा अधूरा ज्ञान हमेशा खतरनाक होता है। अतः बुजुर्गों को मोबाइल से होने वाली हानियों के बारे में भी अवगत करवाना आवश्यक है। नकली संदेश, फोन कॉल व गलत सूचनाओं के बारे में भी बुजुर्गों को सचेत अवश्य करें। आर्थिक लेन-देन में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी बुजुर्गों को हम बताएं। परिवार के सभी सदस्यों से आपसी संपर्क के लिए भी मोबाइल आवश्यक है।

❒ **पल्लवी दरक न्याती**, कोटा (राज.)

आत्म निर्भरता के लिये बहुत जरूरी

आधुनिक युग कंप्यूटर अथवा यूं कह दे डिजिटल और भी स्पष्ट तौर पर मोबाइल का युग है। यह एक ऐसा खिलौना अथवा यंत्र है, जो प्रत्येक व्यक्ति के हाथ में हैं, चाहे वह बहुत बड़ा व्यापारी हो, बहुत बड़ा अफसर, सन्यासी, भागवत आचार्य, राजनीतिज्ञ हो यहां तक कि टैक्सीवाला गाड़ी वाला, हरिजन हो या फिर मांग कर खाने वाला। अब प्रश्न यह है कि बुजुर्गों को मोबाइल का प्रयोग कितना करना चाहिए अथवा नहीं? मेरी राय में बुजुर्गों के लिए मोबाइल का उपयोग अति आवश्यक है। हर एक बुजुर्ग को मोबाइल चलाना आना जरूरी है और उसके हर फंक्शन को समझना उसके लिए आवश्यकता हो गया है। अगर वह अकेला है और उसके पास एक मोबाइल है तो कोई भी नहीं हो फिर भी वह अपने आवश्यकताओं को फोन के सहारे पूरी कर सकता है। बुजुर्ग का अगर स्वास्थ्य ठीक नहीं है, तो डॉक्टर को बुलाना अथवा एंबुलेंस को बुलाना या और किसी की सहायता लेने के लिए बुलाना हो तो फोन होगा तो वह स्वयं ही बुला लेगा। उसकी देखरेख के लिए एक अटेंडेंट थोड़े समय नहीं भी हो तो फोन उसका सबसे बड़ा अटेंडेंट है। रेलवे टिकट बनवाना, बैंकों के बैलेंस आदि सभी का उसे ध्यान रहेगा। कहां से क्या कार्य होता है यह सभी चीज उसे मोबाइल द्वारा ज्ञात हो जाती है। कहीं अगर निकल गया और रास्ता भी भूल जाए तो रास्ता दिखाने के लिए मोबाइल सर्वोत्तम साधन है। रामायण, गीता, भागवत संत लोगों की कथाएं सुनकर वह अपना टाइम पास अच्छी तरह से कर सकता है। मेरी राय में तो मोबाइल के हर फंक्शन का ज्ञान बुजुर्गों को होना चाहिए और बच्चों को चाहिए कि वह अपने घर के बुजुर्गों को इसमें आने वाली सभी काम की बातों को सिखा दें।

❒ **उर्मिला तापड़िया**, नोखा (बीकानेर)

मोबाईल जीवनोपयोगी वस्तु

वैसे तो हर व्यक्ति को हमेशा ज्ञान ग्रहण करते रहना चाहिए, बशर्ते वह ज्ञान संपादन करने की स्थिति में हो। मोबाइल अब लग्जरी नहीं बल्कि जीवनोपयोगी वस्तु बन गई है। अगर बुजुर्ग को उसका ज्ञान होगा, तो वह अपने आर्थिक व्यवहार खुद कर सकेंगे। मनोरंजन, भजन, भक्ति गीत, प्रवचन, हास्य विनोद, राजकारण, समाज कारण सभी का ज्ञान उनको मोबाइल से मिलता रहेगा। उनका परावलंबित्व कम होगा। घर के सब लोग अपने-अपने कामो में व्यस्त होते हैं। कोई जॉब में, कोई गृह कृत्य में, कोई पढ़ाई में व्यस्त होता है। बुजुर्ग तो अब इन बातों से दूर होते हैं। कई रिटायर होते हैं, किसी के बच्चे कामकाजी होते हैं; तो इनका काम कभी-कभी औरों के काम में परेशानी ला सकता है। घर के लोग उनको टालने के मूड में होते हैं। उनकी जरूरत को प्राथमिकता नहीं मिलती। अगर उनको मोबाइल का ज्ञान हो तो वह कई बातों में स्वावलंबी बन सकेंगे, उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा, आत्म सम्मान बढ़ेगा। उनके दिमाग को गति मिलती रहेगी तो 'अल्जाइमर' का धोखा काम होगा। परिवार को भी उनका डिस्टरबेंस कम रहेगा, तो वह भी खुश रहेंगे। यह दुनिया ज्ञान का सागर है और हर किसी को इसमें तैरना आना चाहिए। फिर बुजुर्ग क्यों पीछे रहे? मोबाइल के सहारे वह भी इस ज्ञान सागर में तैरने की कोशिश जरूर करेंगे।

❒ **डॉ. कमल अशोक काबरा**, बुलढाणा रोड, मलकापुर (महाराष्ट्र)

तकनीकी ज्ञान समय की मांग

आज के इस आधुनिक युग में जहाँ कई माता-पिता अकेले रहते हैं तो उनको तकनीक का ज्ञान होना समय की माँग है और मोबाइल इसी तकनीकी का एक सशक्त उदाहरण है। मोबाइल का आंशिक ज्ञान तो बुजुर्गों की आज जरूरत ही बन गया है। आज के एकल परिवारों में मोबाइल बुजुर्गों का एक दोस्त की तरह सहारा बना है। बच्चों का ज्यादा मोबाइल देखना और बुजुर्गों का मोबाइल पर समय बिताना एक बात नहीं है। बच्चों के समक्ष सीखने और करने के लिए बहुत कुछ है। उनका मोबाइल पर अनावश्यक समय बिताना अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ करना है। वहीं दूसरी और बुजुर्गों को इस उम्र में ज्यादा कुछ करने और सीखने के लिए होता नहीं है तो एकाकीपन मिटाने के लिए वह मोबाइल का उपयोग करते हैं। बच्चों में बाल बुद्धि होती है, दुनियादारी का ज्ञान नहीं होता है तो वे जो उनके काम का नहीं है वह भी देख लेते हैं। वहीं बुजुर्ग समझदार होते हैं तो वह मोबाइल का सदुपयोग कर सकते हैं। बस वित्तीय लेनदेन बुजुर्गों के मोबाइल पर ना हो तो उत्तम होगा। वैसे आज के इस आपाधापी युग में बिना मोबाइल के काम भी नहीं चल सकता है।

❒ **विनीता काबरा**, जयपुर

वास्तव में मोबाईल बहुत बड़ी सुविधा

आज के युग मे मोबाइल एक ऐसी सुविधा है जिस से बहुत सारे कार्य सरलता से किए जा सकते हैं। युवा पीढ़ी के व्यस्त रहने के कारण प्रौढ़ लोगों को अपने बहुत सारे कार्य स्वयं करने पड़ते हैं। मोबाइल की सहायता से घर बैठे आवश्यक वस्तुए मंगाना, राशि किसी को भेजना या प्राप्त करना, घर बैठे डॉक्टर से ऑनलाइन चिकित्सा परामर्श प्राप्त करना आदि बहुत सारे कार्य सुगमता से हो सकते हैं। इसी के साथ लोगों से संपर्क में रहने का यह सुगम साधन है। जिन लोगों के बच्चे बाहर रहते हैं उनके लिए तो ये बहुत बड़ी आवश्यकता है। अकेलापन दूर करने के लिए भी यह अच्छा साधन है किंतु सर्व विदित है कि अति हर चीज की बुरी है। इसलिए मोबाइल को लत ना बनने दें। ये चीज जितनी युवा पीढ़ी पर लागू होती है। उतनी ही बुजुर्गों पर भी लागू होती है। एक कहावत है - आए थे हरि भजन को, ओटन लगे कपास, युवा कार्य भार के कारण परोपकार, भजन, गो सेवा आदि में कम समय दे सकते हैं, किंतु जब कार्य भार कम हो तो इन कार्यों को भी समय दें। सुबह शाम सैर, व्यायाम, पड़ोसियों से मेल मिलाप भी बहुत जरूरी है। मोबाइल को लत बना कर बाकी चीजों को नजर अंदाज ना करें पर तकनीकी ज्ञान को सीखें अवश्य ताकि किसी पर निर्भर ना रहना पड़े।

❐ **नम्रता माहेश्वरी,** पाली

मोबाईल एक अच्छा साथी

ढलती उम्र में मोबाईल एक अच्छा साथी बन जाता है। बच्चे, बहुएं, पोता-पोती सभी अपने अपने कार्यों में व्यस्त हो जाते हैं। ठीक से उनको समय नहीं दे पाते हैं। कई घरों में सुबह से रात तक बुजुर्ग अकेले रहते हैं और कहीं बच्चे दूसरे शहर में रहते हैं। उम्र बढ़ते सब तरह के कार्य करने में भी धीरे धीरे असमर्थ हो जाते हैं। आज के युग की जरूरत है, टेक्नोलॉजी का ज्ञान होना। यूट्यूब में सत्संग, रुचि अनुसार विषयों का ज्ञान, गाने, न्यूज सब कुछ उनको मिल जाता है। समय-समय पर मोबाइल में ही सीरियल व मूवी भी देख लेते हैं। अकेले कही बाहर जा रहे हैं तो उनके पास मोबाइल होने से हम उनके संपर्क में भी रह पाते हैं। बड़े शहरों में सब दूर-दूर बस गए हैं, कभी कभार ही परिवार बंधु से मिलना हो पाता है। अकेले जा नही सकते हैं और बच्चों के पास टाइम नहीं होता। तो कम से कम मोबाइल से वीडियो कॉल में बात कर सकते हैं। किसी कार्यक्रम में जा नही पाए तो जूम या वीडियो के जरिए उसमें शामिल हो पाएंगे। कई बार तो मोबाइल में न्यूज सुन कर हमें बताया जाता है कि किस शहर में क्या हो रहा है। सही तरीके से जितनी जरूरत के ऐप है उन्हें समझा देने से उनके लिए यह बहुत उपयोगी है। लेकिन आजकल जिस हिसाब से साइबर क्राइम हो रहा है उसकी जानकारी भी उन्हें देनी चाहिए। ताकि उनका कोई गलत फायदा ना उठा सके। छोटे हों या बड़े या बुजुर्ग सभी को टेक्नोलोजी में सावधानी बरतनी चाहिए।

❐ **नीरा मल्ल,** पुरुलिया (प.बं.)

क ख ग घ की तरह महत्वपूर्ण

बुजुर्गों को मोबाइल का ज्ञान होना उतना ही आवश्यक है,जितना छोटे बच्चों को क ख ग घ या ABCD का अक्षर ज्ञान होना। जब आज की जेनरेशन मोबाइल पर ही सारे काम कर रही है तो आपसी संवाद बनाये रखने कदम से कदम मिला चलने के लिए यह ज्ञान अच्छा मार्गदर्शक साबित होगा। मेरे हिसाब से और भी कई कारण हैं जिससे वरिष्ठ नागरिकों का जीवन इसके अपनाने से और आसान हो जाएगा। आज की पीढ़ी के पास जब समय की कमी है तो मोबाइल एक सच्चा, सरल, सहज, सुगम, सार्थक दोस्त साबित होगा। विपरीत परिस्थिति में भरोसे का साथी बन एक आवाज़ से डॉ. व रिश्तेदारों को मदद की गुहार लगा देगा, जिससे समय रहते आवश्यक सहायता मिल जाएगी। वे बोर होने के बजाय, समय का सदुपयोग कुछ सीखने और सिखाने में कर सकते हैं। पुराने साथियों को खोज कर व अपने रिश्तेदारों से पलक झपकते ही वीडियो कॉल द्वारा रूबरू हो सकते है। जादू की छड़ी सा लगने वाला यह मोबाइल उन्हें कोसो दूर बैठे डॉक्टर से भी स्वास्थ संबंधी ज्ञान, सलाह दिला सकता है, जिससे वे आत्म निर्भर हो उचित खाऩ-पान, व्यायाम से अपने को फिट रख सकते हैं। आज का अक्षर ज्ञान देने वाला यह साधन, उनके जीवन को और बेहतर बना अकेलेपन से मुक्ति दिला, मानसिक संतुलन बनाये रखने में कारगर सिद्ध होगा। मोबाइल प्रत्यक्ष दुश्मन नहीं अपितु अप्रत्यक्ष दोस्त है, बशर्ते बुजुर्ग अपनी नींद, अच्छा भोजन, शारीरिक गतिविधियों की प्राथमिकता के साथ कोई समझौता न करें।

❐ **शीला अशोक तापडिया,** नागपुर

अत्यधिक उचित है मोबाईल का ज्ञान

बुजुर्गों को मोबाइल का ज्ञान होना अत्यधिक उचित है। आज का दौर नई तकनीक का युग है और व्यक्ति चाहे किसी भी उम्र का हो उसे मोबाइल या हर नई तकनीक से वाकिफ होना चाहिए। आज सारे सुख-दुःख के समाचार, पारिवारिक, वैज्ञानिक, राजनीतिक, शहर के छोटे बड़े समाचार मोबाइल पर बहुत जल्दी पहुंचते हैं। किसी को फोन लगाना हो तो झट से वह वार्तालाप कर सकता है। आजकल यह सबसे फास्ट मैसेज पहुंचने वाला उपकरण है। बढ़ती उम्र में हरि भजन या हरि नाम भी इस फोन पर वीडियो ऑडियो के माध्यम से सुन सकते हैं। कई तरह की दवाइयां भी शारीरिक तकलीफ से जुड़ी इस पर मिल सकती है। बैठे-बैठे बिना किसी ज्यादा टेंशन के बहुत कम मेहनत से मोबाइल पर पैसे भी कमा सकते हैं। बुजुर्ग ज्यादा दौड़ भाग नहीं कर सकते, उनके लिए यह वर्क फ्रॉम होम बहुत इजी साधन है। हर वक्त टाइम देखने के लिए घड़ी पहनने की जरूरत नहीं है। और तो और अलार्म भी इस पर सेट करके अपने सारे काम समय से कर सकते हैं। यदि घर में राशन खत्म हो गया हो तो फटाफट डी मार्ट या ऑनलाइन स्टोर्स से वस्तुएं बुलाकर होम डिलीवरी करवा सकते हैं। उम्र का क्या है हमेशा बढ़ती ही है। वैसे सीखने की कोई उम्र नहीं होती है, हर उम्र में अगर जज्बा है, तलब है तो हर उम्र का व्यक्ति बच्चा है और सतत टेक्नोलॉजी सीखने के लिए नौजवान है। तभी तो देश उन्नति और तरक्की की और सतत अग्रसर है।

❐ **पूजा अनमोल काकानी** इंदौर (म.प्र.)

मोबाईल के नुकसान भी बताऐं

कहते हैं कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती, बुर्जुगों को मोबाइल का ज्ञान होना चाहिए। आधुनिक युग में आप मोबाइल से मुँह नहीं फेर सकते, बुजुर्ग मोबाइल के द्वारा मित्र रिश्तेदार से बात, चैट कर सकते है। समय अभाव को देखते हुए घर के बुजुर्ग को मोबाइल का ज्ञान होगा तो वो अपने किसी काम के लिए परिवार के सदस्यों पर निर्भर नहीं होंगे। वो अपनी दवाई, नाश्ता, पानी पीने सबको याद रखने के लिए अलार्म का उपयोग कर सकते हैं। एक बात और बुजुर्ग अपने जीवन के अनुभव सोशल मीडिया के द्वारा सबसे साझा कर सकते है। अभी जहाँ एकाकी परिवार के कारण घर के बुजुर्गों को अकेलापन लगता है, ऐसे में मोबाइल बुजुर्ग का मित्र बनता है तो गलत नहीं है। लेकिन एक बात कहना चाहूँगी कि हमें जो बात घर के बड़े सीखा सकते हैं वो कोई मशीन नहीं, इसलिए उनको समय जरूर दें। एक बात जरूर कहूँगी कि उनको मोबाइल से होने वाले फ्रॉड या नुकसान से भी जरूर अवगत कराऐं।

❒ **संगीता अजय दरक माहेश्वरी,** मनासा

आजकल टेक्नोलॉजी का जमाना

मोबाइल का उपयोग ही दिनचर्या का माध्यम है।जिसका ज्ञान हर वर्ग को होना आवश्यक है। खास करके बुजुर्गो को, जिससे वे बच्चों, रिश्तेदार, दोस्तो से संपर्क में रहेंगे। अपने पसंदीदा शौक का घर बैठे आनंद ले पाऐंगे। अपने हुनर का भी उपयोग कर सकेंगे। इससे अकेलेपन का गम उन्हें कोसों दूर ले जाऐगा। एक वक्त के बाद शरीर भी ढलने लगता है, जिससे हम मनचाहा काम करने में असहाय होते हैं। किन्तु मोबाइल का ज्ञान हमें एक्टिव रखेगा। बुढ़ापा जीवन का अंतिम पड़ाव होता है, जिससे बुजुर्गो को बुढ़ापा बोझिल नहीं लगेगा। बुजुर्ग अपने इस पड़ाव को भी हँसी खुशी से व्यतीत करेंगे। बची हुई जिंदगी जिंदादिली से जीऐंगे और हर वक्त किसी पे मोहताज नहीं रहेंगे। मोबाईल का साईड इफेक्ट्स भी हर उम्र की अवस्था में है। सब इसका उपयोग भरपूर करते हैं, तो बुजुर्ग क्यों नहीं कर सकते। जिन बुजुर्गों को सीखने की चेष्ठा है, युवा पीढ़ी को उन्हें, उन्हीं के स्टाईल में माधुर्य से समझाना चाहिए। बुजुर्गो को उमंग -उल्लास भी बच्चों की तरह होता है। उनकी समझने की शक्ति बच्चों की तरह। जल्द ही मोबाइल का सिस्टम समझ जाएंगे। अपनेपन के एहसास व अपनी काबिलियत से वे समाज में बदलाव लाएंगे। नई जनरेशन की सोच का सम्मान करेंगे। उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे। आजकल लाईफ स्टाईल की रफ्तार तेज हो गई है। सब अपने जीवन में व्यस्त हो गए हैं। बच्चे भी पढ़ाई कॅरियर के चक्कर में बाहर रहने लगे। मोबाइल ही ऑनलाइन हमें स्नेहिल पलों का एहसास कराता है। मोबाइल का उपयोग बुजुर्गो के लिए जैकपॉट के एहसास सा है।

❒ **किरण कलंत्री** रेनुकूट (उ.प्र.)

मोबाइल वर्तमान दौर की संजीवनी

वर्तमान दौर के स्पर्धा भरे युग में हर कोई अपनी जीवनशैली में व्यस्त हैं। ऐसे में बुजुर्ग वर्ग अकेलापन महसूस करते हैं उनके पास बैठकर उनसे बतियाने का समय पारिवारिक सदस्यों के पास कम ही रहता है। उम्र के इस दौर में दायित्व कम हो जाते है, शारीरिक श्रम कम होने से नींद भी कम आती है। ऐसे में मोबाइल उनके मनोरंजन का सबसे श्रेष्ठ साधन है। बहुत से परिवारों के बच्चे घर से दूर रहते हैं, ऐसे में बुजुर्गो को बच्चों से जोडे रखने का सशक्त माध्यम मोबाइल ही है। पल भर भी बात हो जाए तो उन्हें सुकून मिलता है। बुजुर्गो के लिए मोबाइल हर तरह से उपयोगी है जो उनके मानसिक स्वास्थ्य को तो अच्छा रखता ही है, साथ ही अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अब उन्हें किसी पर निर्भर भी नहीं रहना पड़ता। घर बैठे दवाई, अन्य ज़रूरत का सामान आ जाता है। कुछ स्थितियों में जब घर से बाहर निकलना संभव ना हो तो ऑनलाइन योगा क्लास, हम उम्र साथियों से बातचीत करना आसान हो जाता है। बुजुर्ग वर्ग किस चीज का, कितना कैसे उपयोग करना है यह अच्छे से जानते हैं। इसलिए अनावश्यक रूप से वे अपनी आंखों पर जोर देने से बचते ही हैं। आधुनिक युग से कदमताल मिलाकर चलने के लिए मोबाइल बहुत जरूरी है और आजकल बुजुर्ग भी अच्छे से मोबाइल के अलग-अलग एप को सीख रहे हैं और उम्र के उत्तरार्ध में अपनी कला, हुनर को मोबाइल के माध्यम से पूरा कर उसका प्रचार करने में कामयाब हो रहे हैं। यह सकारात्मक लाभ हो रहा है।

❒ **राजश्री राठी,** अकोला (महाराष्ट्र)

समयानुकूल उपयोगी

वर्तमान युग परिवर्तन का युग है और इस परिवर्तनीकरण के दौर का प्रभाव सभी पर पड़ा है फिर चाहे वह बच्चे हो, युवा हो और बुजुर्ग। मोबाइल तो आधुनिक युग की ही देन है और इस नए जमाने के साथ यदि कदम से कदम मिलाकर चलना है तो नवीनीकरण को अपनाकर ही आगे बढ़ना होगा। जैसा कि आज का विषय है कि 'बुजुर्गों को मोबाइल का ज्ञान होना उचित है या अनुचित' तो इस विषय पर मेरा विचार यह है कि मोबाइल का ज्ञान सही समय पर सही तरह से उपयोग करने पर तो अनेकानेक फायदे प्रदान करता है और विपरीत अवस्था में अति उपयोग नुकसानदायक सिद्ध होता है। बुजुर्गों को यदि नए युग के में नयी पीढ़ी के साथ सामंजस्य बनाए रखने में मोबाइल उपयोगी सिद्ध हो रहा है तो इसका ज्ञान होना सार्थक हो जाता है अन्यथा घातक ।

❒ **ममता लाखाणी,** नापासर

एक उम्र होती है जब सिर्फ 'रूप रंग' महत्वपूर्ण होता है, एक उम्र होती है जब 'विचार' महत्वपूर्ण होते हैं, और एक उम्र के बाद सिर्फ 'साथ' महत्वपूर्ण होता है।

खुश रहें - खुश रखें

जहां हम पूजा, जप और ध्यान करते हैं, वह जगह साफ होने के साथ ही सकारात्मक भी होनी चाहिए

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

कहानी - एक दिन देवी पार्वतीजी ने शिवजी से प्रश्न पूछा- 'ये बात कितनी सही है कि भक्ति में वातावरण का भी प्रभाव होता है।' शिवजी ने कहा- 'इस बात को समझाने के लिए मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूं। दक्षिण दिशा में पुरंदरपुर गांव में देव शर्मा नाम के पंडित रहते थे। वे बहुत भक्ति करते थे, लेकिन आत्मिक शांति कैसे मिले, इसके लिए वे लगातार कोशिश करते रहते थे।

एक दिन देव शर्मा से एक संत ने कहा- 'आत्मिक शांति पाना चाहते हो, ये कैसे मिलती है, ये बात समझना चाहते हो तो बकरी चराने वाला एक व्यक्ति है मित्रवान। तुम मित्रवान के पास जाओ।' संत ने देव शर्मा को मित्रवान के पास पहुंचने का रास्ता भी बता दिया। देव शर्मा संत के बताए हुए रास्ते पर चल दिए। जब एक जंगल में प्रवेश करते हैं तो वहां एक नदी के आसपास का वातावरण बहुत दिव्य था। पशु-पक्षियों की आवाजें आ रही थीं। उसी जगह पर मित्रवान ध्यान लगाए हुए बैठे थे। देव शर्मा ने मित्रवान को प्रणाम किया और कहा- 'यहां का वातावरण इतना अच्छा है। आप ध्यान भी कर पाते हैं।'

मित्रवान ने कहा- 'एक दिन जब में यहां बकरी चराने आया था तो सामने से एक शेर आ गया। मैं यहां से भागने लगा, क्योंकि मैंने सोचा था कि शेर मुझे और मेरी बकरी को खाएगा। मैंने दूर से देखा कि बकरी और शेर आमने-सामने खड़े हैं। शेर ने बकरी से कहा- 'मैं तो तुझे खाने आया था, लेकिन यहां आने के बाद मेरा मन ही बदल गया है।'

इसके बाद शेर और बकरी दोनों मेरे पास आ गए। जैसे ही ये दोनों मेरे पास आए तो मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ। जहां हम खड़े थे, वहीं पेड़ पर एक बंदर बैठा था। उसने बताया कि यहां शिव जी का एक मंदिर है। सुकर्मा नाम के एक भक्त ने ये मंदिर बनवाया था। जब उसने यहां भक्ति की तो उसे भगवान की कृपा मिली। यहां एक शिलालेख पर गीता का दूसरा अध्याय भी लिखा है। ये जगह ऐसी ही है, यहां किसी भक्त ने भक्ति करके इस स्थान को दिव्य बना दिया है। यहां जो भी आएगा, उसकी यात्रा उसकी आत्मा तक हो जाएगी।'

सीख - शिवजी ने देवी पार्वती को जो कथा सुनाई, उसमें हमारे लिए भी एक संदेश ये है कि वातावरण का प्रभाव हम पर अवश्य पड़ता है। इसलिए हमें हमेशा ऐसा काम करते रहना चाहिए, जिनसे घर, ऑफिस और मंदिर में हमारी नीयत साफ रहे, मन शांत रहे। हमारे कर्म अच्छे रहेंगे तो वातावरण अपने आप ही सकारात्मक हो जाएगा। वह जगह पवित्र हो जाएगी, जहां हम रहते हैं। ऐसी जगह पर जो भी आता है, उसे प्रसन्नता जरूर मिलती है।

नवरात्रि पर्व स्पेशल

उपवास में खायें जाने वाली इडली, साम्भर, चटनी

फराली इडली सांबर बनाने के लिए सबसे पहले इडली बनाएं। उसके लिए सामा और साबूदाने को साफ कर धो लें। छानकर, दही, 2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट और सेंधा नमक डालकर अच्छि तरह से मिलायें। 6 से 8 घंटो के लिये भिगोने के लिये एक तरफ रख दें। फिर उसे मिक्सर में मुलायम होने तक बगेर पानी डाले पिसे और अलग रखे। भरवा मिश्रण के लिये एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें और ज़ीरा डालें। जब वे चटकने लगे, बचा हुआ 2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर मध्यम आँच पर कुछ सेकन्ड तक भूनें। आलू, शक्कर, नींबू का रस और सेंधा नमक डालकर अच्छि तरह से मिलाये और धिमी आँच पर 5 मिनट तक पकायें। मिश्रण को ठंडा कर 16 बराबर हिस्सों में बाँट लें। चिकने इडली के साँचो में 1 टेबल-स्पून इडली का घोल डालें और आलू के मिश्रण के एक हिस्से को उपर फैलायें। थोड़ा सा शींगदाना पाउडर छिड़के और उपर एक और टेबल-स्पून इडली का घोल डालें। 10 मिनट तक इडली स्टीमर में पकायें।

इसके बाद सांबर बनाएं। उसके लिए एक गहरे पॅन में पानी उबालें, 1 कप लौकी, 1 कप सूरण और आलू डालकर 8 से 10 मिनट तक या सब्जीयों के पूरी तरह से पक जाने तक पकायें। पानी से छानकर, ठंडा कर मिक्सर में पीसकर मूलायम पेस्ट बना लें। एक गहरे नॉन-स्टिक पॅन में डालकर, 4 कप पानी डालकर अच्छि तरह से मिलायें और धिमी आँच पर 7 से 8 मिनट तक, एक बार हिलाते हुए पकायें। बचा हुआ 1/2 कप लौकी और सूरण, पीसा हुआ पाउडर और सेंधा नमक डालकर अच्छि तरह से मिलायें और 3 से 4 मिनट तक पकायें। तड़के के लिये, एक छोटे नॉन-स्टिक पॅन में तेल गरम करें और ज़ीरा डालें। जब वे चटकने लगे, बचे हुए 2 बोरीया मिर्च डालकर धिमी आँच पर कुछ सेकन्ड तक भूनें। बघार को उबलते साम्भर में डालें और अच्छि तरह से मिलायें। 3-4 मिनट तक धिमी आँच पर पकायें। नींबू का रस डालकर अच्छि तरह से मिलायें।

उपवास इडली सांभर को मूंगफली दही की चटनी के साथ परोसें। यह भुनी हुई मूंगफली को दही, अदरक हरी मिर्च के पेस्ट, जीरा और सेंधा नमक के साथ यह जोड़ती है।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल
सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है-
'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह
'जल देवता'.
जिनमें आप पायेंगे
न सिर्फ भारतीय संस्कृति
बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने
स्वीकारी है
जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का
अन्त नहीं बल्कि उन्हें
साकार करने का स्वर्णिम समय है.
बस इसके लिए जरूरी है
खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ...
इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी
की पुस्तक
"खूबसूरती से जीएँ
55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -
- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
a i s a k y o n

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है -
"ऐसा क्यों?" लेकिन इसका
उत्तर देगा कौन?
इसका उत्तर देगी गहन
अध्ययन से संजोई पुस्तक

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

दिवाळी री धूल रे साथे महायुद्ध

खम्मा घणी सा हुकुम दीपावली आ रही है.. दीपावली रो नाम सुनते ही जठे आम आदमी रे मन में मिठाइयों, दियों और पटाखों रों ख्याल आवें,वठे ही घर री महिलाओं रे दिमाग में सबसूं पेली 'सफाई अभियान' रों ख्याल आवें। दीपावली रे दौरान सफाई करणों मानों एक राष्ट्रीय कर्तव्य बण जावें, जिणसूं आप चाहने भी नहीं बच सकों। साल भर सूं जमा धूल-मिट्टी ने यूँ निकाळयों जावें, ज्यों कि वो कोई दुश्मन फौज हो और आपाने हर हाल में उने मात देणों ही है।

हुकुम सही कहूँ तो सफाई री शुरुआत आम तौर पर बेमन सूं ही हुवें। घर री मुखिया, जो पिछला साल भर सूं अखबार रे पन्नों में उलझी रहवें, अचानक सूं झाड़ू और पोछा री विशेषज्ञ बण जावे। उन्हें हर कोने में धूल और गंदगी यूँ दिखाई देवण लाग जावें ज्योंकि वा गंदगी में ही रह रही हो.. बहूँ ने केहवे 'अरे, देखो, उण अलमारी रे पीछे किती धूल जमा है! लागे, अठे सालों सूं सफाई नहीं हुई,' कहने यों एहसास दिलाणी चाह्वे, मानो वा 'धूल विशेषज्ञ' हों और उण धूल रे डीएनए रो पता लगा सकें कि या धुल किता साल पुराणी है।

अब शुरू हुवे हुकुम सफाई रो असली महायुद्ध। झाड़ू, पोछा और डस्टर यूँ घूमें मानो युद्ध रे मैदान में तलवारा चाल रही हों। हर सदस्य ने सफाई में योगदान अनिवार्य कर दियों जावें, ज्योंकि 'सफाई अभियान' राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम हो। बच्चा, जो हमेशा घर रे किन्ही कोने में छिपने आपरी दीपावली री छुट्टियां रो आनन्द ले रियाँ हुवें, अचानक सूं दादी, माँ वाणे सफाई रे काम में लगा देवे।

दीपावली री सफाई में मज़ो जणे आवें, जण अपणी पुराणी खोई हुई चीजां मिळ जावें। मां री आवाज 'अरे,या मेरी बाली अठे पड़ी थी!' भाई बोले 'म्हारों पेन ड्राइव मिळ ग्यों!' जेड़ा वाक्य सुनाई देवण लागे। यूँ लागे दीपावली री सफाई नहीं, बल्कि एक 'खोई चीजों रो मिलन अभियान' चल रियों है जिने पाने परम आनन्द मिळे।

और आखिर में, जण पुरों घर चमचमातो हुओं तैयार हूँ जावें, तो सबने यों अहसास हुवें कि दीपावली रे बहाने घर रा कोना कोना साफ हूँ ग्या हैं।

तो हुकुम, दीपावली री सफाई वास्तव में एक 'असली महायुद्ध' है, जिणमें धूल, पुराणा सामान और बची-खुची ऊर्जा रे बीच एक कड़ा संघर्ष हुवें। इण महायुद्ध में जीत तो हुवें, लेकिन थकावट रो जो 'प्रसाद' मिळे, वह दीपावली री मिठाइयों सूं कहीं ज्यादा भारी पड़ें!

मुलाहिजा फरमाइये

▸▸ *ज्योत्सना कोठारी*
मेरठ

- हर मुश्किल में छुपा है एक मौका,
  चलो आगे बढ़ो, यही है जीवन का जोश।
- सपने वो नहीं जो सोते वक्त आते हैं,
  सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।
- कदम बढ़ाते रहो, हार मत मानो,
  मुश्किलों से लड़कर ही खुद को पहचानो।
- जब तक है संघर्ष, तब तक है जीत,
  खुद पर विश्वास रखो, यही है सही रीत।
- खुद को कमजोर समझने की भूल न करना,
  तुम हो शेर, डर से कभी न झुकना।
- हर नया दिन है एक नई शुरुआत,
  मेहनत करो, न होगी कोई मात।
- जिंदगी की इस दौड़ में, कभी रुको मत,
  सपनों की ऊँचाई पर चढ़ते जाओ बस।

कार्टून कौतुक

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह महीना स्वास्थ्य की दृष्टि से अपना विशेष ध्यान रखने का रहेगा। यदि आप स्वास्थ्य की अपेक्षा करते हैं तो आपको चिकित्सा की आवश्यकता पड़ सकती है। यह महीना मिले-जुले परिणाम वाला रहेगा। इनकम नियमित रूप से होती रहेगी किंतु खर्च भी बड़े हुए रहेंगे। व्यापारी वर्ग के लिए यह महीना लाभप्रद रहेगा। नौकरी पेशा जातकों को अतिरिक्त प्रयास और मेहनत करना पड़ेगी। आपका विरोधी वर्ग सक्रिय रहेगा, लेकिन महीने के अंत तक आप इन सब स्थितियों से बाहर हो सकते हैं। अपने सहयोगियों से या पत्नी से मनमुटाव संभावित है। संबंधों की दृष्टि से यह महीना कुछ चुनौतीपूर्ण रहेगा।

वृषभ

वृषभ राशि के जातकों के लिए महीना बहुत सारी सौगात लेकर आ रहा है। बहुत लंबे समय से जिस समय की प्रतीक्षा थी, वह समय आने को है। व्यापारियों को धन लाभ होगा। व्यापार की वृद्धि होगी। नई प्लानिंग बनेगी एवं क्रियान्वित होगी। बहुत लंबे समय से चले आ रहे विवाद हल होंगे। नौकरी पेशा जातकों को उनके कार्य क्षेत्र में सम्मान एवं यश मिलेगा। नवीन जिम्मेदारियां मिलेगी। प्रेम संबंध में जातकों के दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। संबंधों को नया आयाम मिलेगा। एक दूसरे से समझने का नया दृष्टिकोण विकसित होगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से कुछ परेशानियां विशेष कर पाचन संस्थान से संबंधित बीमारियां आपको परेशान कर सकती है। अपने आहार विहार एवं खान-पान का विशेष ध्यान रखें। तला हुआ, फास्ट फूड एवं बाहरी का खाना खाने से बचें।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों के लिए यह महीना उतार-चढ़ाव वाली स्थिति का रहेगा या लाभ एवं हानि तथा अचानक घटने वाली घटनाएं आपको आश्चर्यचकित कर सकती है। यह महीना परिवार के प्रति एक नवीन दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर प्रदान करेगा। यदि आप समझदारी से काम लेते हैं तो इस समय से आप बहुत कुछ सीख सकते हैं एवं अपने व्यक्तित्व की कमजोरी को दूर कर सकते हैं। इसके विपरीत यदि जो मैंने कहा वही सही है, इस प्रकार के दृष्टिकोण से यदि आप देखते हैं तो आप कई संबंधों को खो भी सकते हैं। आपको आपकी वाणी के प्रति विशेष सजग रहने की आवश्यकता है, क्योंकि इस महीने में आपकी वाणी में तीखापन एवं आक्रामकता रहेगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से जोड़ो का दर्द, दूषित पानी पीने के कारण होने वाले संक्रमण इत्यादि आपको परेशान कर सकते हैं।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह महीना मध्यम फलदायी रहेगा। व्यापारी वर्ग को अप्रत्याक्षित लाभ एवं हानि उठाने पड़ सकती है। सहयोगी एवं साझेदारों के निर्णय के कारण परेशानियां भी खड़ी होंगी। जो जातक नौकरी पेशा है उन्हें अपने सहयोगियों के षड्यंत्र के प्रति सजग रहना होगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। किसी भी समस्या को नजरअंदाज ना करें एवं समय पर इलाज करावें। संबंधों की दृष्टि से महीना अत्यंत अनुकूल रहेगा। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। परिवार में सुख शांति रहेगी। सभी का प्रेम एवं इसमें सहयोग मिलेगा।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह महीना मिले-जुले परिणाम लेकर आने वाला है। जो जातक नौकरी पेशा हैं, उन्हें पदोन्नति मिलने की संभावना है। व्यापारी जातक यदि सही दिशा-निर्देश अपने सहयोगी एवं कर्मचारियों को देने में सफल रहे तो उनके लिए भी यह महीना अच्छा परिणाम देने वाला साबित हो सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना आपसे नियमित आहार विहार, व्यायाम, योग, प्राणायाम इत्यादि की मांग कर रहा है। विद्यार्थियों के लिए भी यह महीना नई सफलताएं लेकर आ रहा है। अध्ययन में मन लगेगा। एकाग्रता बनेगी एवं प्रफुल्लित वातावरण रहेगा।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह महीना स्वास्थ्य की दृष्टि से अपने स्वयं के ऊपर ध्यान देने का समय है। नियमित दिनचर्या, उचित मात्रा में व्यायाम एवं मौसम अनुकूल आहार-विहार आपको स्वस्थ्य रखने में सहयोगी रहेगा। संबंधों की दृष्टि से यह महीना आपके लिए बेहतर साबित होगा। कार्य क्षेत्र की दृष्टि से नौकरी पेशा जातकों को इस महीने अपने कार्य से विशेष संतुष्टि एवं सफलता मिलेगी। व्यापारी वर्ग भी अपने कार्यक्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। आर्थिक रूप से ना तो विशेष लाभ न विशेष हानि की स्थिति रहेगी। संबंधों का जगत उत्तम रहेगा। स्थिति जन्य मानसिक तनाव रह सकता है।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए यह महीना सजगता से रहने का है। स्वास्थ्य संबंधी सजगता रखना और आर्थिक निर्णय के प्रति भी सजग रहना है। जल्दबाजी में कोई इंवेस्टमेंट या नया काम या कोई बड़ा रिस्क ना उठावे। महीने के पहले सप्ताह में बहुत तेजी से खर्च आएंगे। अनावश्यक यात्राएं होंगी। खूब दौड़भाग होगी। दांपत्य-जीवन की दृष्टि से शुरुआती 2 हफ्ते अच्छे रहेंगे एवं अंतिम दो हफ्ते में कुछ तनाव हो सकता है। नौकरी पेशा जातकों की उनके कार्य क्षेत्र में उनके कार्य को सराहा जाएगा एवं सम्मान मिलेगा। पाचन संस्थान से संबंधित समस्या एवं नेत्र संबंधी कष्ट संभावित है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह महीना अनुकूल रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। धन योग बनेंगे। पारिवारिक संबंधों में मिठास रहेगी। पारिवारिक सम्मान मिलेगा। वाणी के ऊपर संयम रखेंगे तो पुराने बिगड़े हुए संबंध भी सुधर सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों का वरदहस्त रहेगा। व्यापार करने वाले जातकों को उनके व्यापार में वृद्धि के अवसर प्राप्त होंगे एवं लाभ होगा दांपत्य जीवन में मधुरता विद्यार्थियों के लिए एकाग्रता में कमी हो सकती है और स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना कुछ कमजोर रहेगा। पाचन से संबंधित समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह महीना जीवन के हर क्षेत्र में विशेष सजगता रखने का है। इस महीने काफी उथल-पुथल वाली घटनाएं घट सकती है। विशेष कर आपके कॅरियर से संबंधित घटनाएं घटित होने की संभावनाएं हैं। आपको आपके कार्य क्षेत्र में आश्चर्यचकित कर देने वाली घटनाएं घटेंगी या तो लाभ भी हो सकता है और यकायक नुकसान भी हो सकता है। दोनों की बराबर संभावना है। परिवार के वृद्ध सदस्यों के स्वास्थ्य की केयर करना पड़ेगी। जीवन साथी से मन मुटाव संभावित है। जो जातक बेरोजगार है, उन्हें रोजगार प्राप्ति की संभावनाएं भी बन रही है। लंबी यात्राएं संभावित है। महीने की शुरुआत में खर्च तेज रहेगा किंतु महीने के अंत तक आप उन पर नियंत्रण कर पाएंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से अपना विशेष ध्यान रखें।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह महीना अनेक सौगातें लेकर आ रहा है। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। पुरानी योजनाएं क्रियान्वित होंगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से आपकी आदतें आपकी दुश्मन साबित हो सकती हैं। इनको या तो छोड़ दें या सजग हो जाएं। परिवार के पुराने विवाद हल होंगे। तनाव कम होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। सहयोग मिलेगा एवं संबंधों को नया आयाम मिलेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से मुंह से संबंधित जैसे दांतों में दर्द, छाले इत्यादि आपको परेशान कर सकते हैं।

कुम्भ

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह महीना मिले-जुले परिणाम वाला रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति विशेष सजग रहना पड़ेगा। महीने की शुरुआत में स्वास्थ्य बिगड़ेगा किंतु महीने के अंत तक स्वास्थ्य लाभ भी हो जाएगा। कॅरियर के मामले में आपको आश्चर्यजनक परिणाम मिल सकते हैं। नौकरी में बदलाव आ सकता है। कार्य क्षेत्र में बदलाव हो सकता है। ट्रांसफर हो सकता है। संबंधों के जगत में तनाव की स्थिति बन सकती है। ससुराल पक्ष से मनमुटाव संभावित है। विदेश यात्रा के योग बन सकते हैं। संपत्ति खरीदने का विचार कर रहे हो तो सफलता मिल सकती है।

मीन

मीन राशि के जातकों को अधिक खर्च इस महीने में परेशान कर सकता है। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनेगी। कॅरियर के मामले में एवं कार्य क्षेत्र के मामले में ठीक-ठाक रहेगा। अपने सहयोगियों से अच्छे व्यवहार से आप अपने कार्य क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। संबंधों की दृष्टि से उतार चढ़ाव के योग बनेंगे। व्यापारी वर्ग को ज्यादा जोखिम उठाने से बचना चाहिए। पैरों से संबंधी समस्या एवं आंखों से संबंधित समस्या आपको परेशान कर सकती हैं, इनका ध्यान रखें।

इस बार भी करें
पूर्ण शास्त्रोक्त सामग्री से लक्ष्मी पूजन

ऋषिमुनि
लक्ष्मी पूजन सामग्री

- 44 शास्त्रोक्त पूजन सामग्री
- पूजन विधि पुस्तिका के साथ
- प्रामाणिक एवं गुणवत्ता युक्त
- आकर्षक गिफ्ट पेकिंग

RISHI MUNI
LAXMI PUJAN KIT

amazon meesho

Rishi Muni Creations

90, Vidya Nagar Ujjain, MP

rishimunicreations@gmail.com

96372 87416

Special Discount for Bulk Orders

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 October, 2024

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

https://www.facebook.com/smtmagazine/
https://srimaheshwaritimes.com